

राज

**कॉमिक्स
विशेषांक**

संख्या 01

बागाराज और सुपर कमांडो ध्रुव





नागराज

और

सुपर कमांडो ध्रुव



लेखक: संजय गुप्ता
सम्पादन: मनीष चंद्र गुप्ता
कला निर्देशन: प्रताप मुक्ति

चित्र: अंशु
सुलेख: पालव ठाकर

भास्त! शहर राजनगर!

राजनगर के चप्पे-चप्पे पर इन दिनों होर्डिंग, बैनर व पोस्टर... रूह-स्तर पर लगे दिखाई पड़ रहे थे—

SPECTACULAR-MEET-91

आइए! मिलिए
अपने सुपर हीरोज
से! देखिए एक साथ!
सुपर कमांडो ध्रुव!
नागराज! मोटी!
परमाणु! चाँडिका!
विलाकुवत! सुपर
कमांडो सीर्स और...
नागराज
राजनगर स्टेडियम में
इन्टरनेशनल चैम्पियनशिप
के सीजन से!





लोनों में इस प्रचार का जबरदस्त 'केज' बनने लगा —



शहर से बाहर के कुछ अन्य कुख्यात लोगों में से एक जोड़ी स्वसुरत निगाहें भी इस 'स्पेक्टाकुलर मीट-91' के विज्ञापन पर लगी थीं —



यह थी अपराध की दुनिया की
रानी मिस हिरोशिमा उर्फ मिस
किलर —

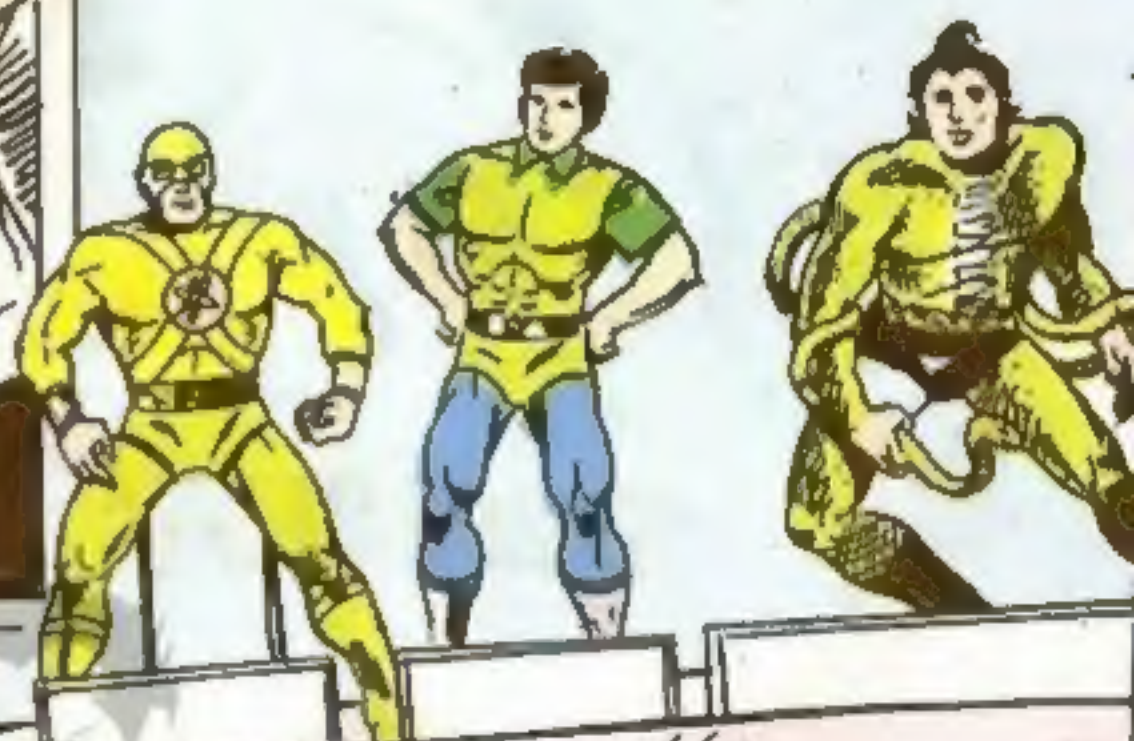


सुपर हीरोज!
हा हा हा!

ऐसा शानदार मौका
वाकई बार-बार नहीं
आयेगा! हा हा हा!



निश्चित दिन व समय पर 'राजलगर स्टेडियम' सुपर
शक्तियों के प्रदर्शकों से खयाल भरा हुआ था —



नागराज!
नागराज!

सुपर क्सांडो धुव!
सुपर क्सांडो धुव!

ठाठान... मौंटी!

परमाणु! विनाशदूत!
चण्डिका!

जल्दी आओ!
जल्दी आओ!

जोना सुपर शक्तियों की एक इत्तफ देख लेने के लिए बुरी तरह बेचैन थे।

और उद्योषक की इस घोषणा के साथ —



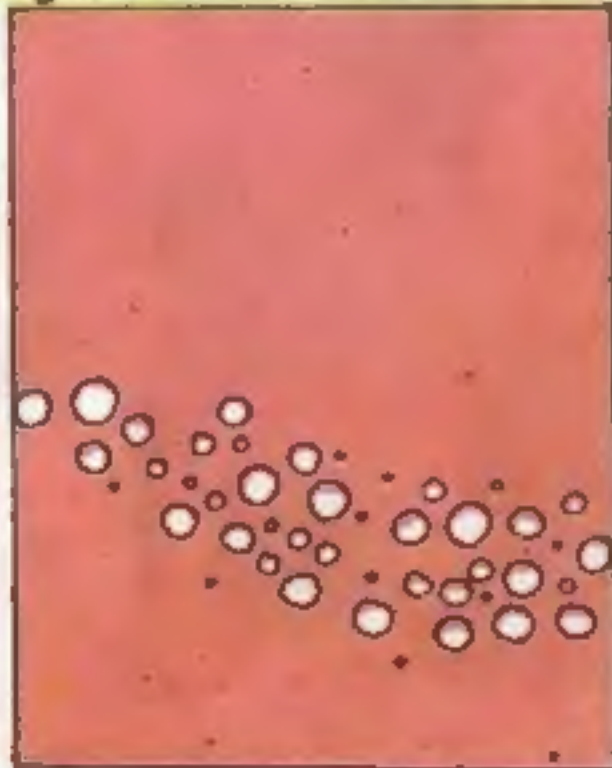
सारे स्टेडियम में जोर मच गया —



गगन के मंच पर उतरते ही सारा स्टेडियम तालियों से गूँज उठा —



तालियों की गूँज अभी समाप्त भी न हुई थी कि मंच की ओर उठी निगाहें मोचक की हो उठीं —



इसी के साथ परमाणु मंच पर ट्रांसमीट हुआ—

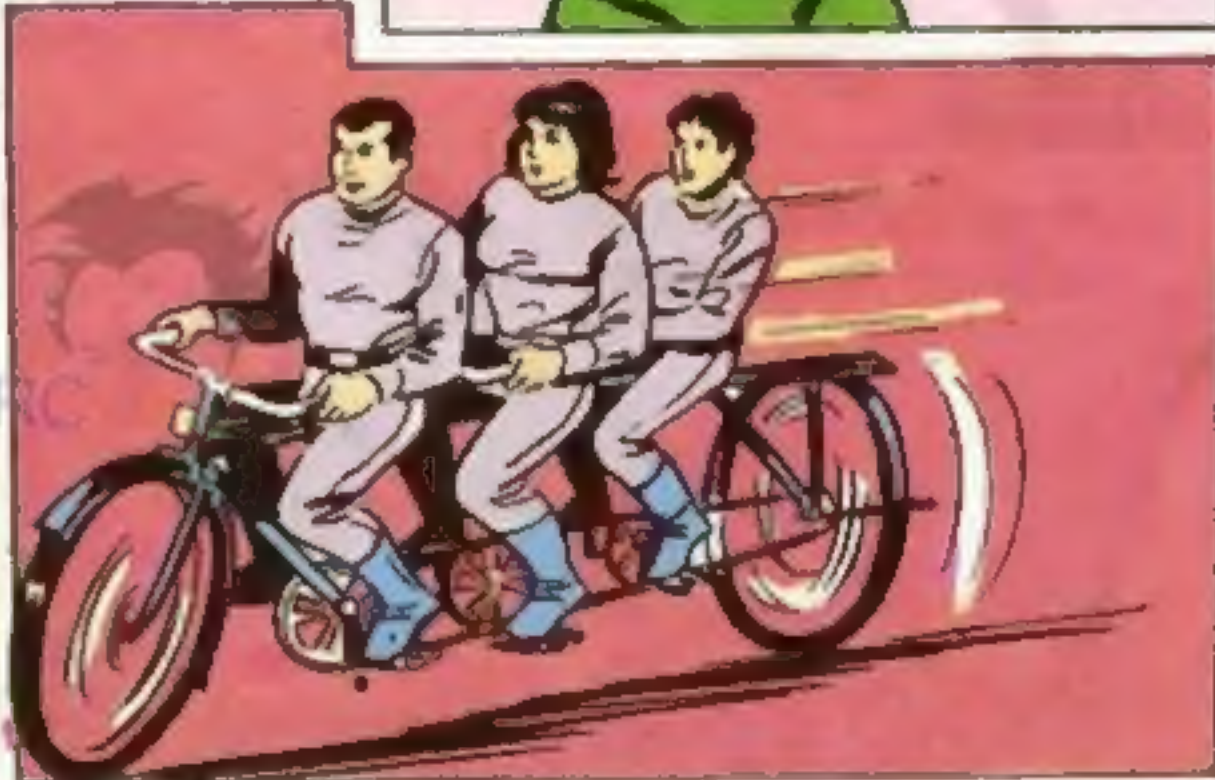


शोर मच गया—

परमाणु... परमाणु



इसी के साथ सबकी निगाहें उठ गई स्टेडियम के तार की ओर—



ठीक इसी वक़्त स्टेडियम में बूज उठी किसी मशीनी घोड़े की आवाज—

हिन ५५५





विनाशदूत
अदभुत!

विलक्षण
मानव!



उद्योषक ने सबका ध्यान स्टेडियम
की मझाल के निकट रखी तोप की
ओर किया —



दोस्तो! अब स्टेडियम में
तोप के धमाके के साथ
प्रवेश करेगी...

तोप की नली से गोले की जगह पुष्प-
वर्षा के साथ निकली चण्डिका —



आश्चर्य व रोमांच के कारण दर्शकों के
मुंह से चीखें निकल आईं।

इधर दर्शकों के बीच उपस्थित इस विशेष दर्शक ने जब अपने सिर से कैप हटाया —



दोस्तो, मुझे
भी पहचान
लो।

वनमानुष!

भावो!

वनमानुष!
इंसानों के कपड़े
पहने।

माइक पर हंसी के साथ नागन का स्वर गूंज उठा —



मोंटी केवल हंशारों की भाषा जानता है।

नागन, परमाणु, सुपर कमांडो फोर्स, चाण्डिका और विनाशादूत! सभी मंच पर उपस्थित थे —

और अब दर्शकों को बड़ी व्यथता के साथ जिन सुपर शक्तियों का हंतजार था, वे थे नागराज और ध्रुव! सारा स्टेडियम नागराज और ध्रुव के बोरे से गूंज रहा था —



स्टेडियम से बीस किलोमीटर दूर सुपर कमांडो ध्रुव अपनी मोटर साइकिल पर —

बीस किलोमीटर की दूरी मुझे दस मिनट में तय करनी है वरना मैं अवश्य ही लेट हो जाऊंगा।



एक एक कुछ देखता हुआ चीक पड़ा वह —



अरे! यह क्या?

राज क्रोमक्स
आंखें आश्चर्य से फट पड़ीं उसकी —



?!

वही क्या, उपास्थित प्रत्येक व्यक्ति चीक पड़ा था —



अरे!

यह क्या?

कैसे अजीब से हैं ये बादल!

कारण थी हरे बादलों की वह टुकड़ी



कैसे विचित्र बादल हैं?

... जो देखते ही देखते आकाश में फैल गई —



हरे रंग के बादल!

धुल की मोटर साइकिल को ब्रेक लगा गए।

और लोगों को आश्चर्य का महान झटका लगा —



राजलगर निवासियों को मिस किलर का जमस्कार!

मिस किलर!

मिस किलर! यह क्या बला है?

क्या चाहती है?

कौन है ये मिस किलर?

मिस किलर की खनखनाती आवाज गूँज उठी—

मैं आपसे केवल इतना कहने आई हूँ कि ये हरे बाद अब से एकदम मिनट बाद राजनगर में तेजाब की बारिश शुरू कर देंगे—



— इसलिये माई डियर फ्रेंड्स, जितनी जल्दी हो सके किसी सुरक्षित स्थान की तलाश कर लीजिए!

इसी के साथ वह महान आश्चर्य वहाँ से गायब हो गया।

मिस किलर की घोषणा का तुरन्त ही असर हुआ। सड़कों पर मगदड़ मच गई—



भागो! तेजाब की बारिश होने वाली है!

हरे बादलों से गिरेगी तेजाबी वर्षा।

सुपर कमांडो ध्रुव! जिसके दिलो-दिमाग से निकल चुकी थी स्टेडियम पहुँचने की बात—



तेजाबी बारिश? अगर ये सच है तो भयानक तबाही आ जायेगी।

घोषणा का तत्काल असर हुआ, बाहर में जैसे कर्फ्यू लग गया—



अचानक उस युवती की चीख से कर्फ्यू सा वातावरण भंग हुआ—



म...मेरा बच्चा!

इसी पल बादलों में तीव्र
गड़गड़ाहट हुई —

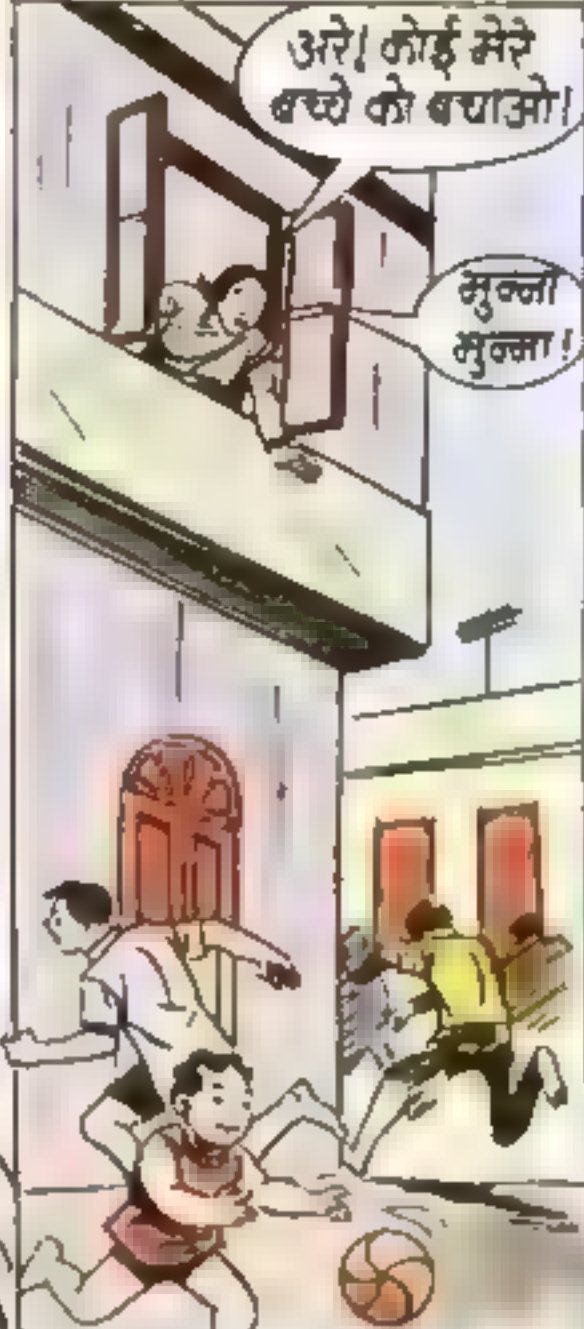
तेजाबी
बारिश होने वाली
है।



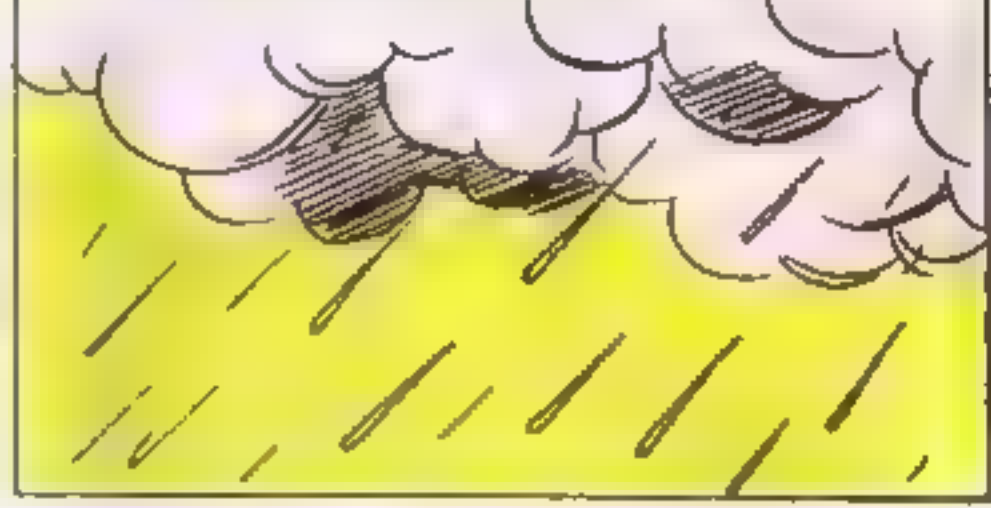
युवती अपनी सम्पूर्ण शक्ति
एकत्रित कर पुनः चीख पड़ी—

अरे! कोई मेरे
बच्चे को बचाओ!

मुन्नी
मुन्नी!



तेजाबी बारिश आरम्भ हो गई —



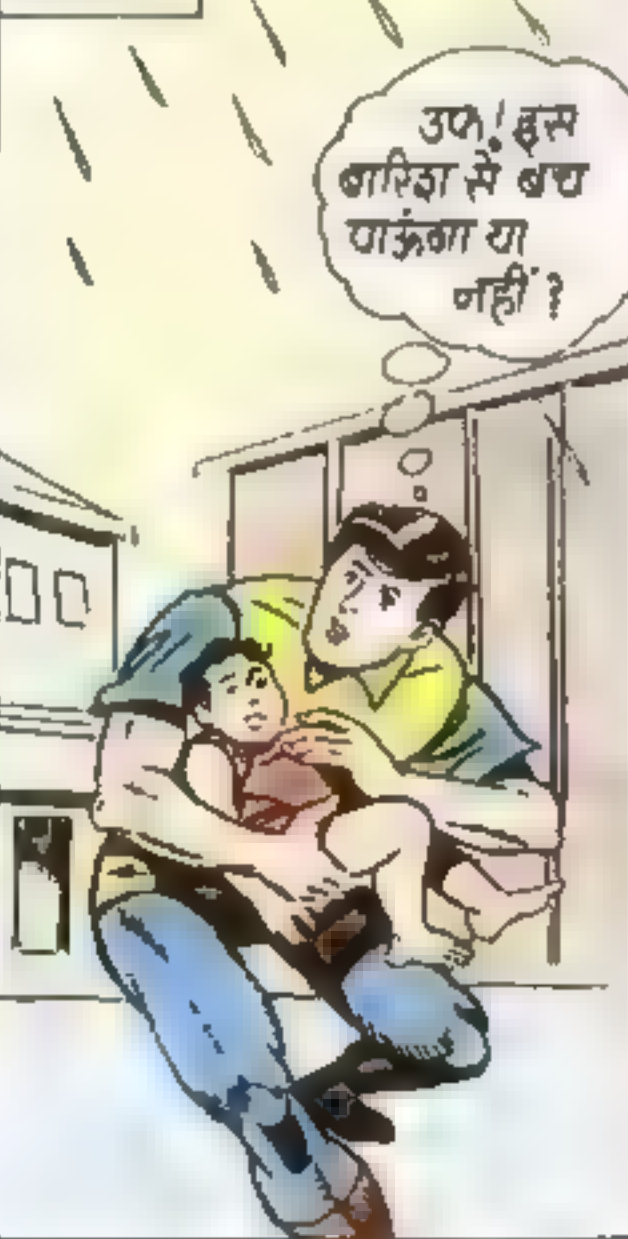
लेकिन इससे पूर्व कि बारिश की मोटी-मोटी बूँदें उस
बच्चे तक पहुँच पातीं—



तुम्हें कुछ
नहीं होगा
बेटे!

धुव बच्चे के साथ हमारात की तरफ
लपका —

उफ! इस
बारिश से बच
पाऊंगा या
नहीं?



ठीक इसी पल —

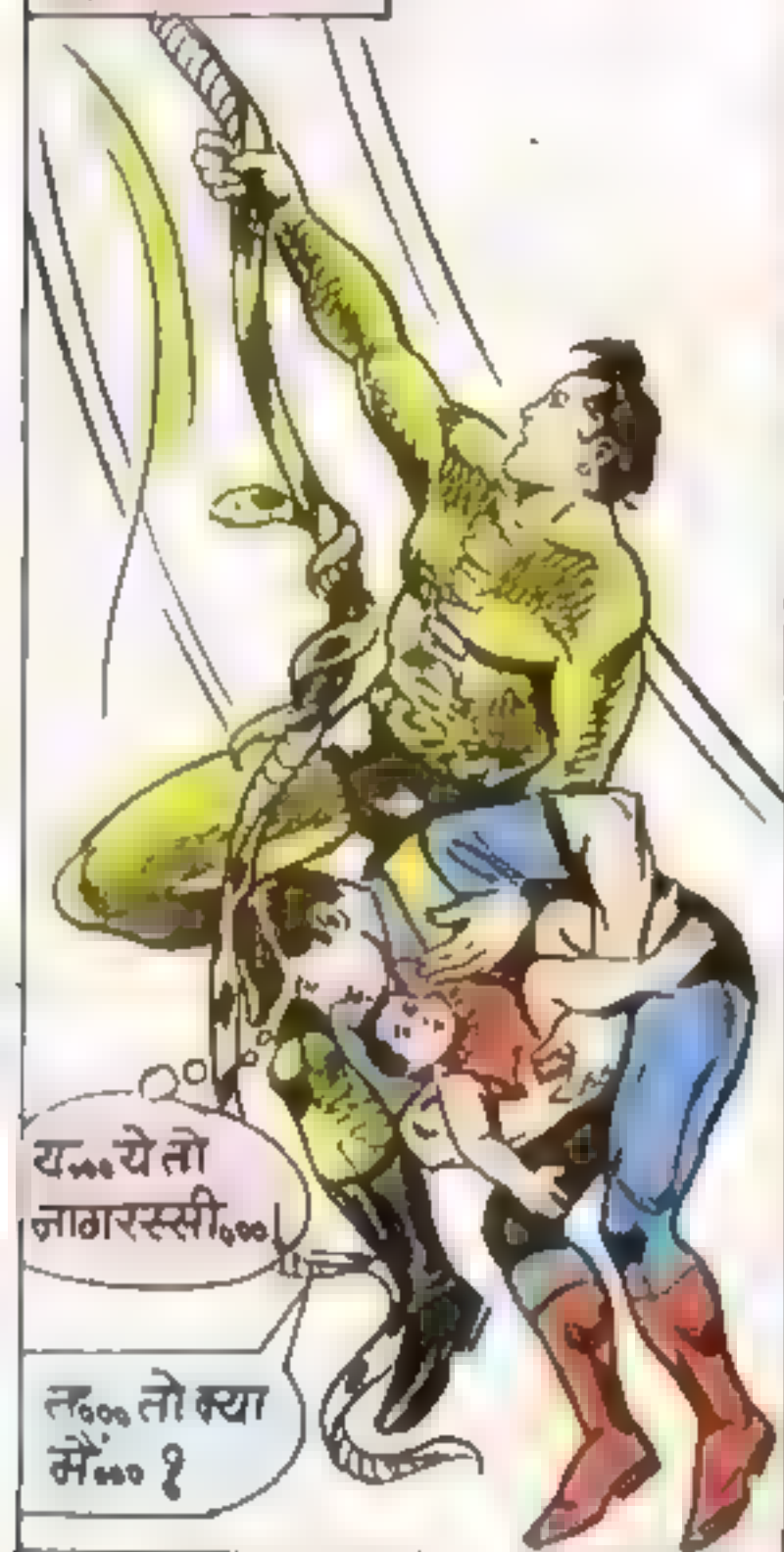


धुव के शरीर को लगा एक तीव्र झटका —



ओह!
यह क्या?

पलक झपकते ही आश्चर्य के सागर में
जाते जगाता ध्रुव हवा में नागरस्सी पर
झूल रहा था—



य... ये तो
नागरस्सी...!

त... तो क्या
मैं... ?

नागराज नागरस्सी पर झूलता हुआ
सुरक्षित बाल्कनी तक जा पहुंचा—



मेरा
बच्चा!

मां!

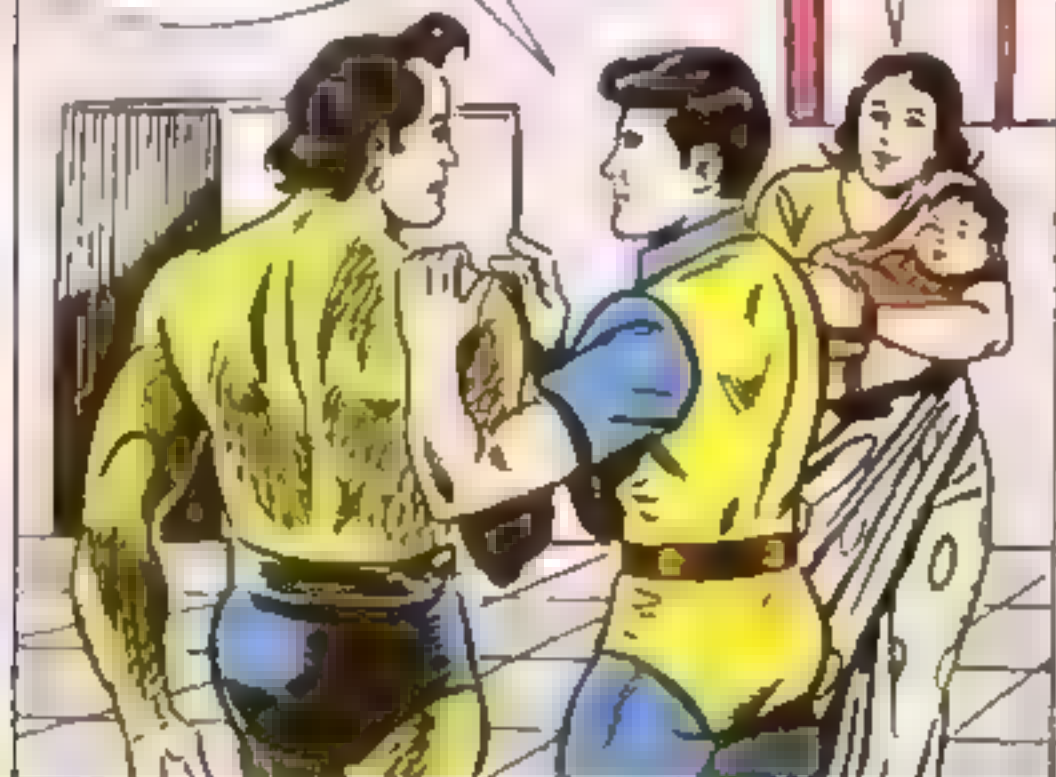
नागराज...
तुम यहां!

आश्चर्य न
करो दोस्त! मैं भी
उसी मकसद से
राजनगर आया हूं,
जिसके लिए तुम
राजनगर स्टेडियम
जारहे थे।

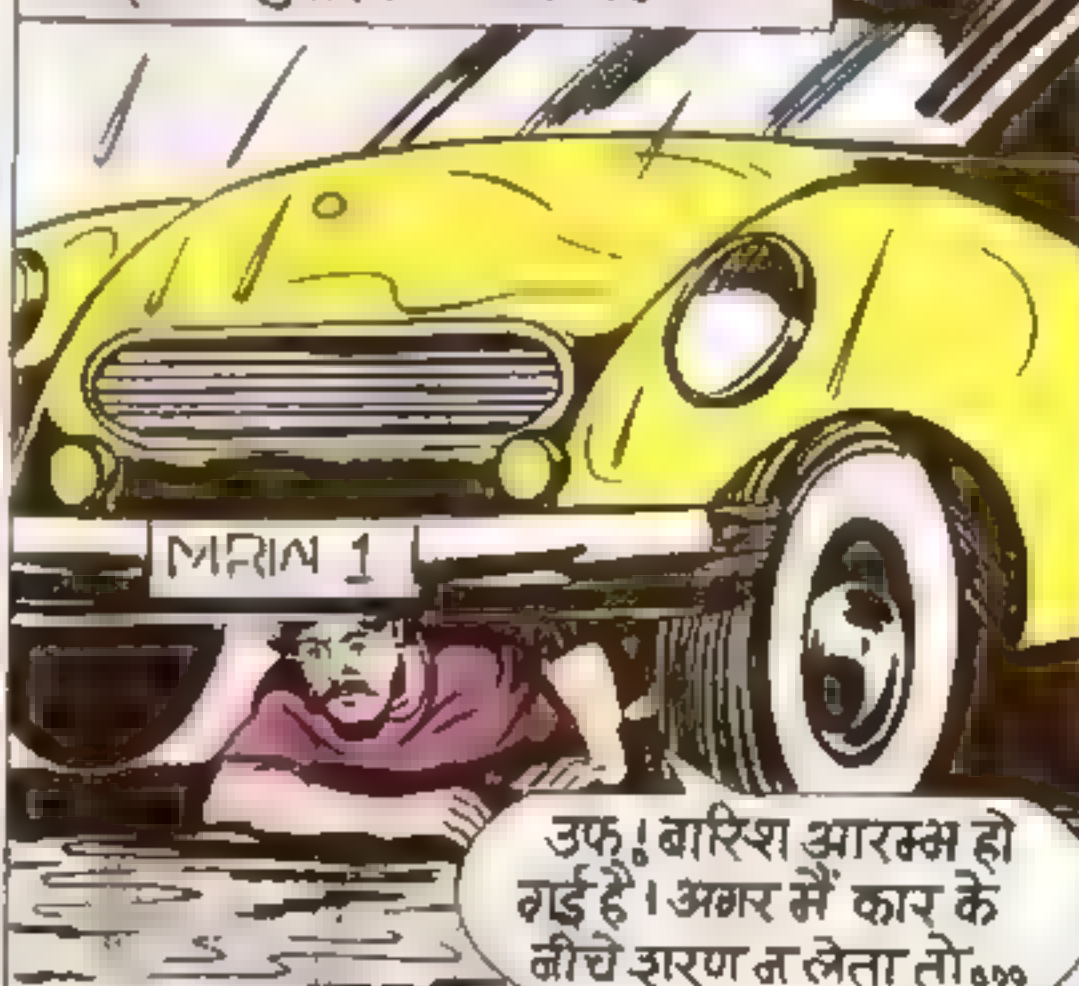


ओह, नागराज! अगर आज
तुम ठीक वक्त पर न पहुंच
जाते तो शायद मैं तेजाबी
बारिश से इस बच्चे को
न बचा पाता।

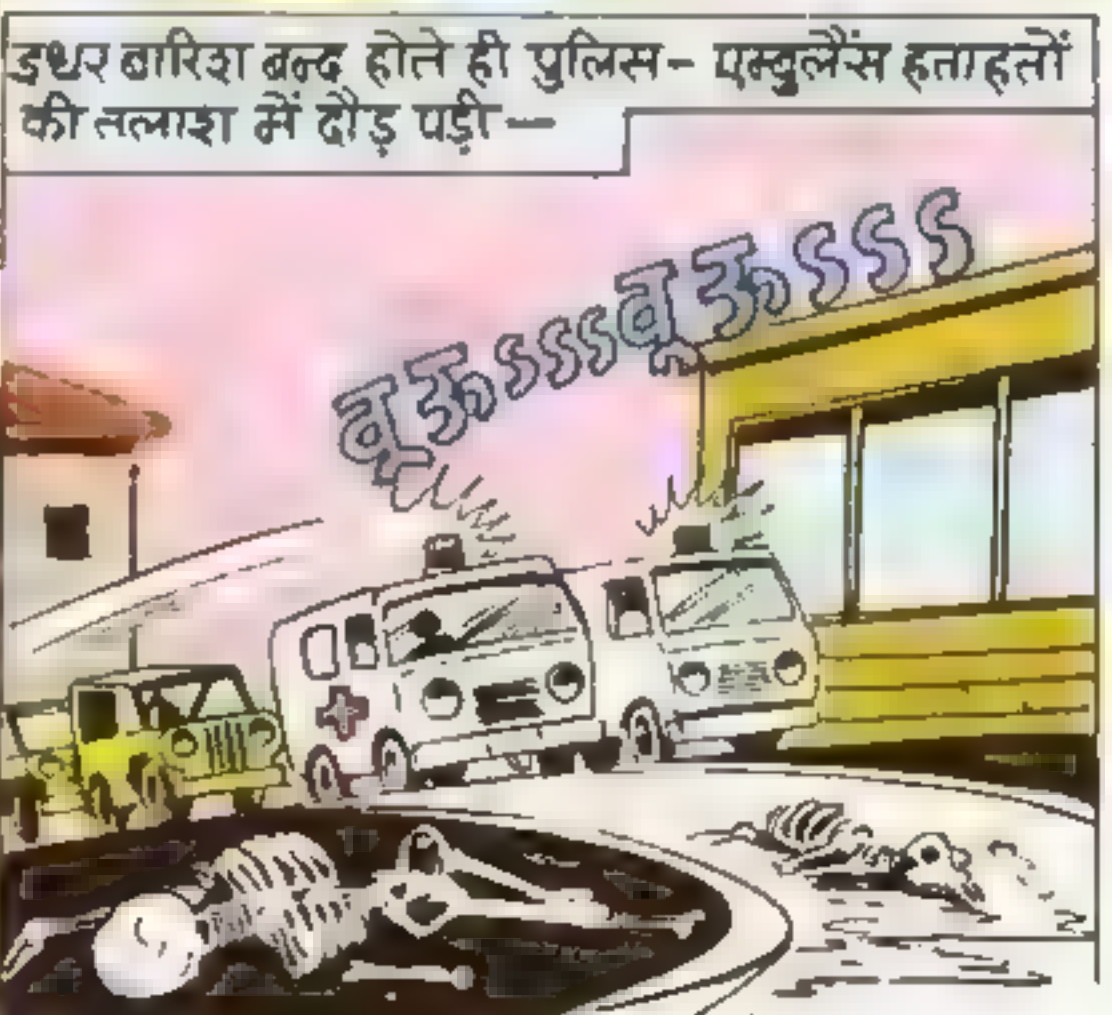
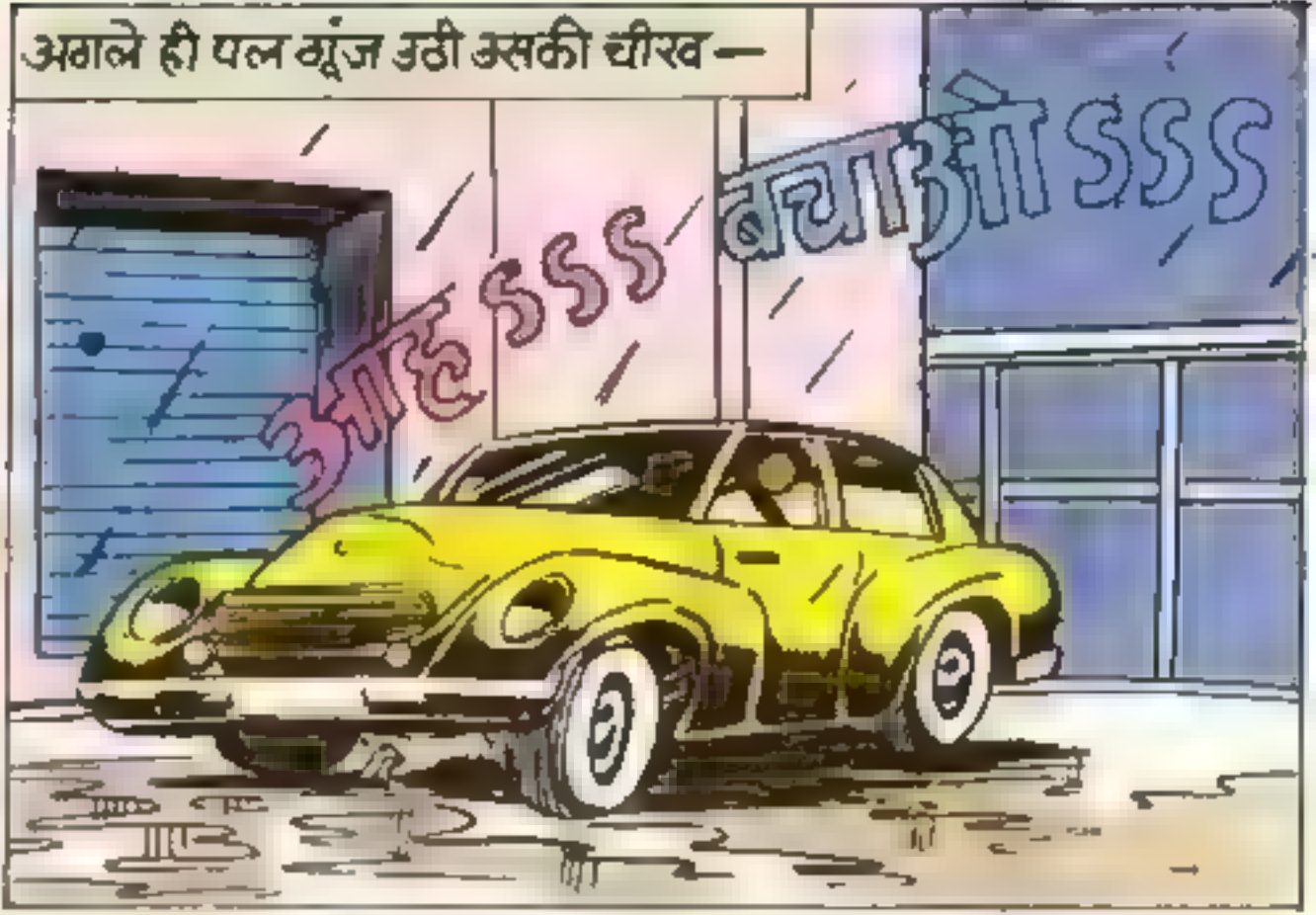
मेरे लिए तो तुम
दोनों ही भगवान
का रूप बनकर
आप हो।



इधर। बारिश आरम्भ होते ही जो लोग गलत
जगह को सुरक्षित समझ बैठे थे—



उफ! बारिश आरम्भ हो
गई है। अगर मैं कार के
बीचे शरण न लेता तो...

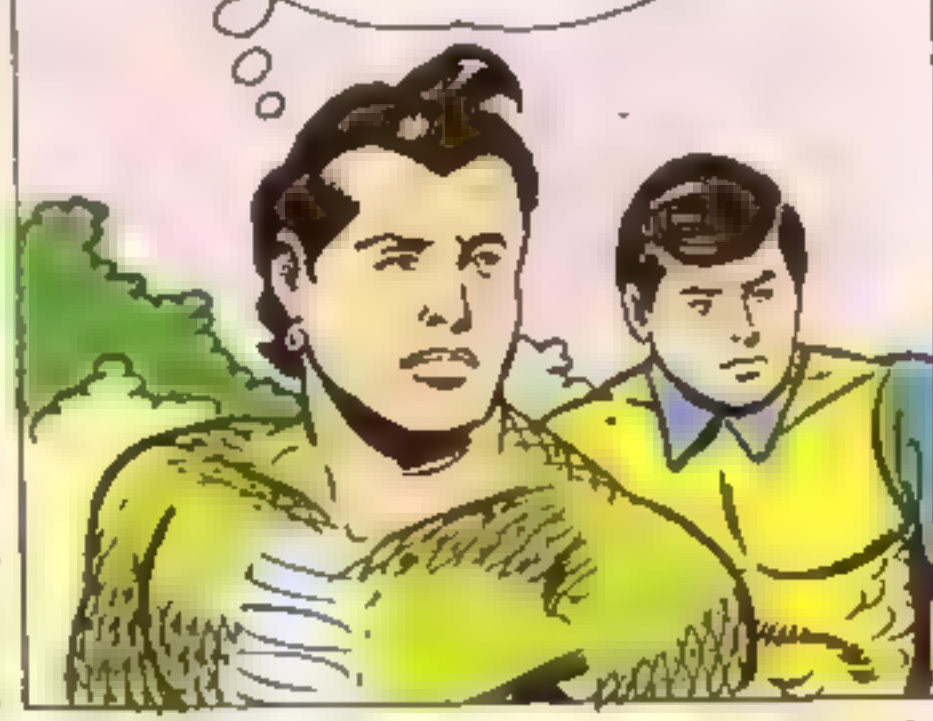


मिस किलर !
तुम्हें इन निर्दोष लोगों
की हत्याओं का भयानक
दण्ड भुगतना पड़ेगा ।



नागराज के मस्तिष्क में तूफान उठ खड़ा हुआ
था -

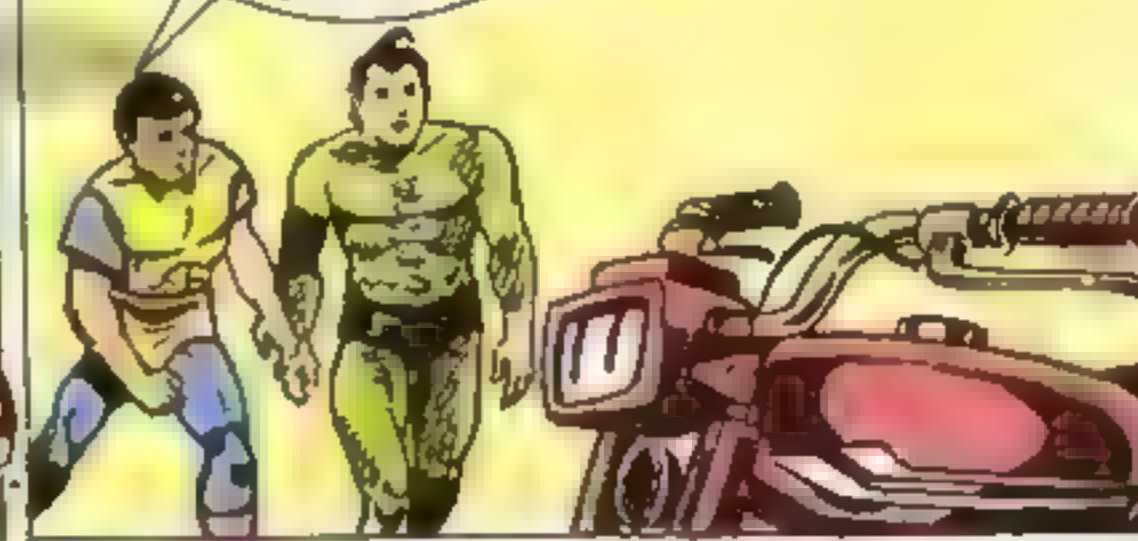
तेजाबी बारिश के पीछे
मिस किलर का क्या मकसद
हो सकता है ?



मिस किलर को अपनी
मौत से इन बेगुनाहों की
मौत का बदला चुकाना
होगा ।



मैं तुमसे सहमत हूँ
नागराज ! लेकिन इस
समय हमें फौरन राजनगर
स्टेडियम पहुँचना
होगा ।...



धुव की मोटर साइकिल उड़ चली -

... वैसे तो स्टेडियम राजनगर
से बीस किलोमीटर दूर है । पर
सुमकिन है कि तेजाबी बारिश
जहाँ भी अपना खूबी
जबड़ा फैलाया हो ।



अगर तेजाबी
बारिश हमारा रास्ता ठ
रोकती तो इस समय
हम वहीं होते ।

उधर राजनगर स्टेडियम में दर्शकों के सब्र का
बांध टूट रहा था -

नागराज को बुलाओ !

सुपर कमांडो धुव...

नागराज

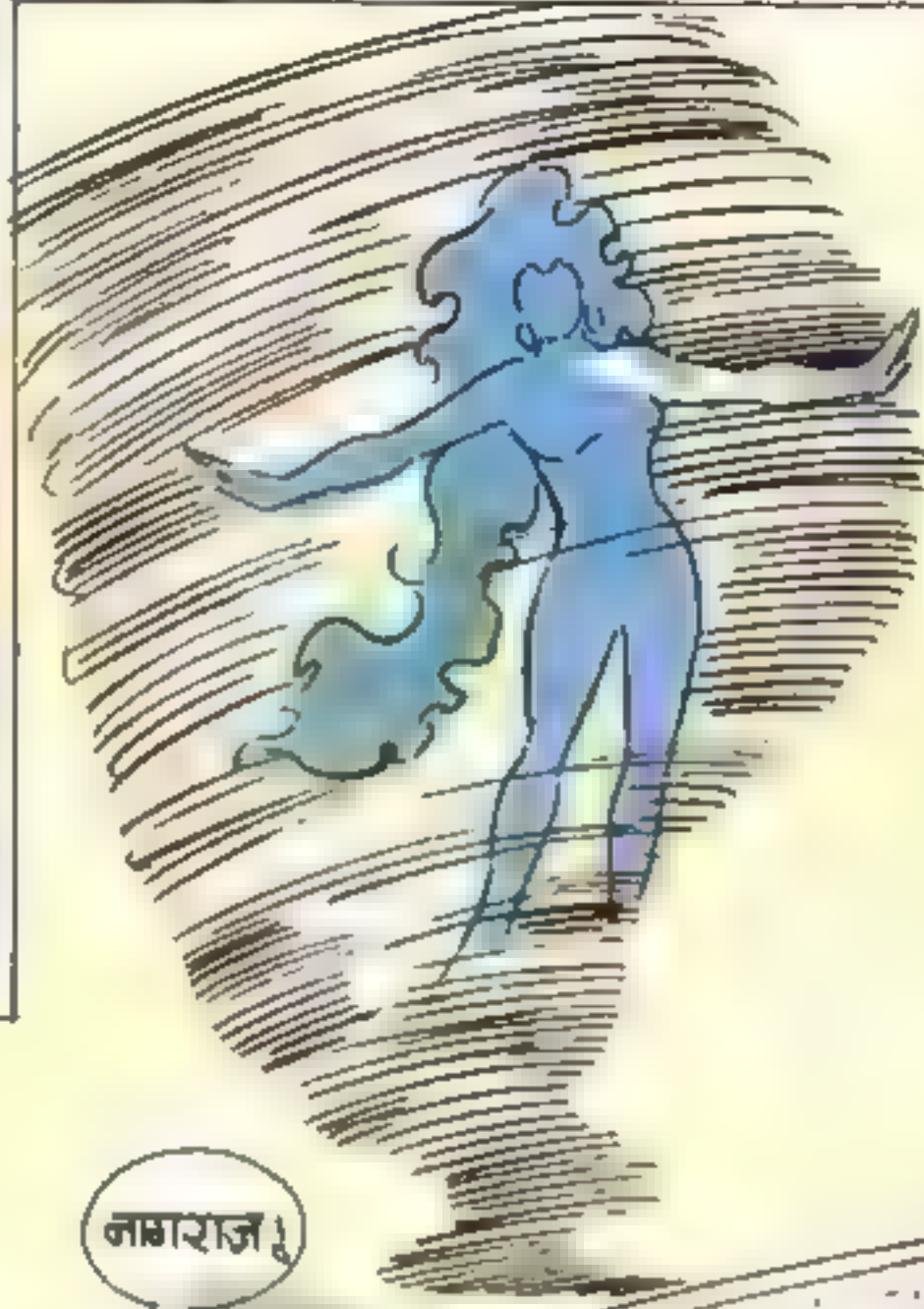
धुव



उद्घोषक दर्शकों को शांत करने में बुरी तरह असफल रहा —

अचानक झोर मचाते दर्शकों की निगाहें आकाश की तरफ उठ गईं—

उफ़! अगर कुछ देर नागराज और ध्रुव और न आए तो स्टेडियम को बूचड़खाना बनते देर न लगेगी।



वह देखो

११११!

ये नागराज वहीं हो सकता। उसके आने से पूर्व सांप आते हैं।

नागराज!

शायद कोई नया सुपर हीरो आ रहा है।

तो फिर सुपर कमांडो ध्रुव आ रहा है।

ध्रुव

ध्रुव

(ध्रुव!)



दर्शक रोमांच से भर उठे।

तब चक्रवात मंच के ठीक ऊपर आकर रुक गया -

ठीक इसी पल वातावरण में बूँज उठी एक खलकदार हंसी की आवाज -



इसमें तो किसी स्त्री का साया बिछाई पड़ रहा है।

लेकिन अब तो केवल नागराज और ध्रुव आने बाकी हैं।

फिर यह कौन है?



हा हा हा हा! मुझे मिस किलर कहते हैं दोस्तो!

आप लोग जिन दो सुपर हीरो का इंतजार कर रहे हैं, वे दोनों अब यहां कुछ देरी से पहुंचेंगे।

और तब तक मैं बाकी के सुपर हीरोज को यहां से बहुत दूर अपने किलर फोर्ट ले जा चुकी होंगी।

??



मिस किलर!

खतरा!



उससे पहले कि इस आकस्मिक संकट को कोई समझ पाता, सभी तेज चक्रवात में घिर गए -

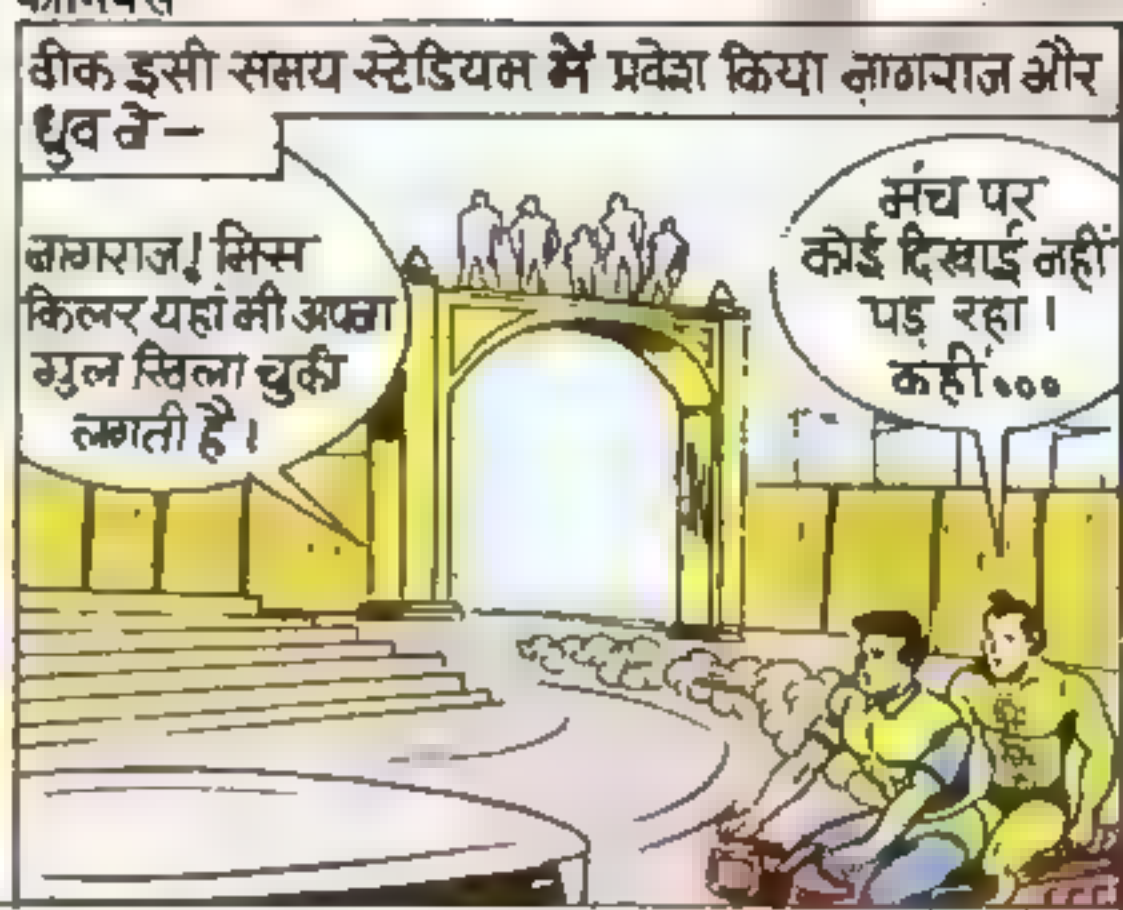
ओह! यह क्या!

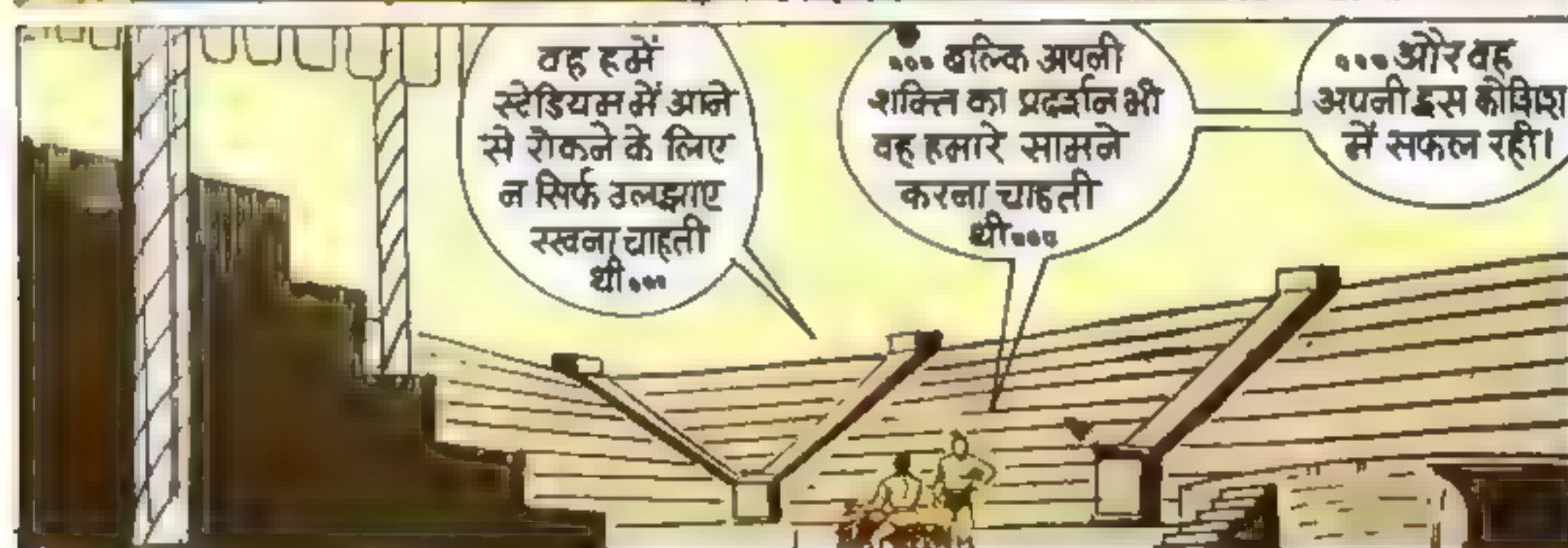
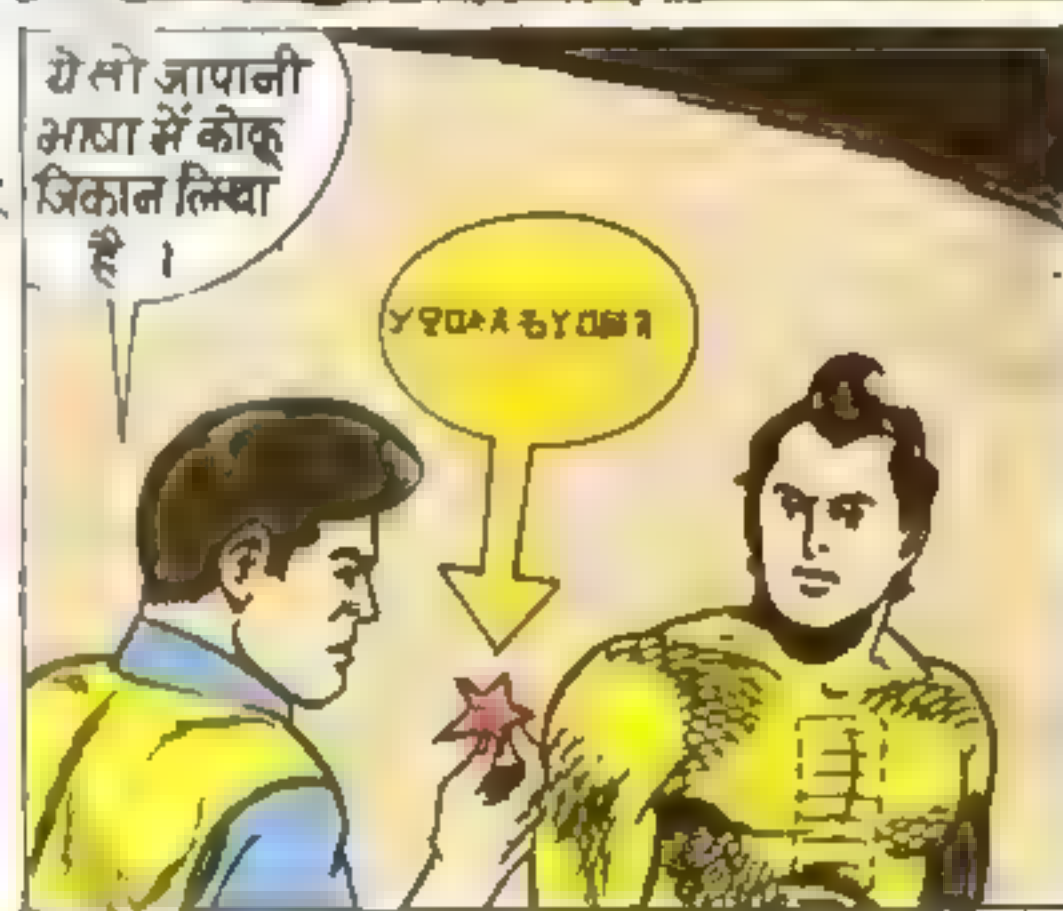
उफ! इतनी तेज हवा!

ये हवा हमें घुमाप लिय जा रही है। उफ!

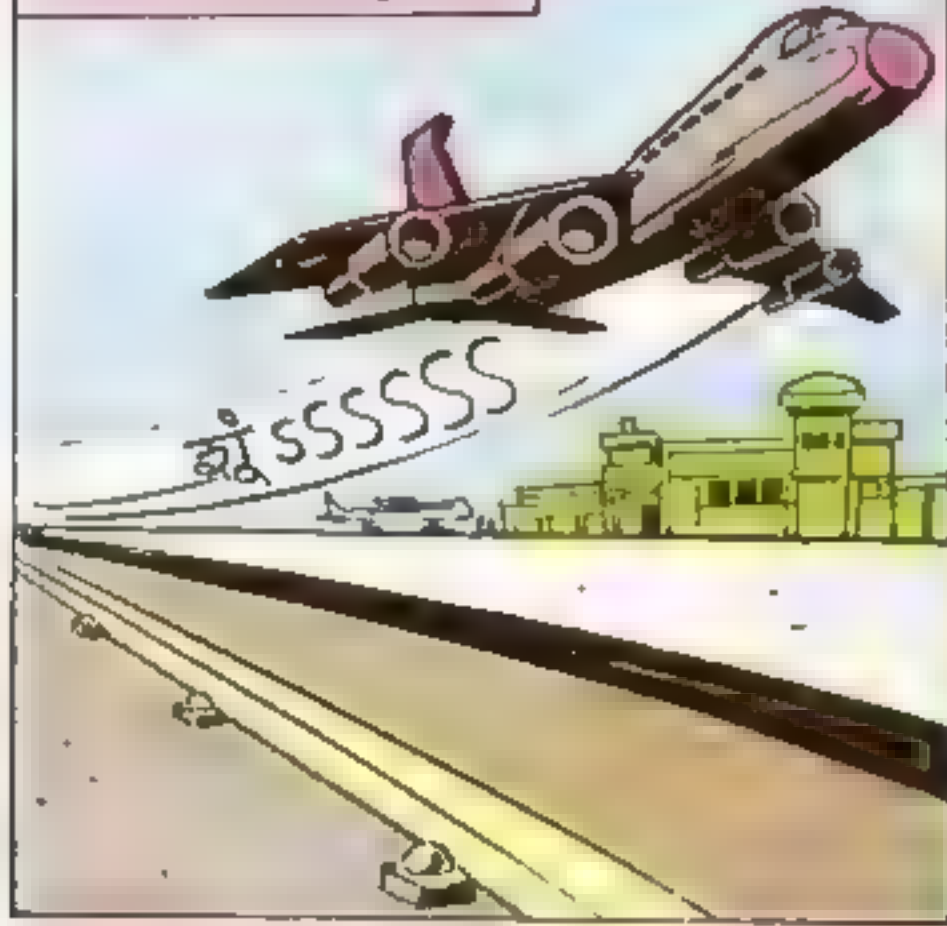
आह!

सभी सुपर हीरो चक्रवात में समा गए!





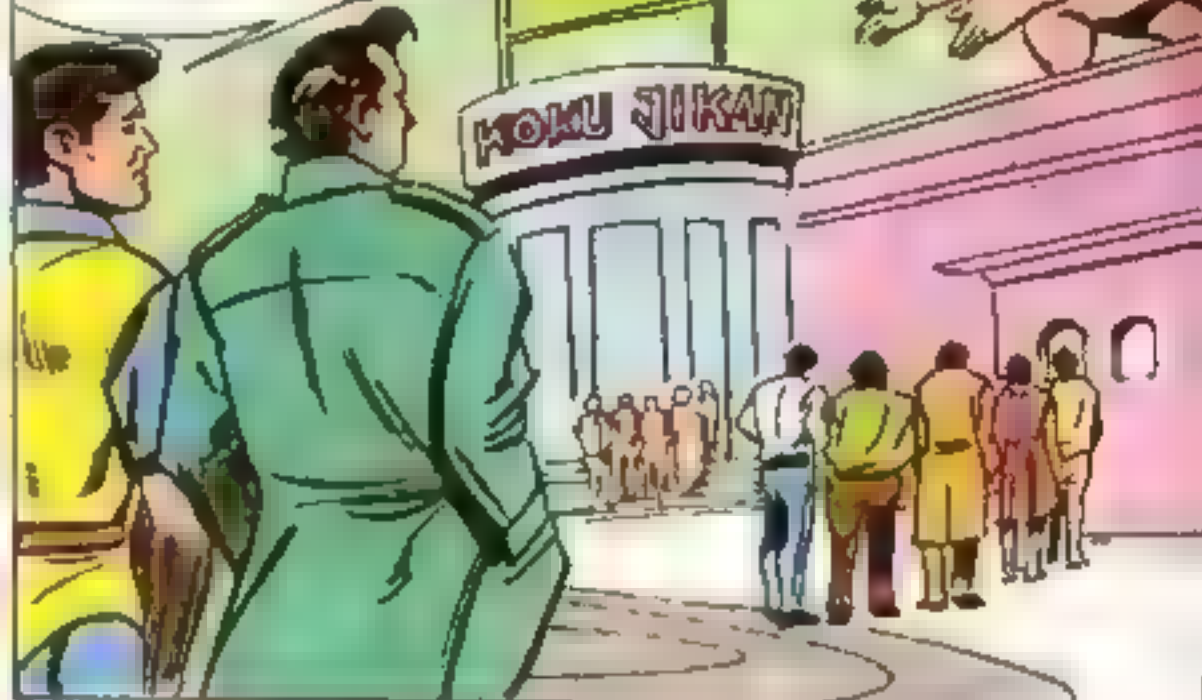
और फिर जापान एयरलाइन्स के एक हवाई जहाज ने भारत की धरती छोड़ी। उसमें सवार थे नाराज और ध्रुव —



राज कामेक्स

जापान की राजधानी टोकियो में — कोकु जिकान स्टेडियम —

नाराज "कोकु जिकान" टोकियो का महाहर स्टेडियम है, यहां पर भयंकर सूमोफाइट होती है। शायद यही हमारी मंजिल है।

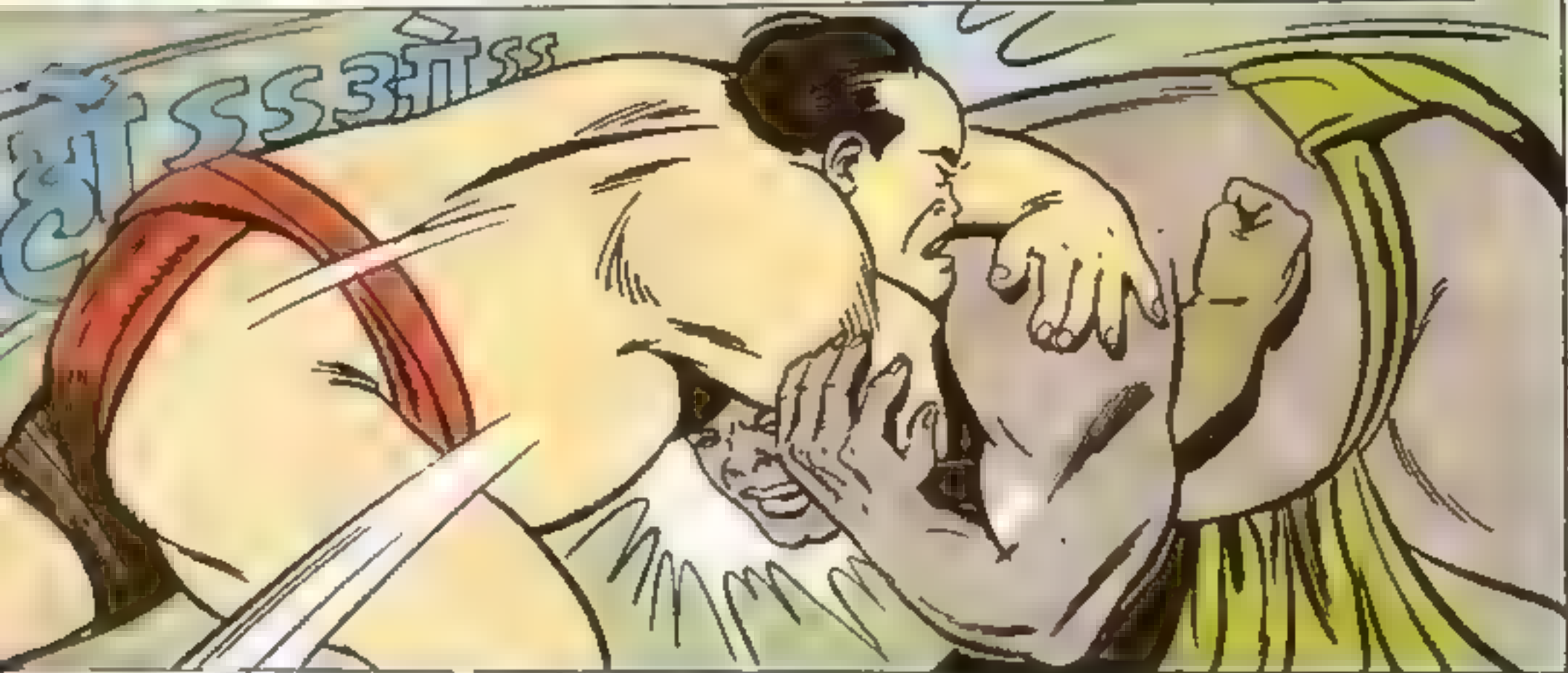


सूमोफाइट क्लब! जहां पांच-पांच सौ किलो वजन तक के फाइटर्स की दिल दहला देने वाली फ्री-स्टाइल कुश्तियां आयोजित की जाती थीं —

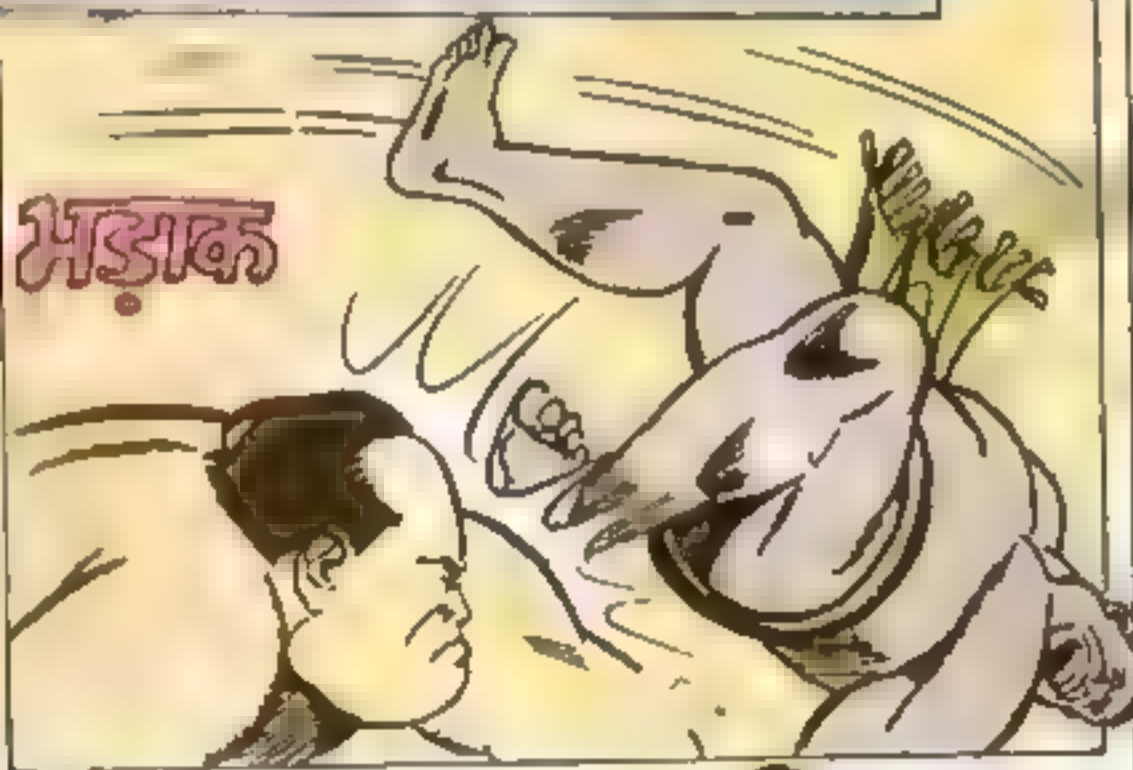


दर्शकों का कान फाड़ देने वाला शोर मच रहा था —

पगारी का मकेल मिलते ही हाथियों की तरह विंचाडते हुए दोनों सूमो पहलवान आपस में टकरा गए —



गज-चिन-पोंग की उस सीपण टक्कर से मोठोम्बो ठोंड की तरह गरजता सिंग से बाहर उछला...



और दर्शकों में जहां वह गिरा, खलबली मच गई—



आह!

बचाओऽऽ

रैफरी ने उस फाइट का विजेता घोषित कर दिया—

वान-
चिन-पोंग!



सांस रोकें ध्रुव और नागराज भी उस सूमो-फाइट को देख रहे थे—

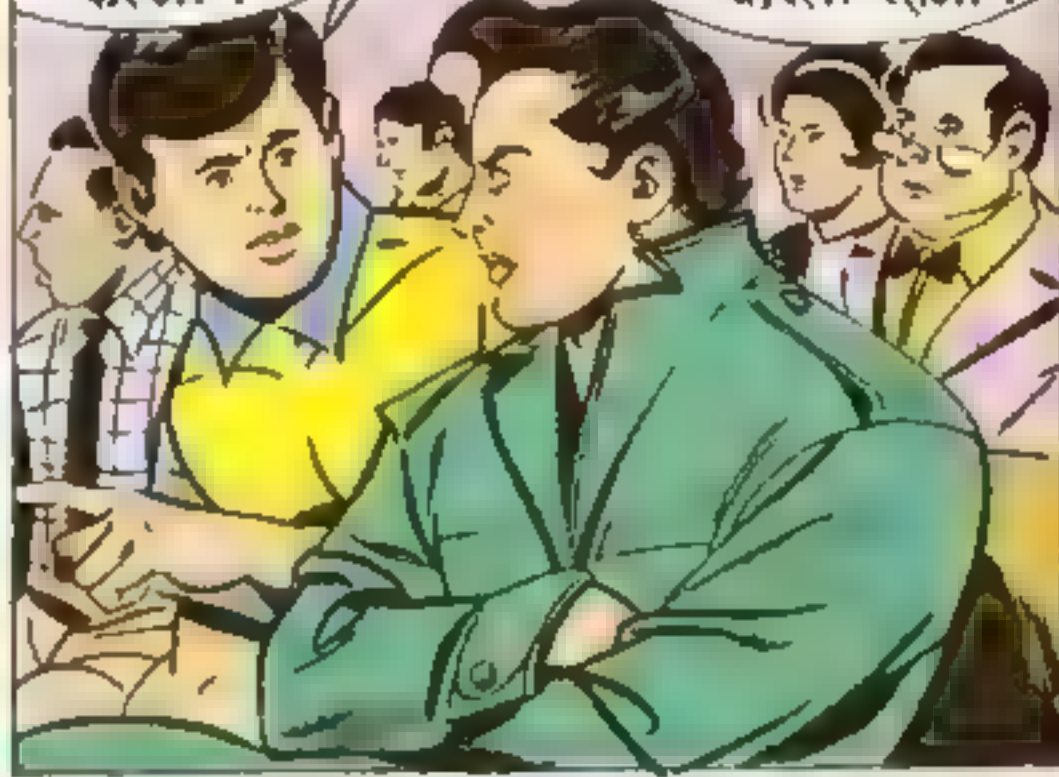
उफ! नागराज! मोमोम्बो के नीचे बल्लकर तीन व्यक्ति मर गए।

बहुत कल्पशाली पहलवान है यह।



नागराज अब वान-चिन-पोंगा को चैलेंज कर रहा है। फाइट के लिए फिरे कि... को चैलेंज कहकर आमंत्रित करेगा।

ओह यह कम तब तक जारी रहेगा, जब तक कोई भी फाइटर उसका चैलेंज स्वीकार करता रहेगा।



तभी नागराज की ओर देखकर दहाड़ उठा वान-चिन-पोंगा—

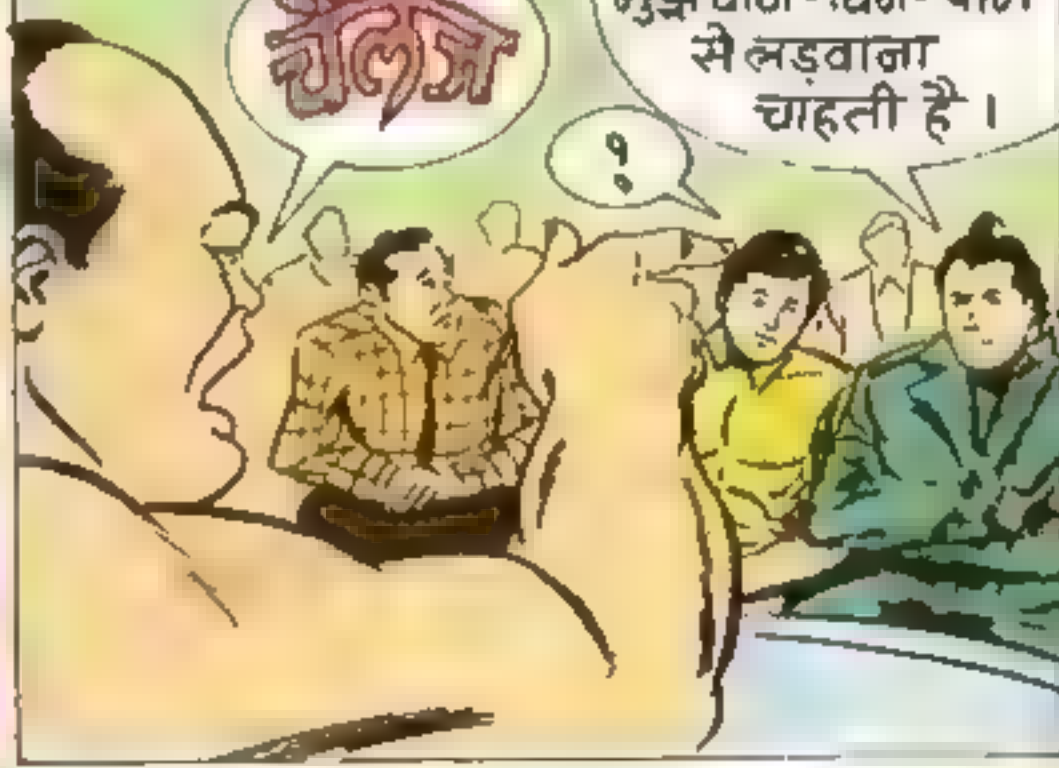
चैलेंज

ओह! ये मुझे चैलेंज कर रहा है।



शायद मिस किलर मुझे वान-चिन-पोंगा से लड़वाना चाहती है।

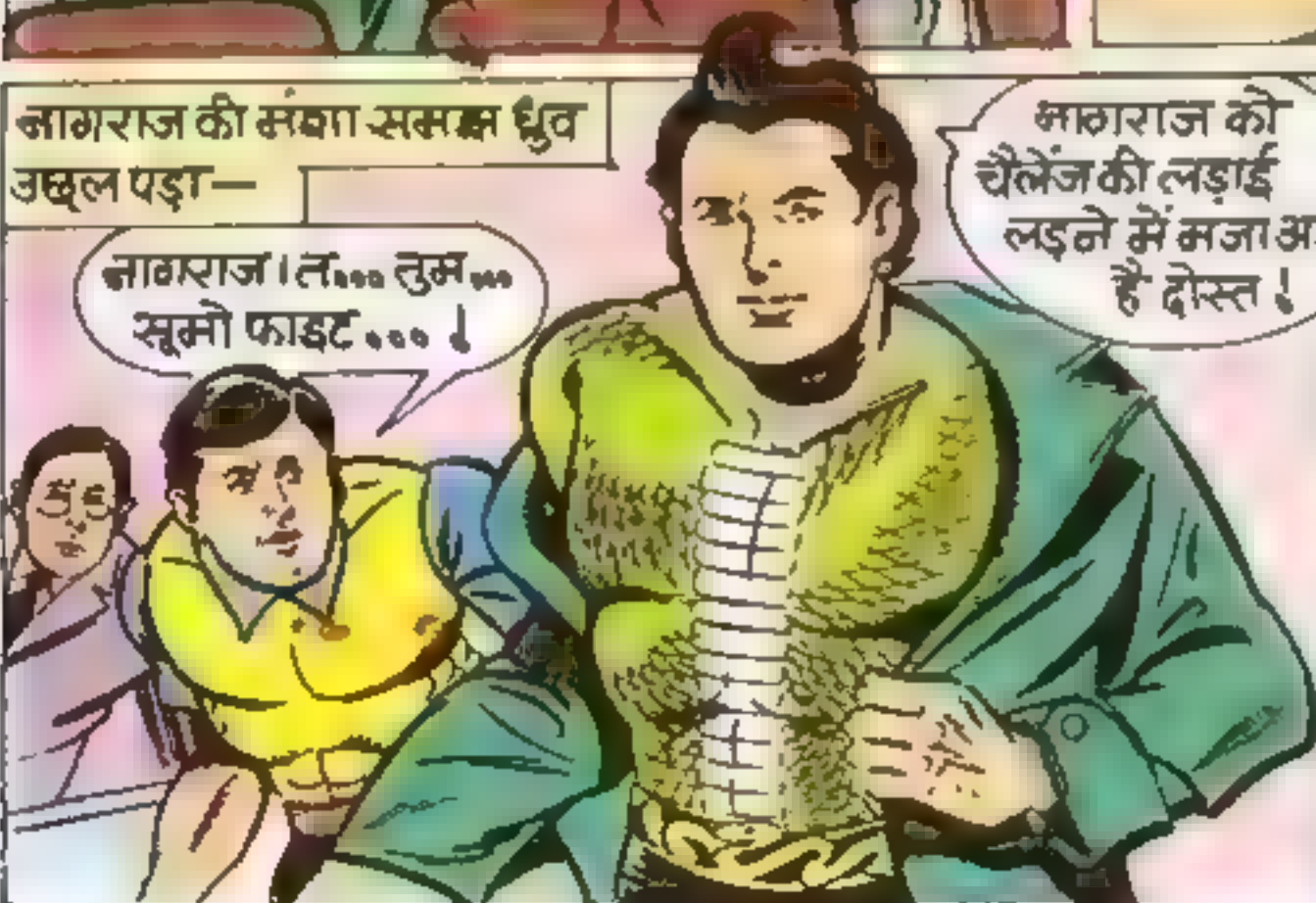
चैलेंज



नागराज की संज्ञा समझ ध्रुव उछल पड़ा—

नागराज! त... तुम... सूमो फाइट...!

नागराज को चैलेंज की लड़ाई लड़ने में मजा आता है दोस्त!

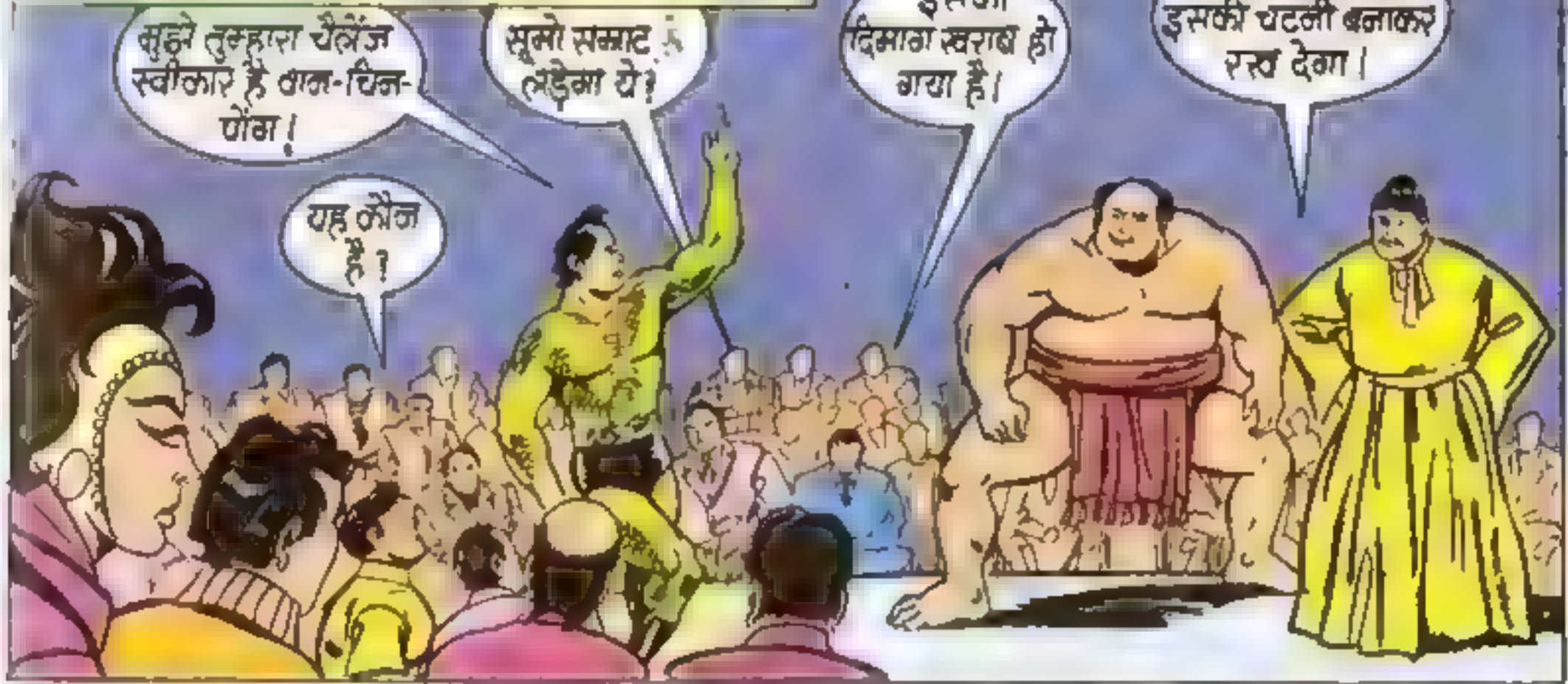


नागराज रिंग में प्रवेश कर गया—

यह हिन्दुस्तानी तो मरेगा आज।



सचराष्ट्र भरा हँस रोनांच से भर उठा— जब नागराज ने कहा—



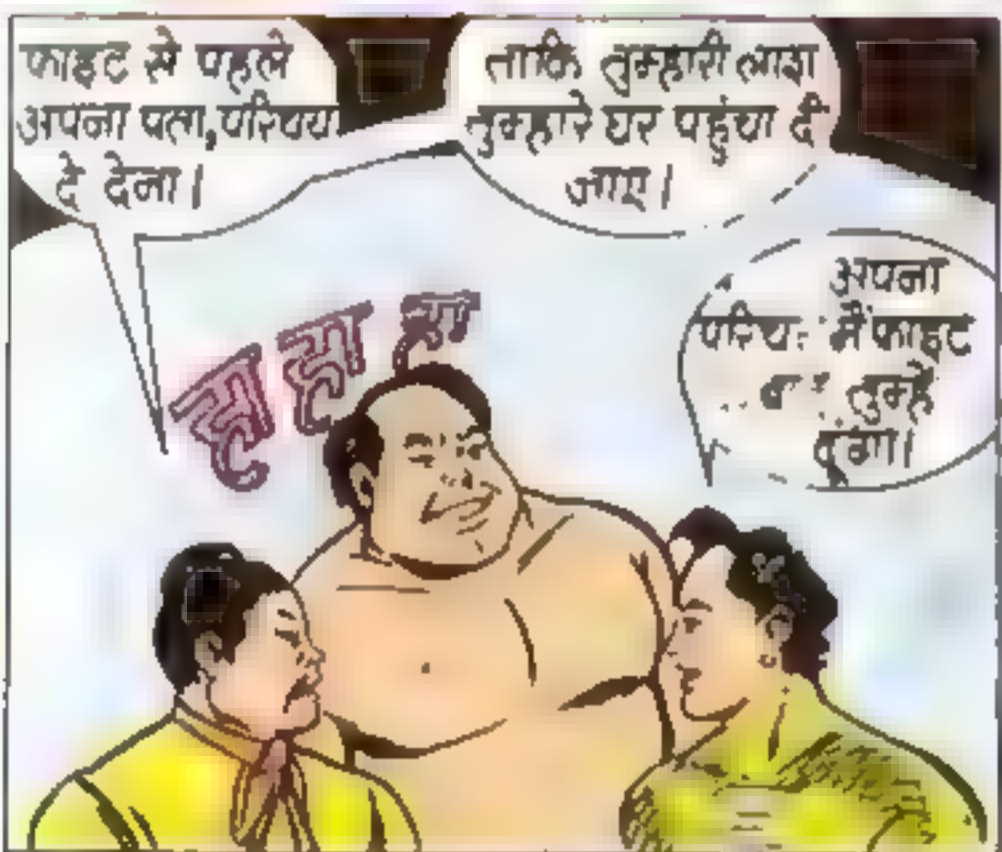
कुछने तुम्हारा चैलेंज स्वीकार है ठान-चिन-पोंग !

सूतो सम्राट ने लड़ेगा ये ?

यह लौन है ?

इसका दिमाग खराब हो गया है।

ठान-चिन-पोंग इसकी चटनी बनाकर रख देगा।

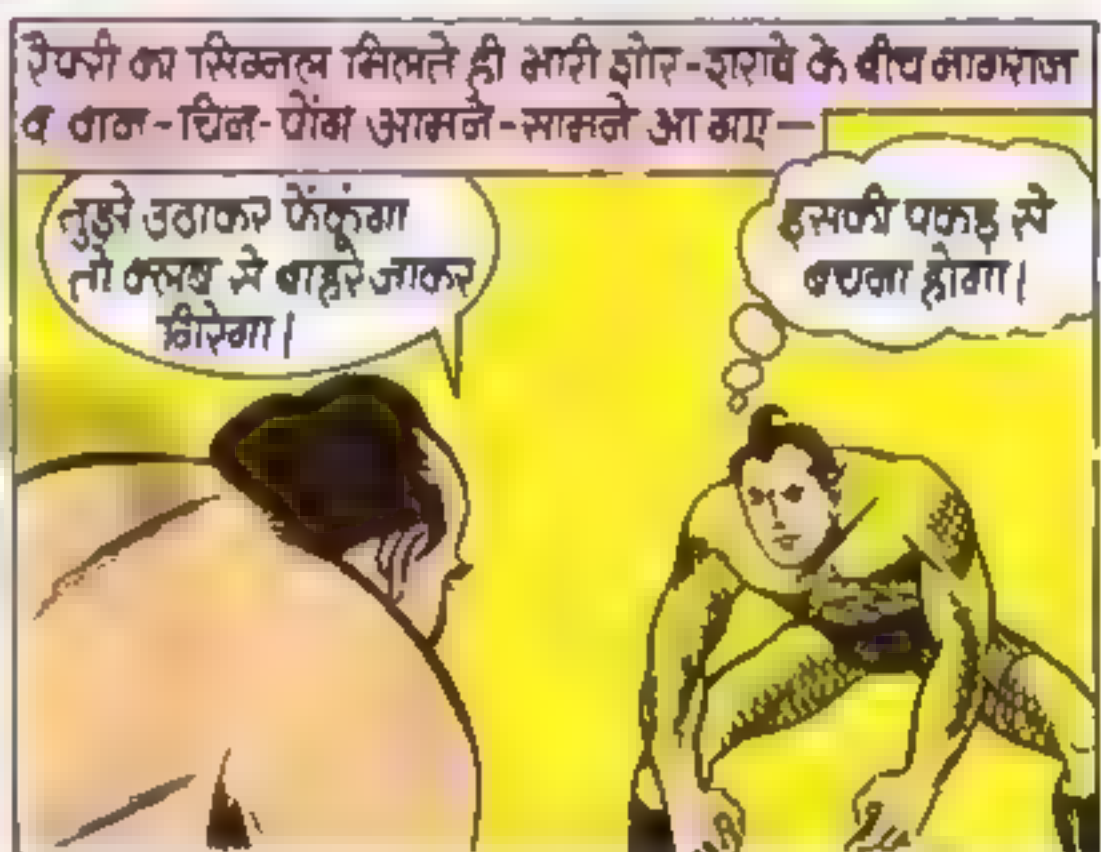


फाइट से पहले अपना पता, परिचय दे देना।

ताकि तुम्हारी लाश तुम्हारे घर पहुँचा दी जाए।

अपना परिचय मैं फाइट से पहले दूँगा।

तु हा हा



रेपरी का सिक्काल मिलते ही भारी शोर-शराबे के बीच नागराज व ठान-चिन-पोंग आमने-सामने आ गए—

तुझे उठाकर फेंकूँगा तो क्लब से बाहर जाकर गिरेगा।

इसकी पकड़ से बचना होगा।



सूतो सम्राट ठान-चिन-पोंग नागराज पर झपटा—

अगर मैं इसके हाथ लगा गया तो ये निःसंदेह मेरी चटनी बना छानेगा।

थाउह



नागराज ने उछलकर वार किया—

थाउह



फिर वान-चिन-पोंग ने नागराज को जकड़ लिया —



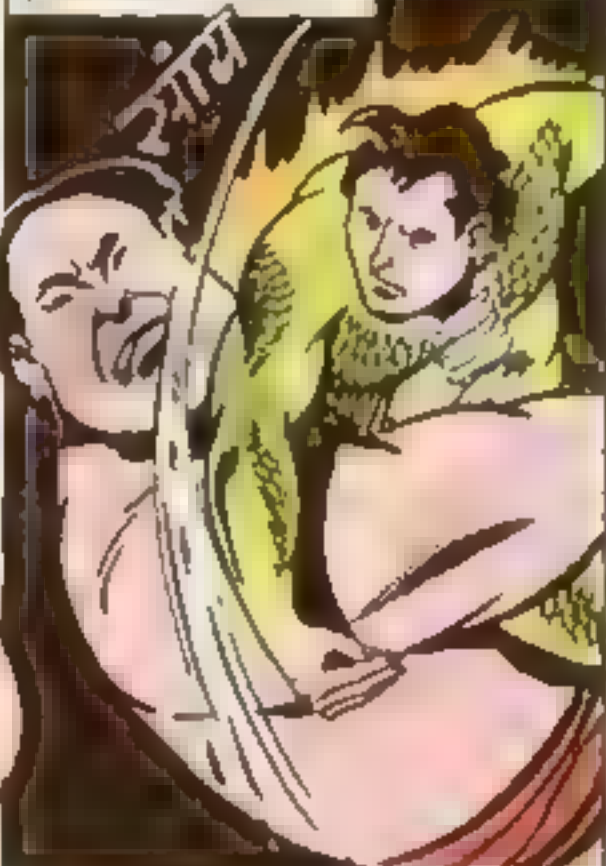
हा हा हा! अब
मच्छर की तरह पीस
डालूंगा तुम्हें।

उफ!

तभी नागराज के जिस्म में विद्युत दौड़ गई —



नागराज ने स्नेक-हैंड्स
इस्तेमाल किया —



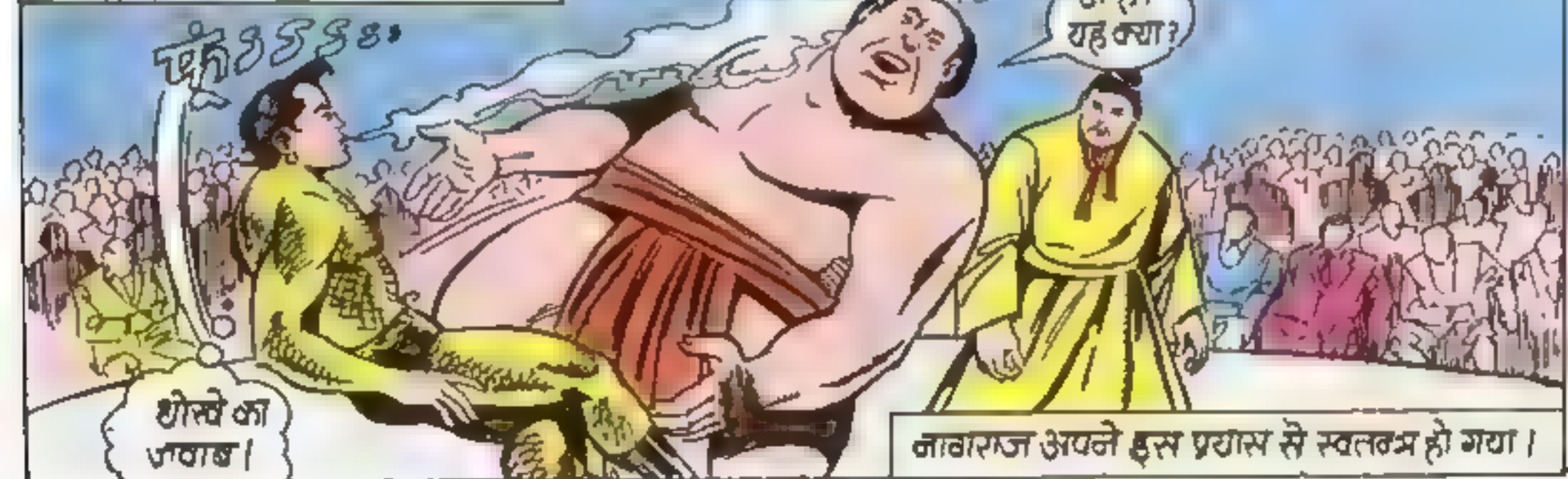
वान-चिन-पोंग के बाएँ से रक्त
की धार फूट निकली।

लेकिन उसने नागराज को
न छोड़ा —



उफ! अब
तो इसकी आँखों पर
विष फुंकार फेंक कर
इसे कुछ देर के लिए
अंधा कर दूँ।

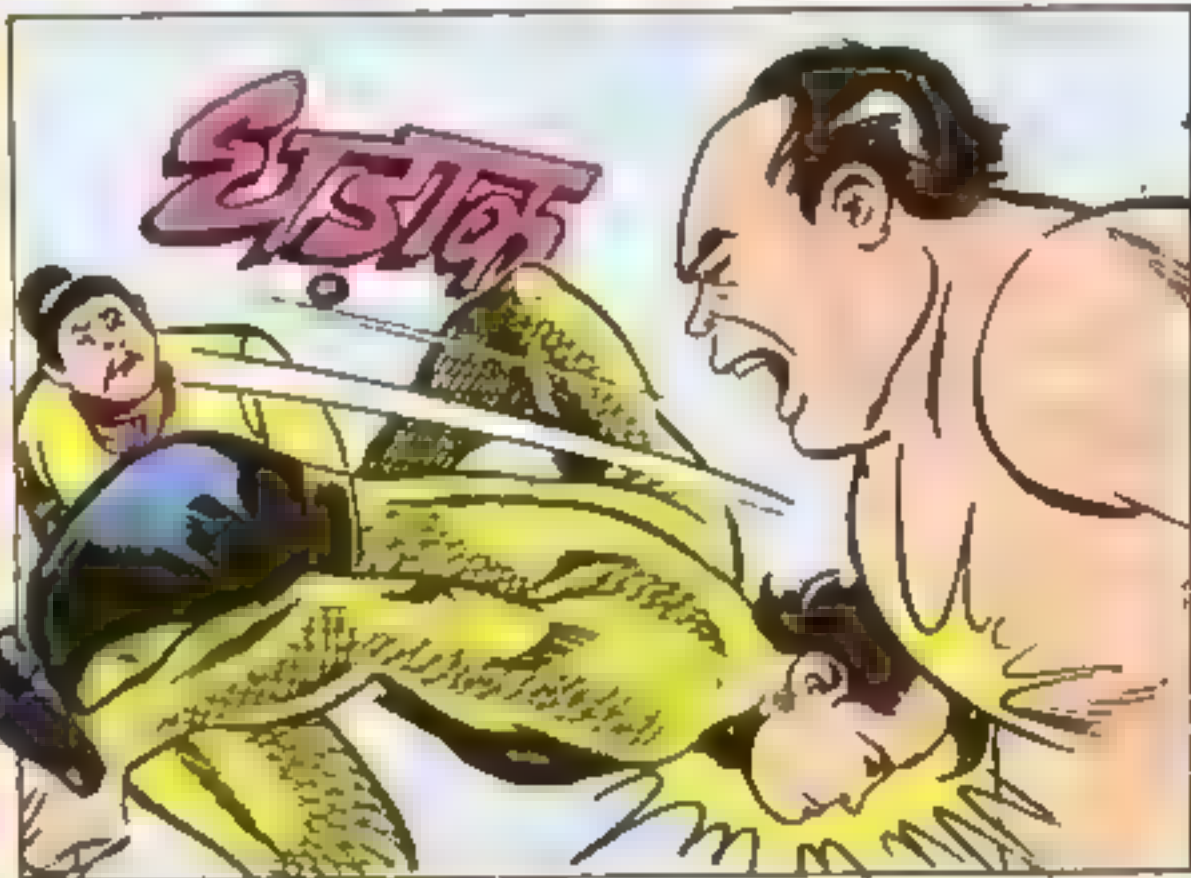
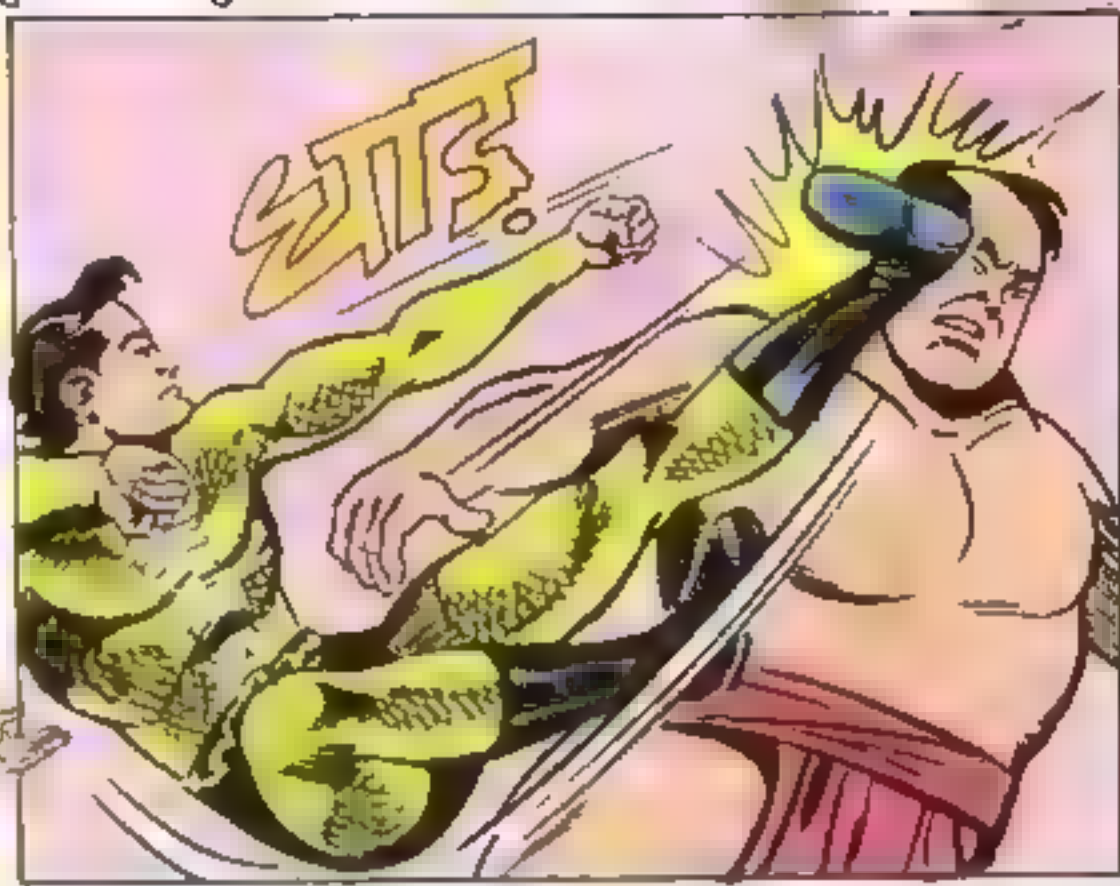
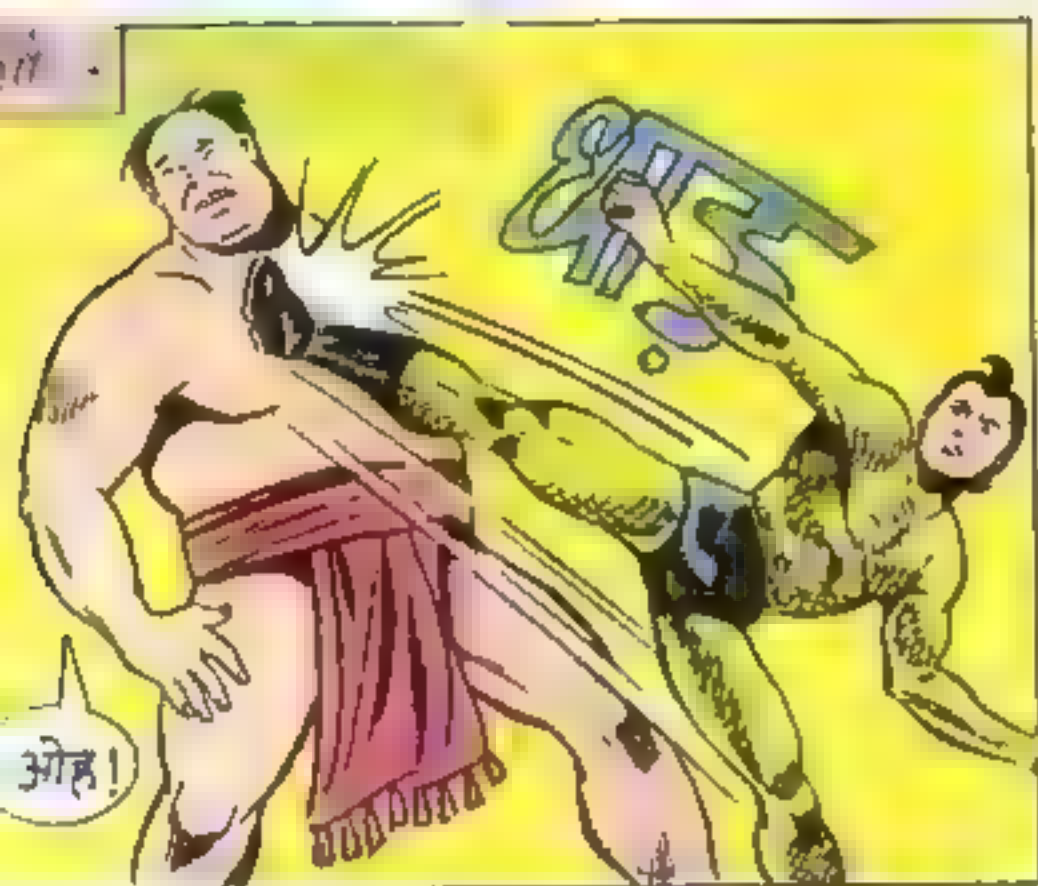
नागराज ने बहुत हल्की विषफुंकार छोड़ी —



आह!
यह क्या?

धोखे का
जवाब।

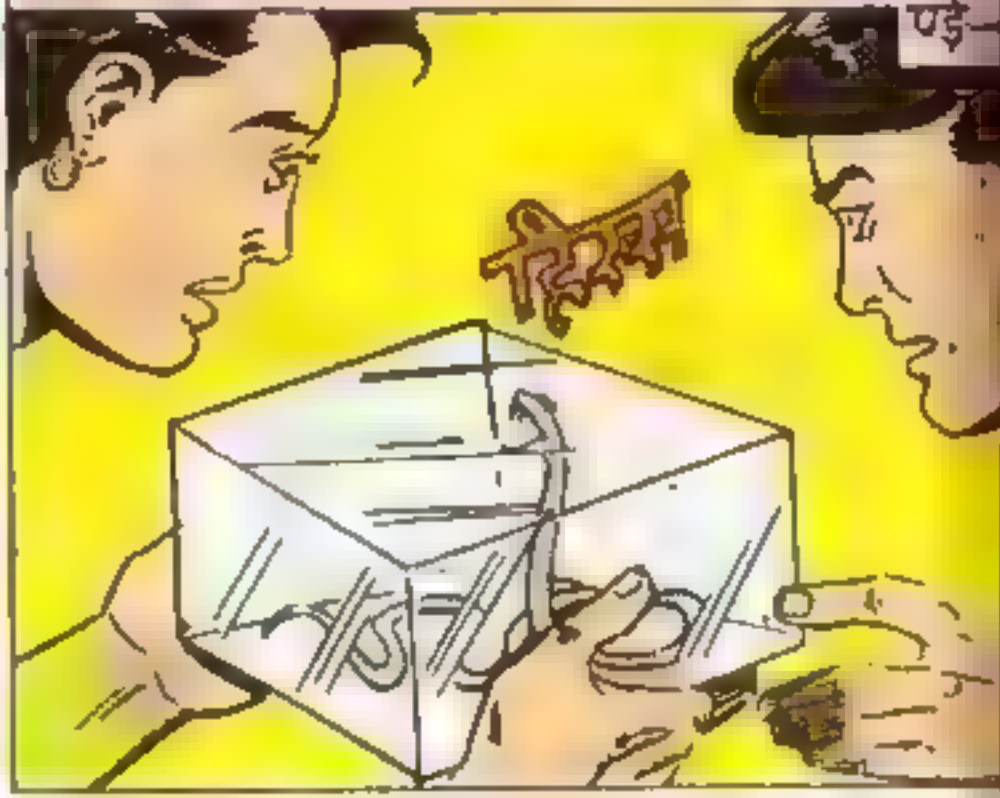
नागराज अपने इस प्रयास से स्वतंत्र हो गया।



नागराज को मिला रोडियन पुरस्कार -



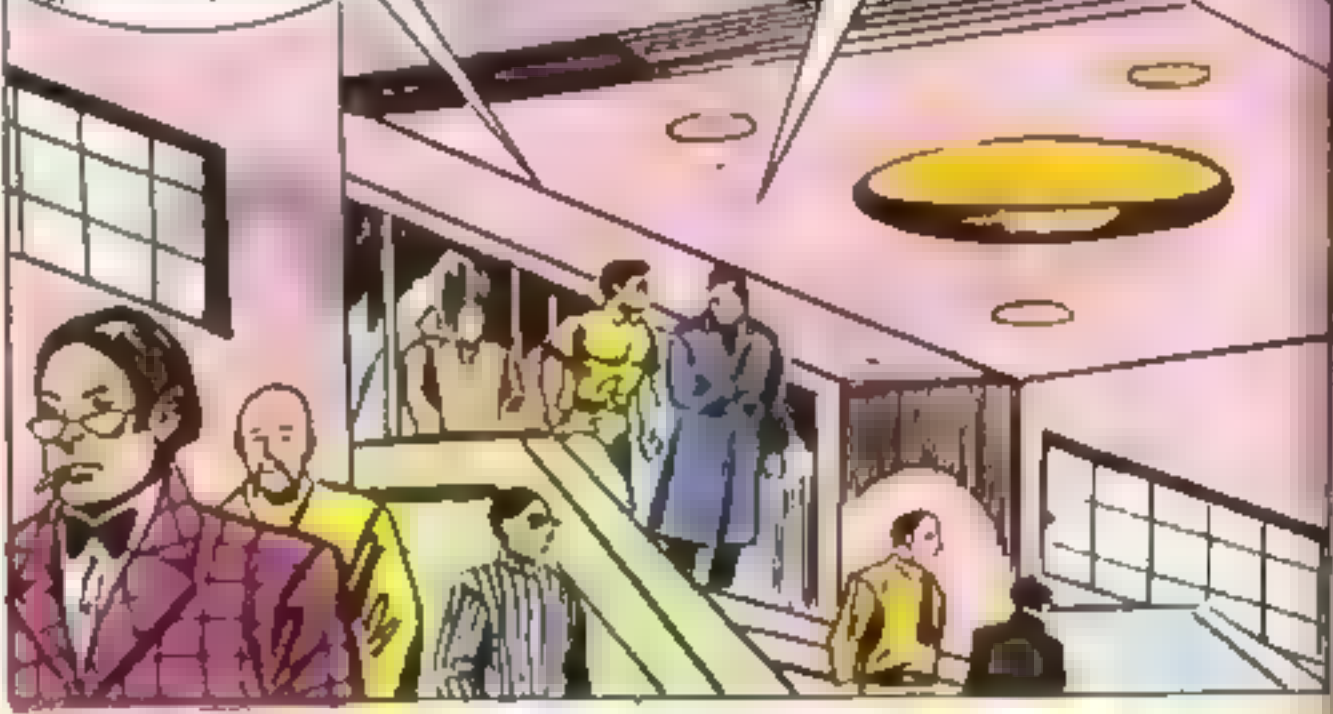
नागराज ने पैकेट पर चढ़ा पेपर हटाया। नीचे डीडी के बॉक्स के अन्दर रस्सी वस्तु को देखते ही दोनों उछल पड़े-



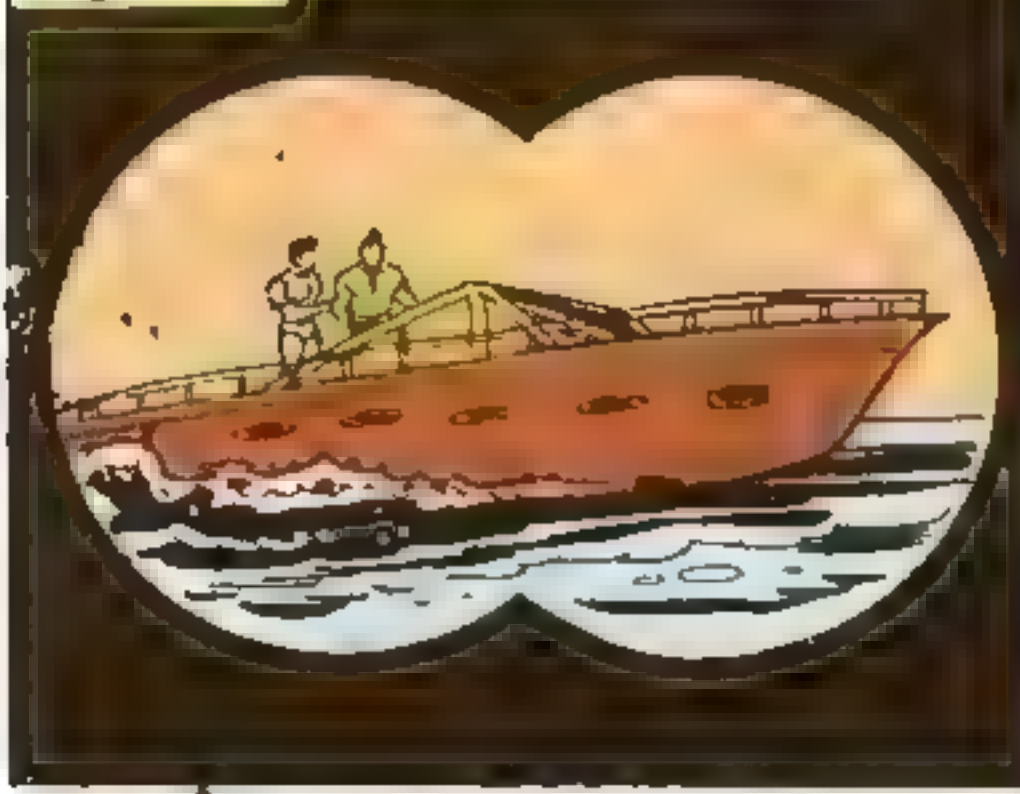
नागराज ने बक्से को उलटा किया-



इस सांप के रूप में मिस हिरोशिमा यानी मिस किलर ने हमें दूसरा कत्तू दिया है।



नागराज और धुव के सूनी सफर की शुरुआत हो चुकी थी-



सूनी सफर -



सूखी के तिर्रे पर बंधा वह भारी-भरकम
आत्मा समुद्र में गिरा—



डोल्फा तेजी के साथ आगे बढ़ा—



चीक पड़े नागराज और ध्रुव—

नागराज! बायद कोई
सुखीखत हमारी बोट की
ओर बढ़ रही है।

यह है
क्या?



दोनों एकदम से सतर्क नजर आने लगे—

बायद मिस कितर की
कोई अच्छा चाल
है।

तुम्हारा
कहना सच है नागराज!
वह दीप भी सामने
ही दिखाई पड़
रहा है।



फिर अचानक समुद्र की लहरों में एक ज्वारभाटा सा उठा—

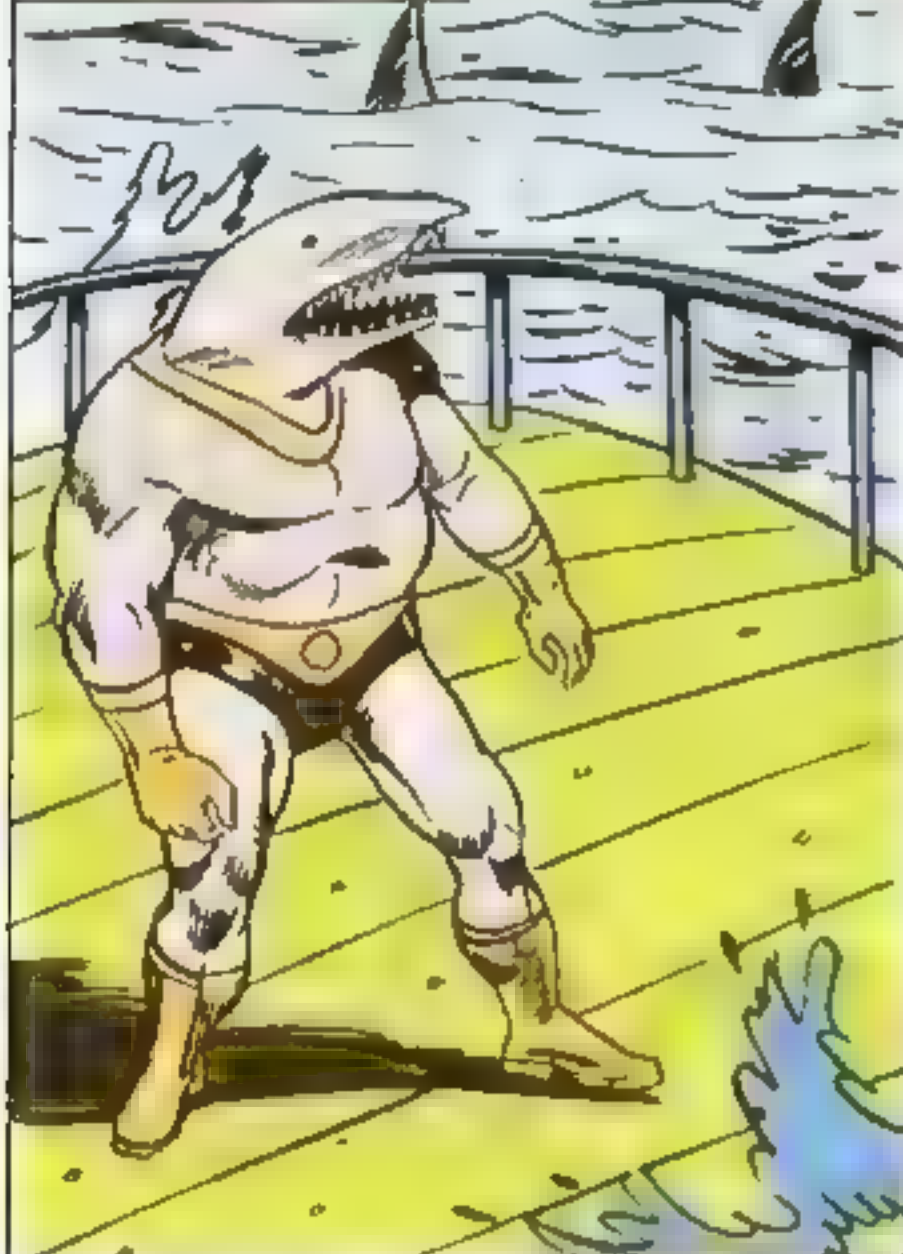


उक पर लड़े नागराज व ध्रुव बुरी
तरह से लड़खड़ा गए। अचानक ही ध्रुव
अथाह जलरादी में गिर पड़ा—

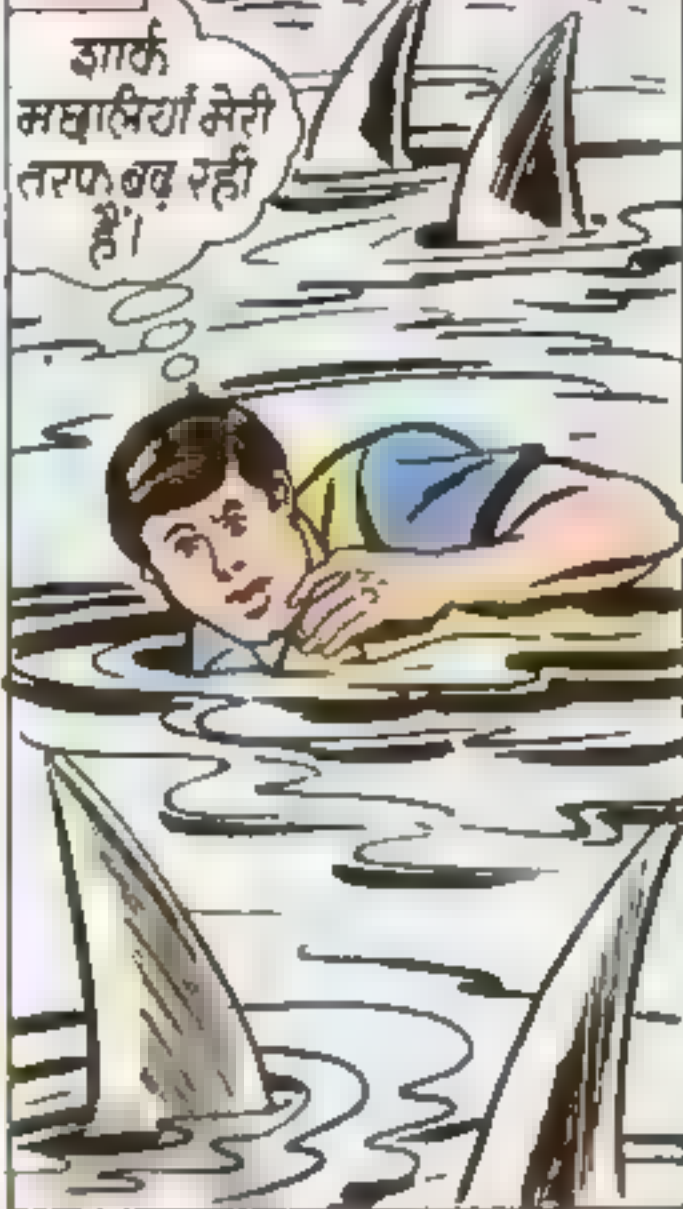


ओह यमुन!

जब लहरें झाँत हुई तो गोत्रे की जगह एक फ्लेटफार्म नजर आने लगी जिस पर एक विचित्र डार्क मानव खड़ा था -



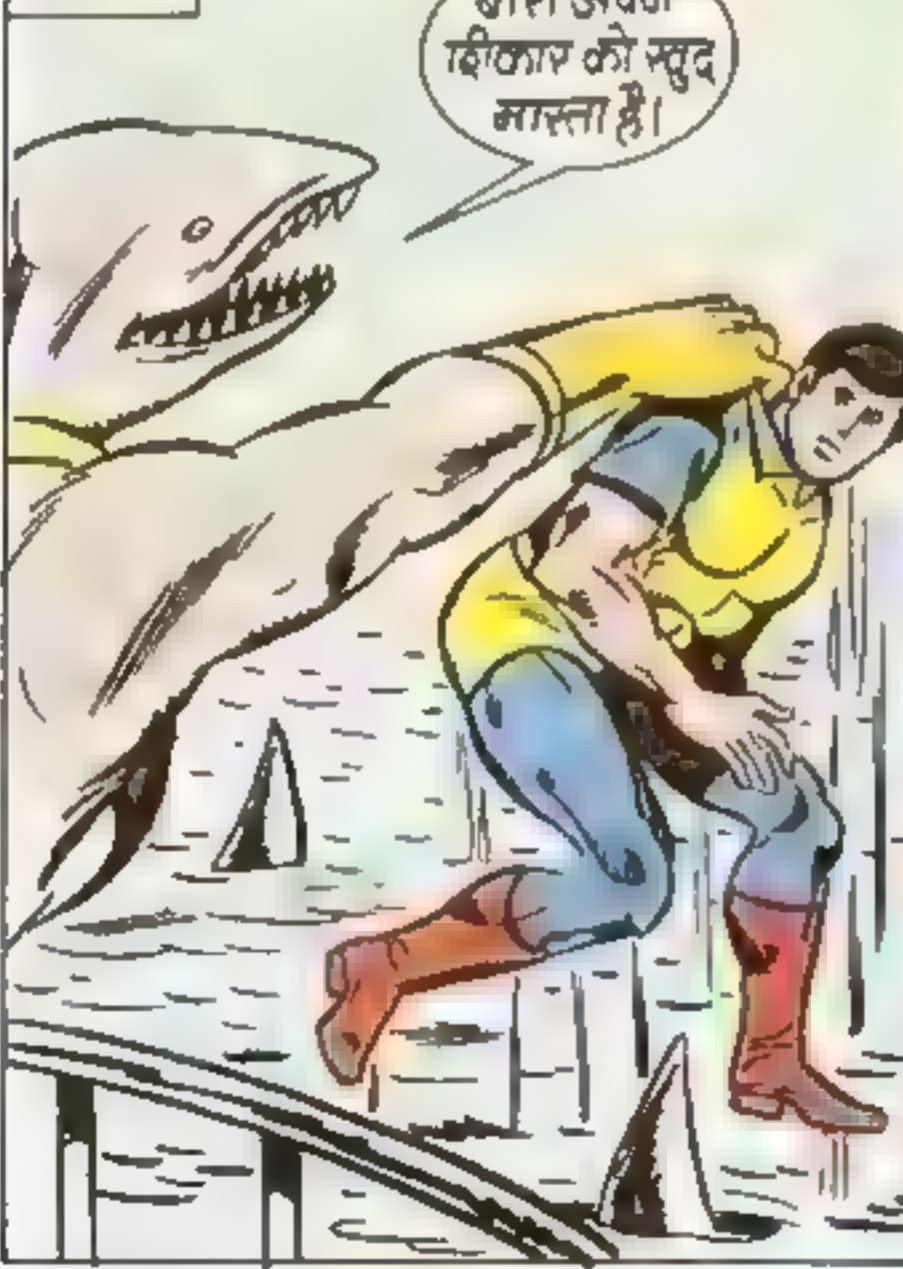
राज कामेक्स उधर धुव के समुद्र में बिस्ते ही सूनी डार्क मछलियों से घटे पड़े समुद्र के उस इलाके में भीषण हलचल मच गई -



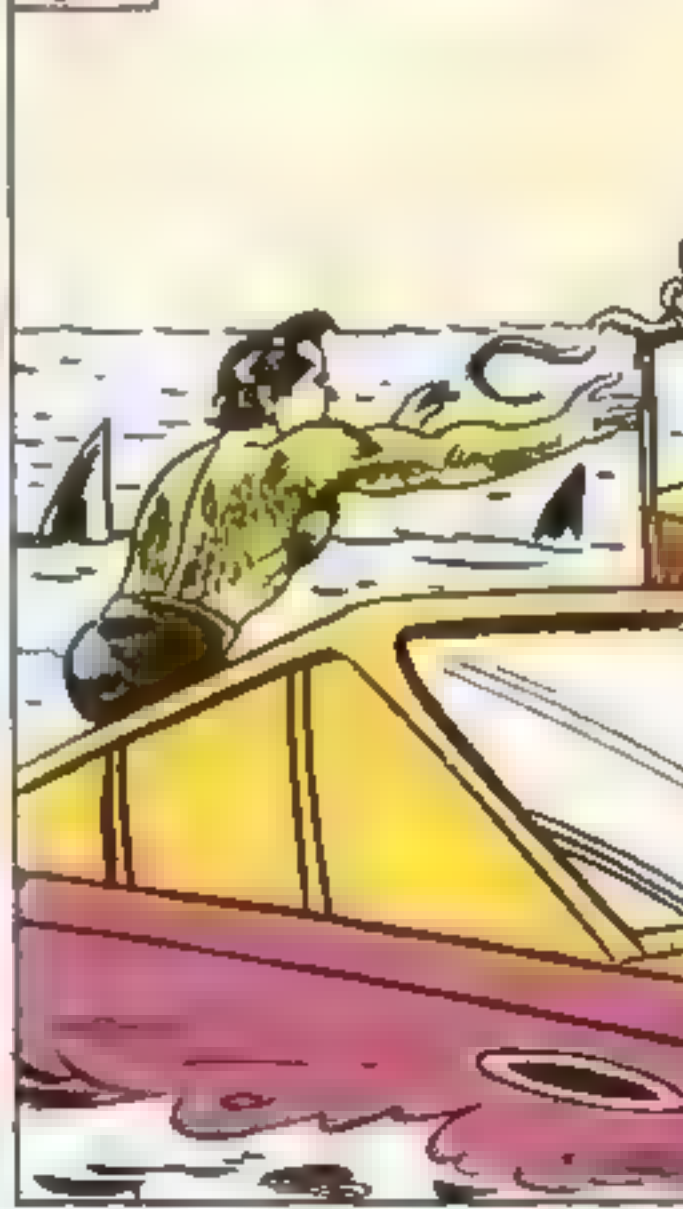
फिर इससे पहले कि कई डार्क एक साथ धुव पर दूटकर उसके पिछड़े उड़ा देतीं -



गोत्रे में से निकले बोरो पहलवान ने उसे उठा लिया -



जागराज की जागरस्सी बोरो की तरफ लपकी। धुव यह देख चीख पड़ा -



जहाँ जागराज! ये मेरा अधिकार है।



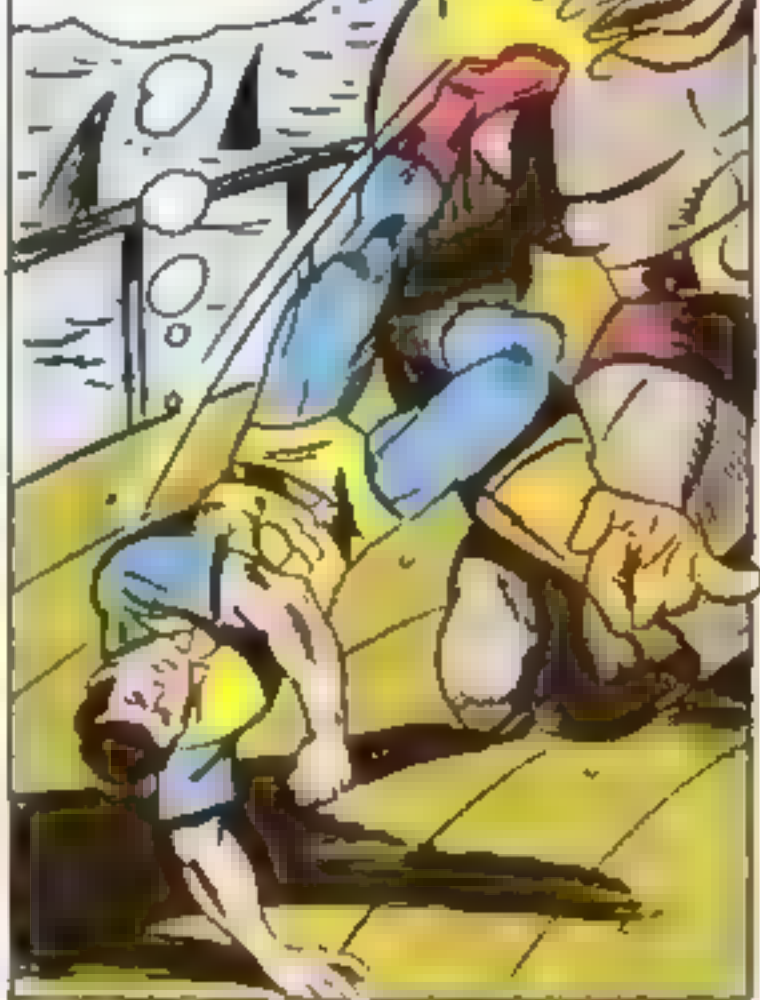
बोरो धुध पर झपटा—

तुझे स्वतंत्र करने के बाद नागराज को स्वतंत्र करूँगा।

हम्म! इस फाइट में आयेगा कुछ मजा...



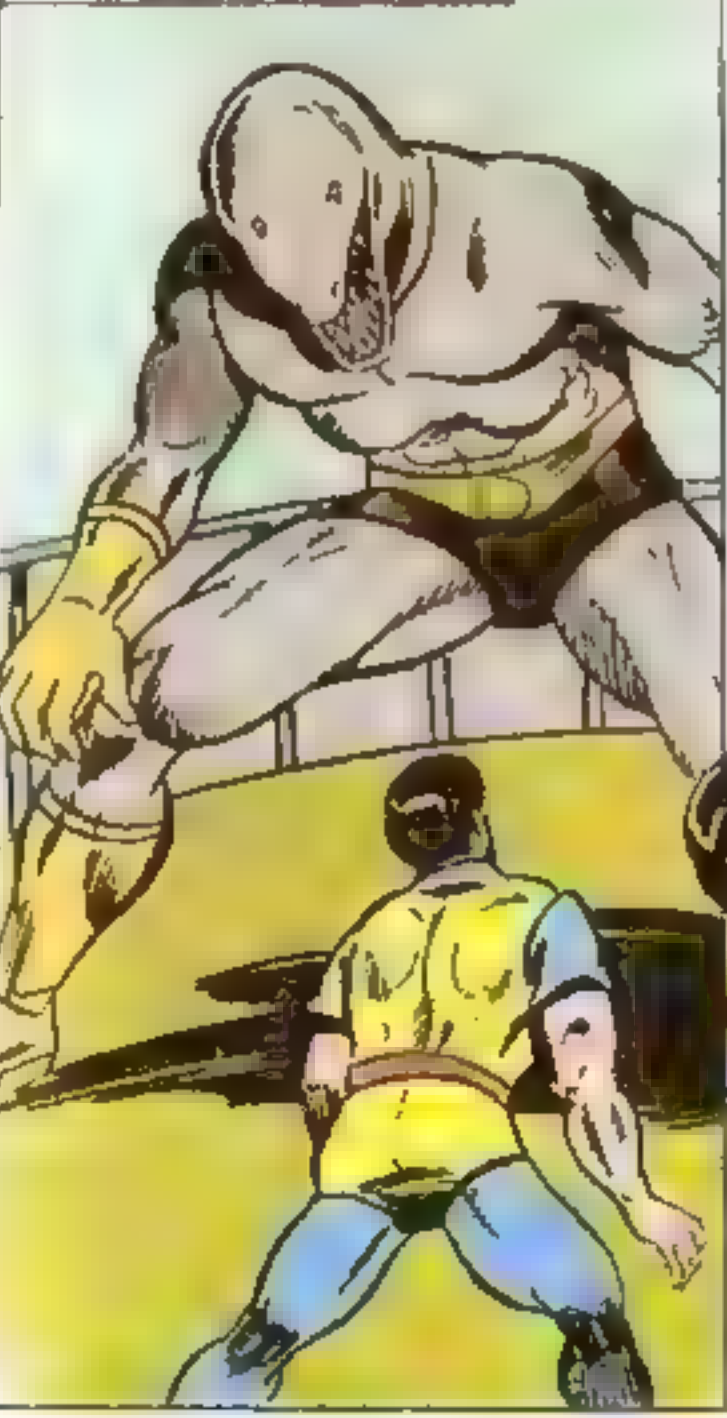
... समुद्र में चारों तरफ फैली खूनी हार्क, और छोटे से डगमगाते प्लेटफार्म पर इस मदमस्त शार्क मानव से टक्कर।



डुपक के भयानक जड़ड़े में जाने से बाल-बाल बचा बोरो—



बोरो फुर्ती से उछला और—



और धुध से भिड़ गया—

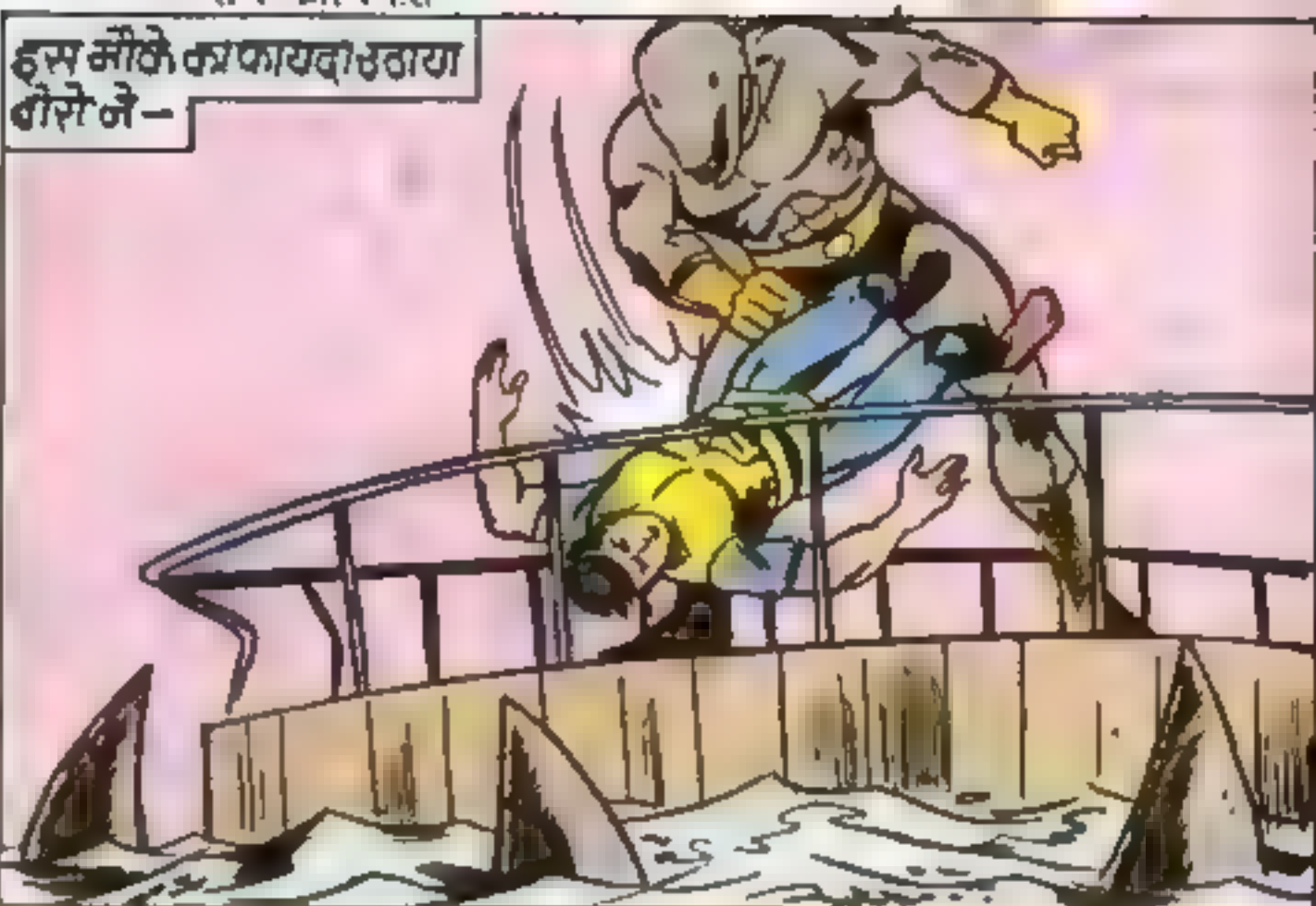


उम्! इनके जड़ड़े से बचना है ना।

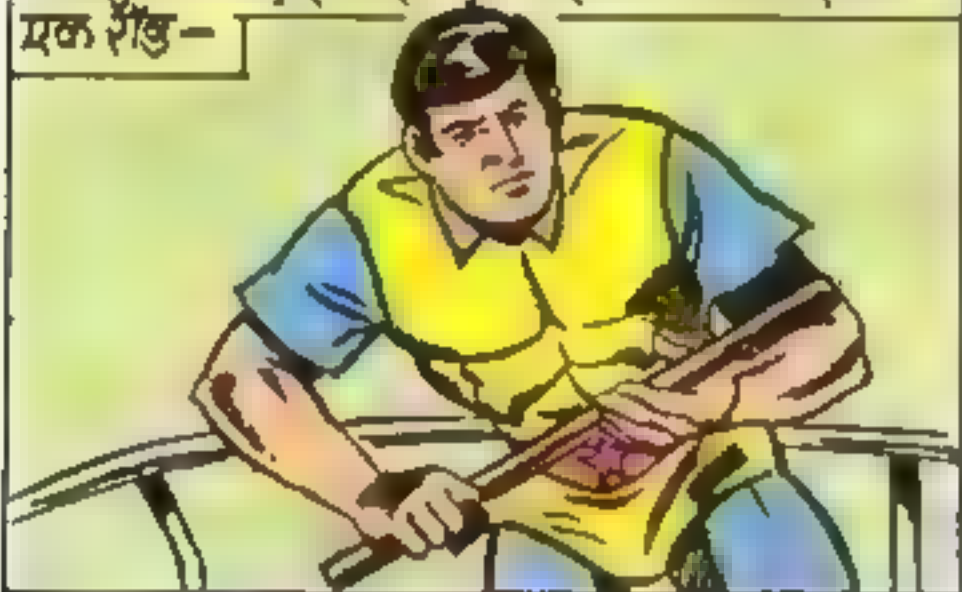




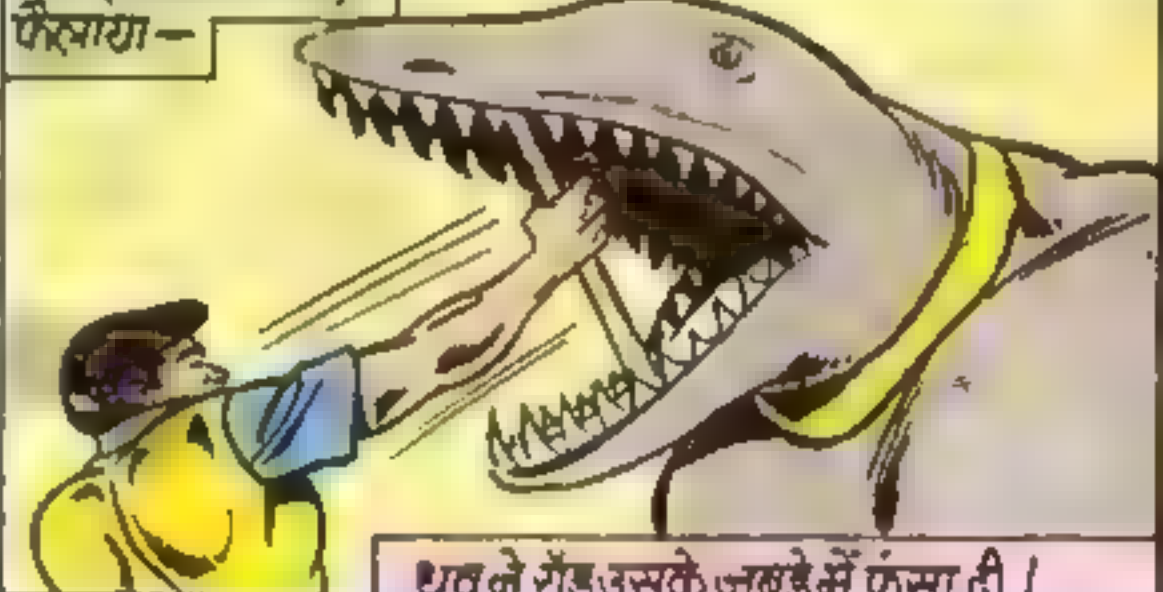
हम मीके का कायदा उठाया
बोरो ने -



फिन्तु अब खड़े होते ही धुव के हाथ में थी लोहे की
एक रॉड -

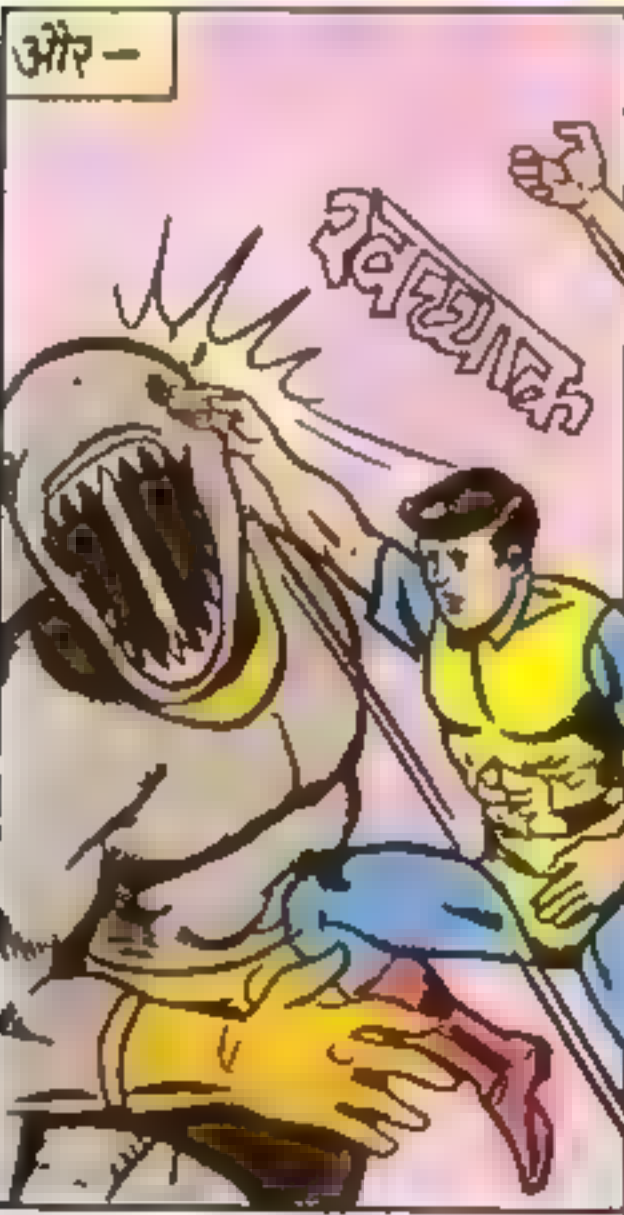


जैसे ही बोरो ने जबड़ा
फैलाया -

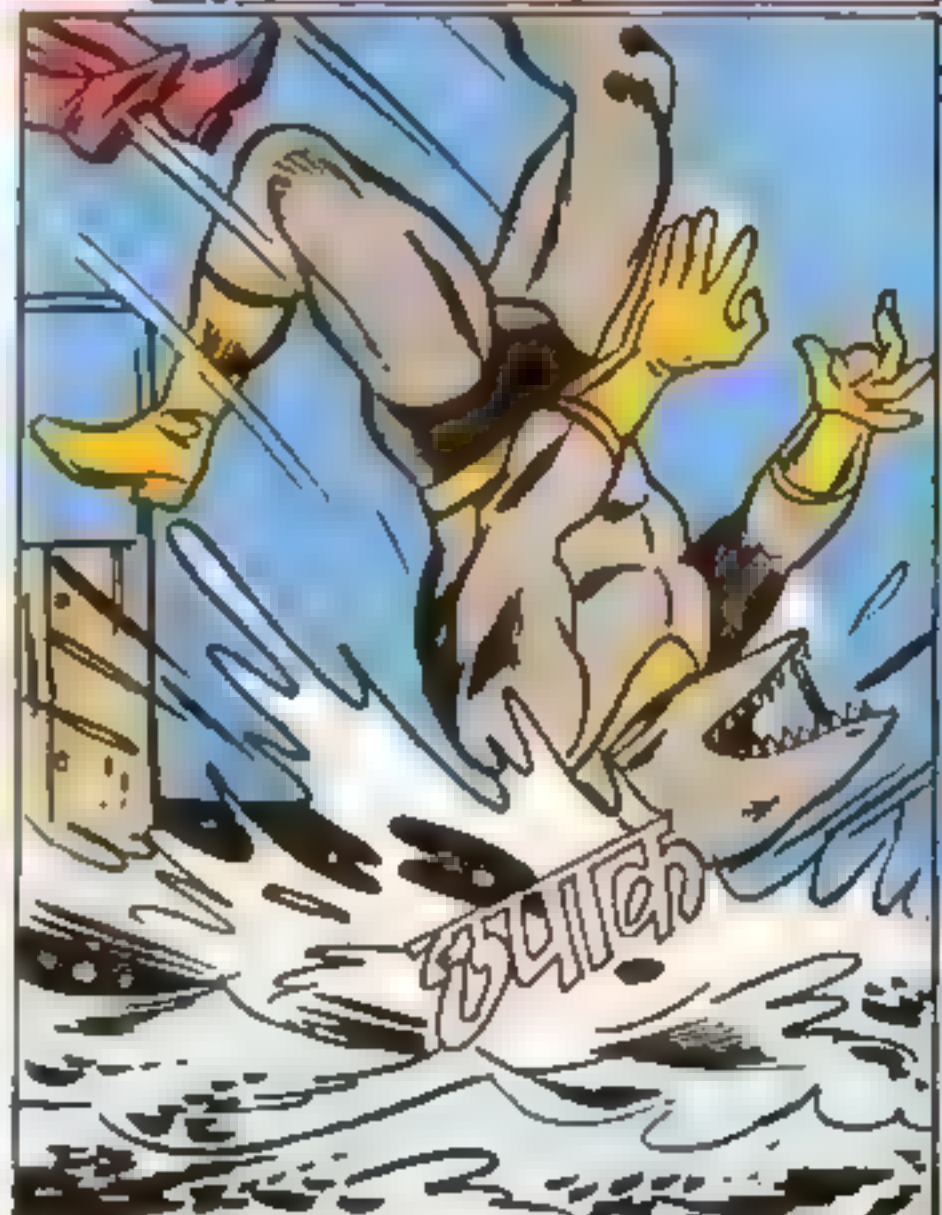


धुव ने रॉड उसके जबड़े में फंसा दी।

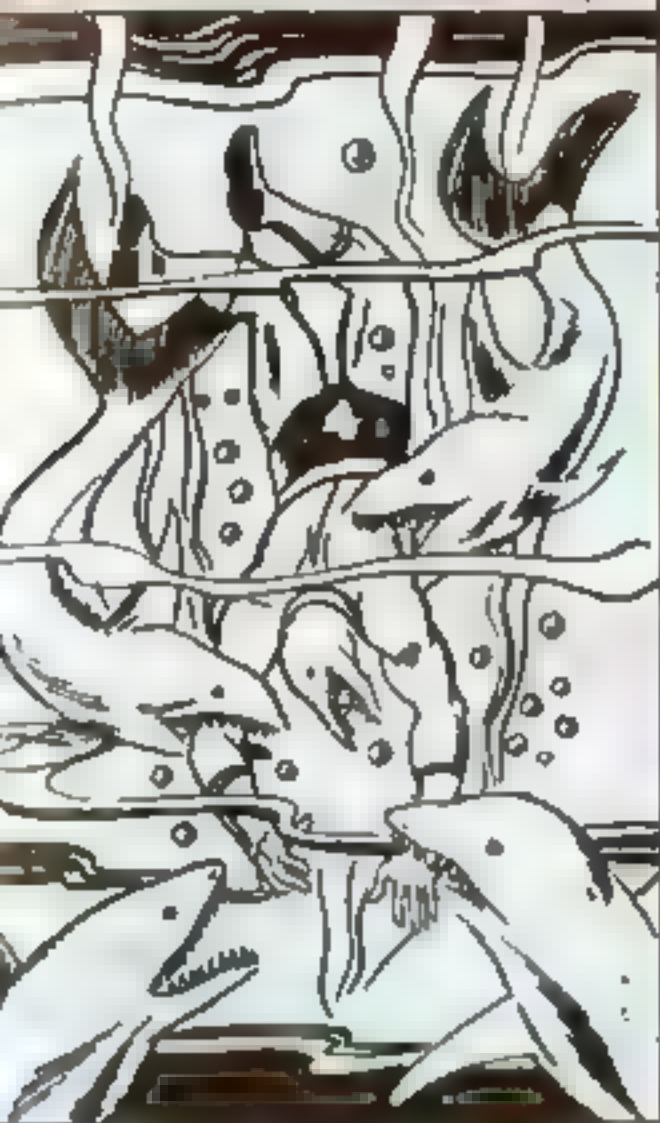
और -



धुव ने अपनी टांगों को एक
भरपूर झटका दिया -



आर्क बोरो को पानी में खींच ले गई—

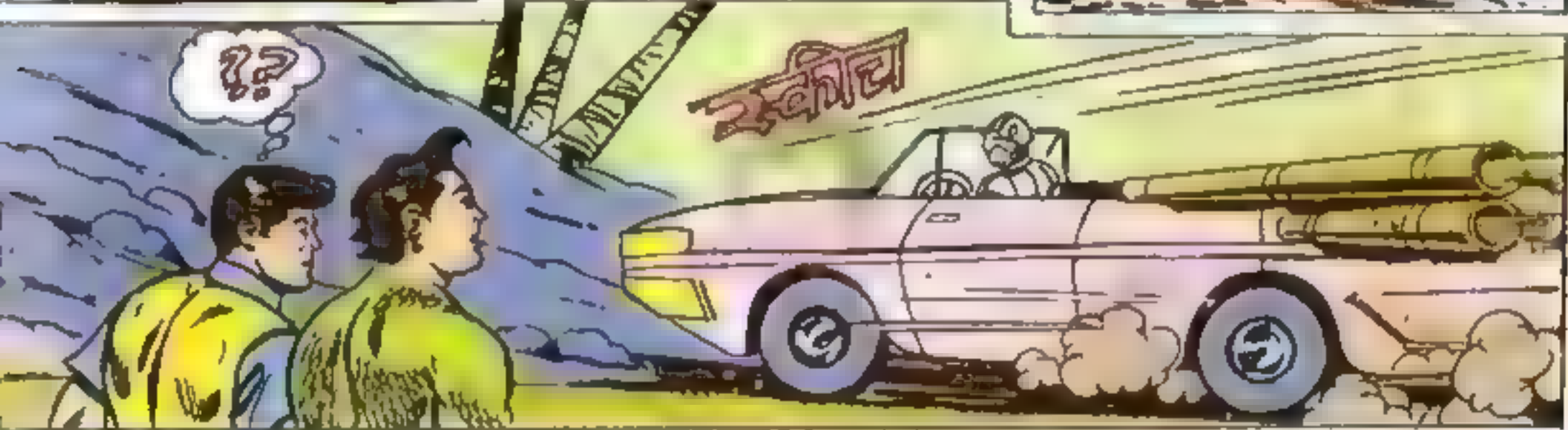


नागराज की मदद से—

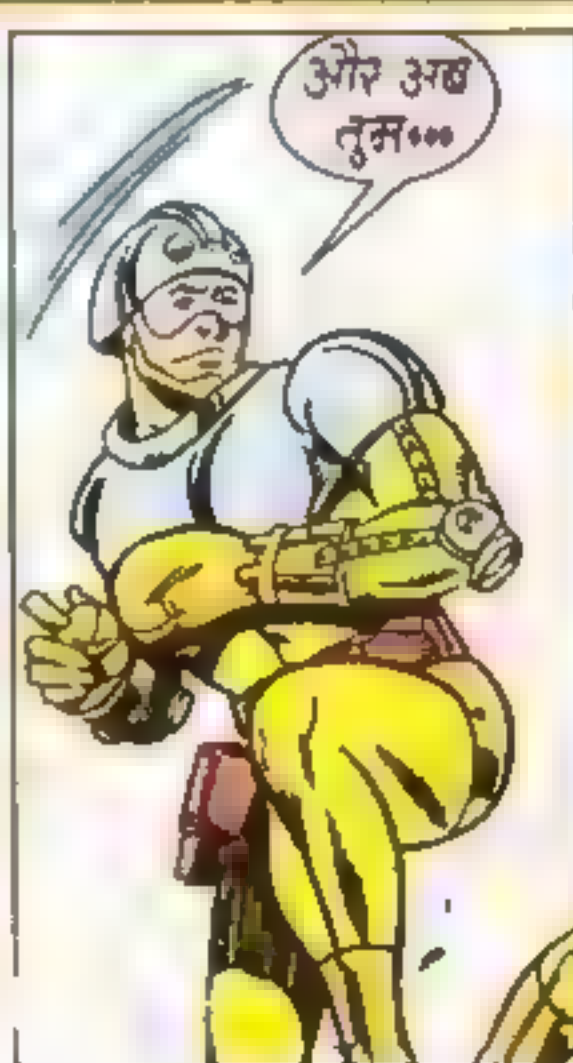


...धुब वापस बोट पर पहुँच गया।

दीप पर दोनों बोट से नीचे उतरकर कुछ ही कदम आगे बढ़े थे कि—



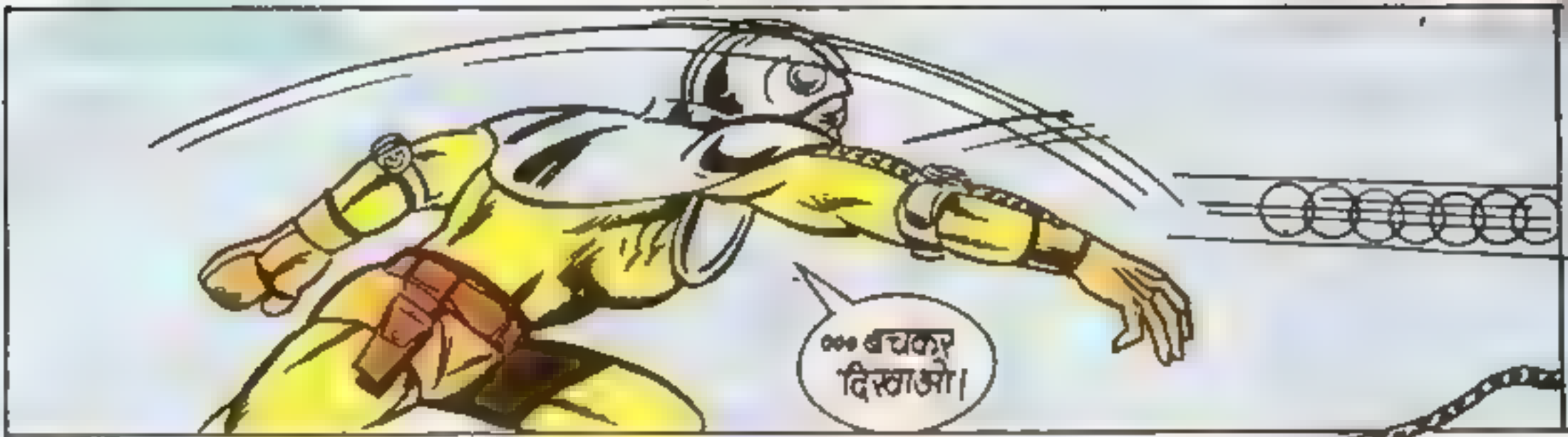
क्या हाल है बच्चे, मुझसे मिलो। मेरा नाम है स्पाइडबॉल!



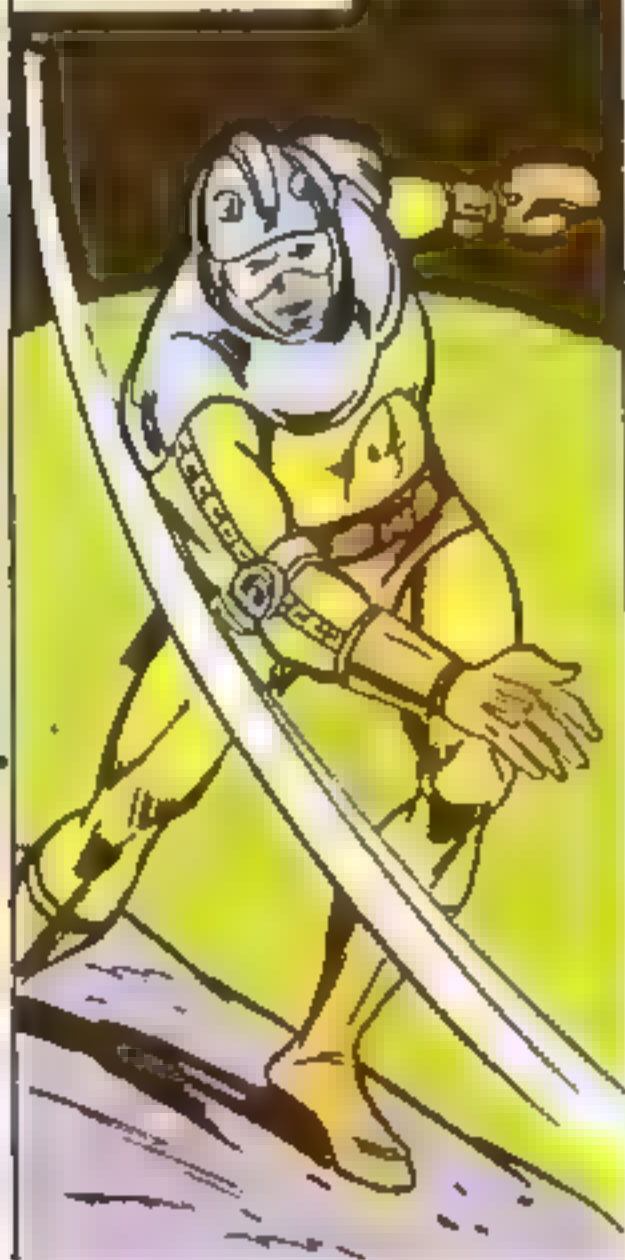
और अब तुम...



...मुझसे



हम वही तो बचा गए। अब इससे बचके दिखाना—



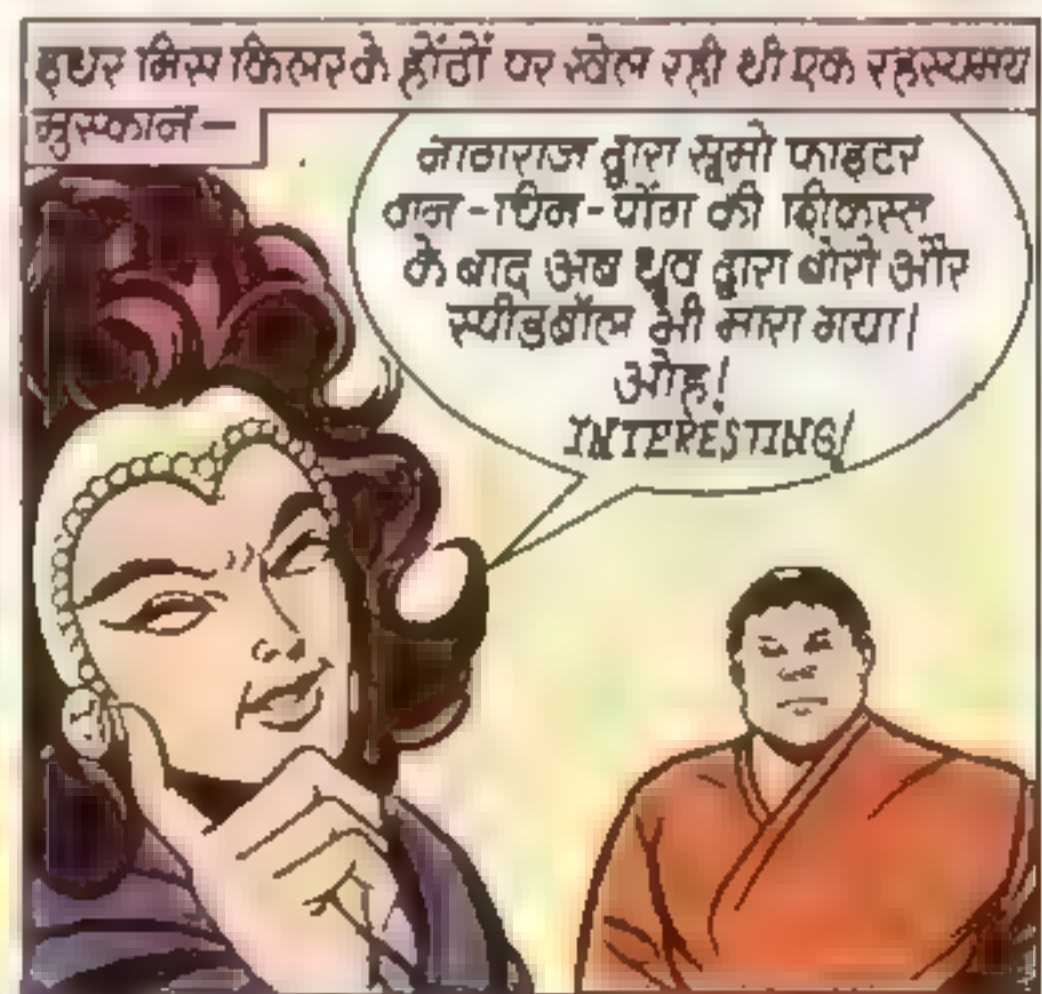
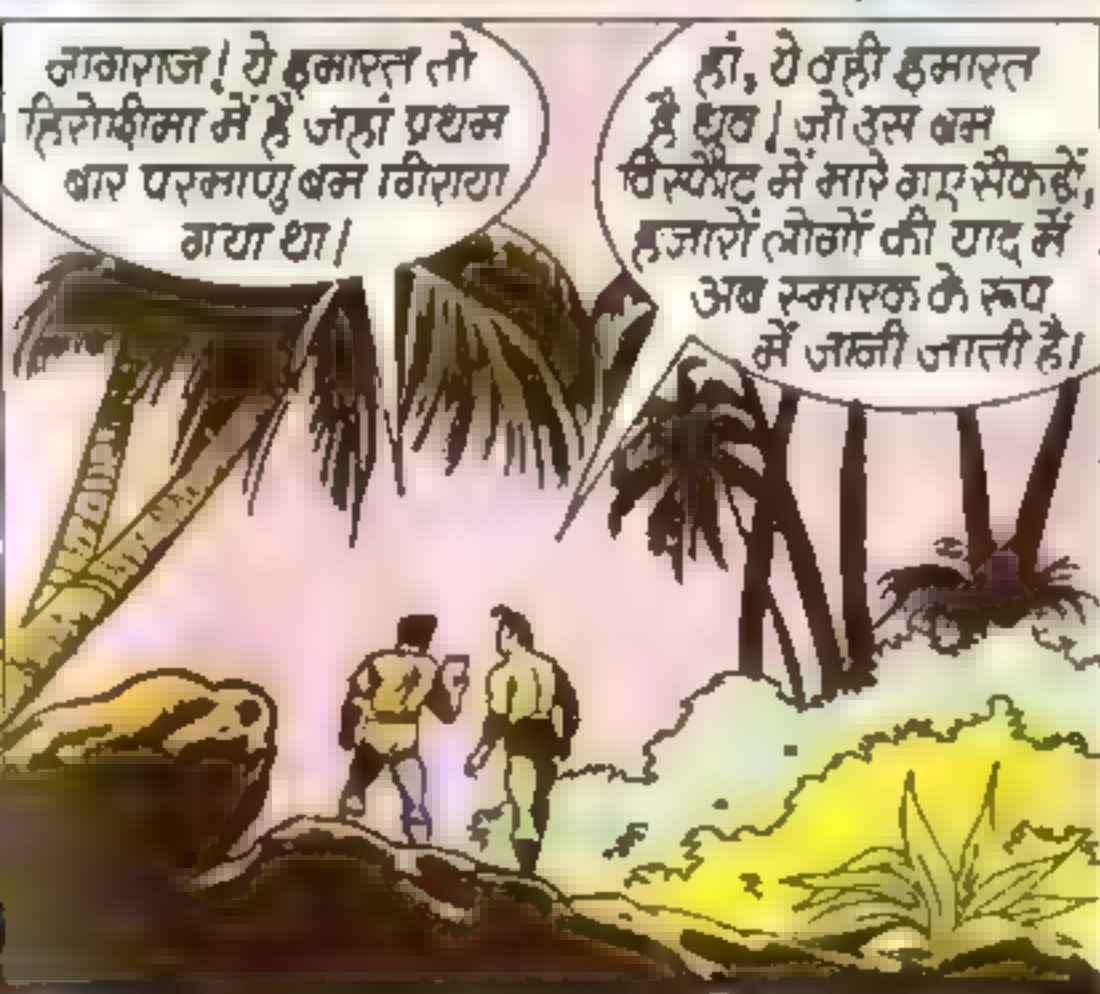
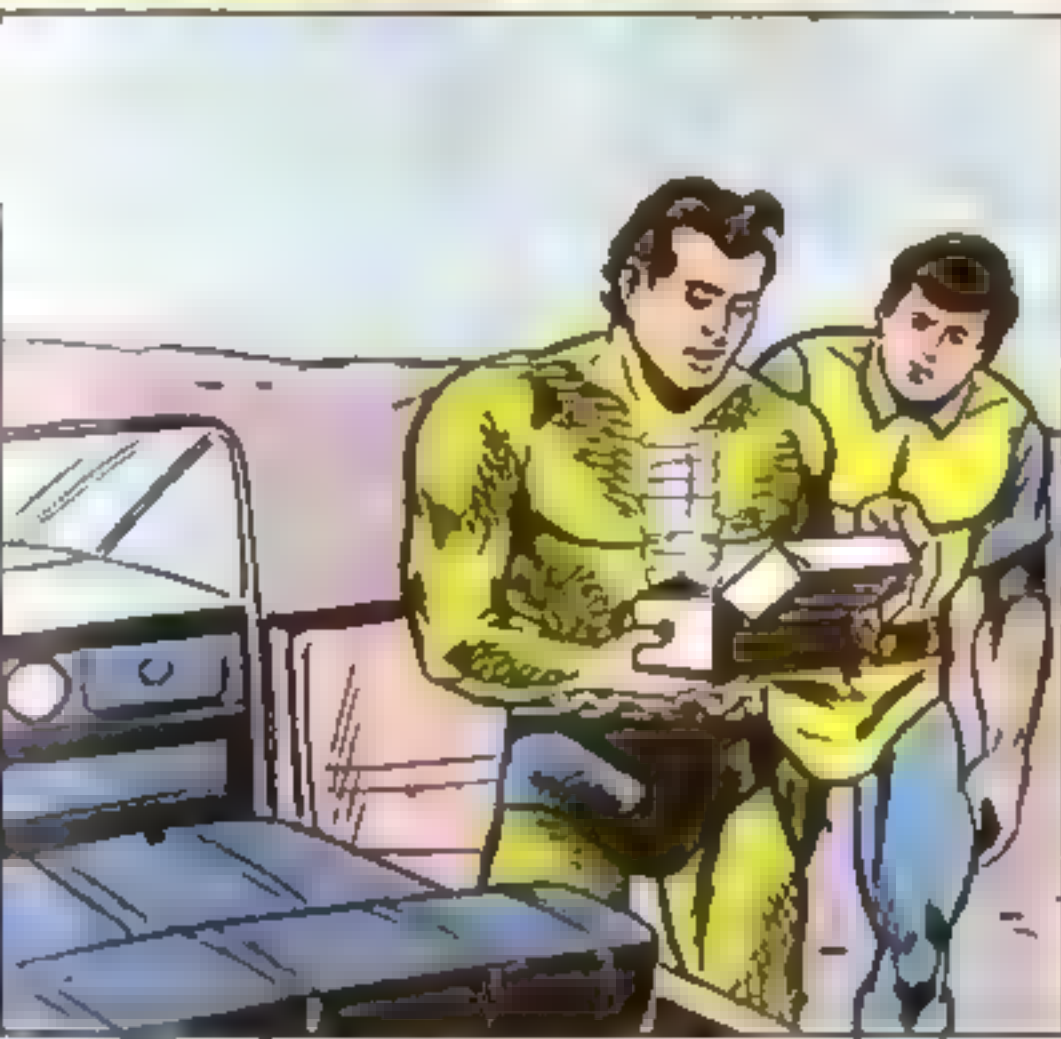
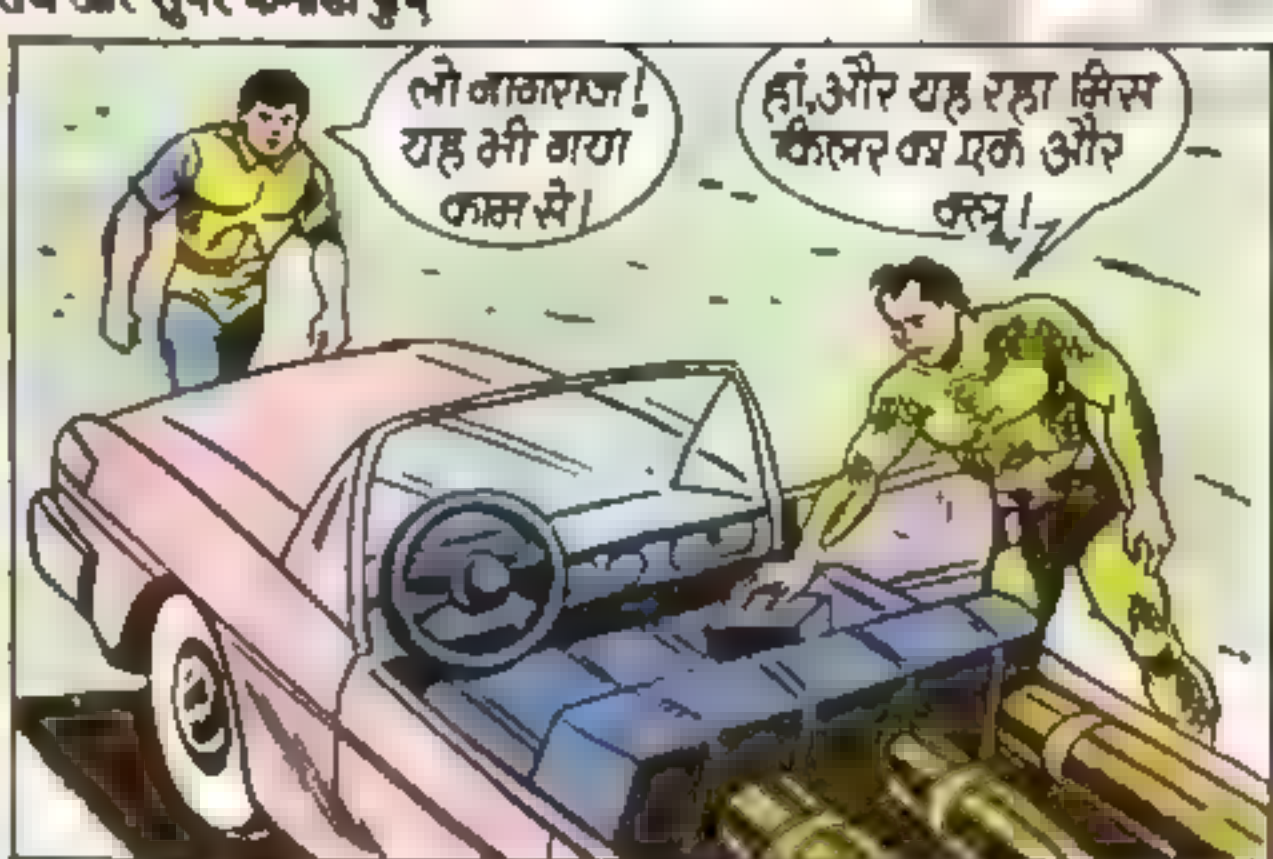
और धुल जे छलांग लगाई—



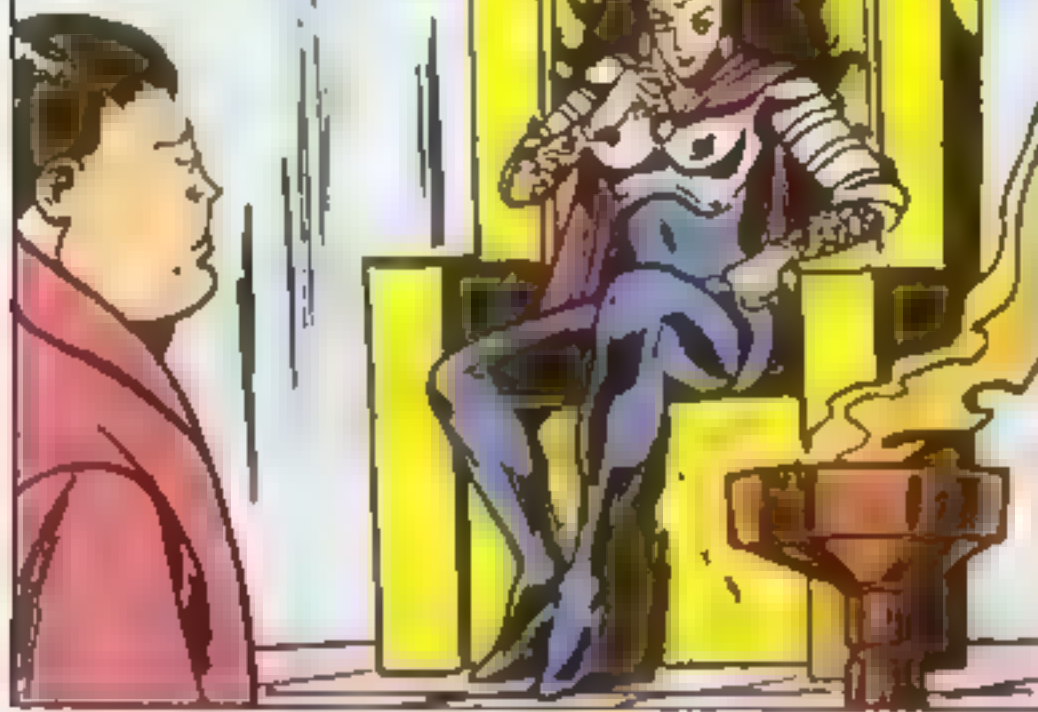
परक झपकते ही गोला उसके हाथ में था

और अचानक ही क्षण—





हिरोडीमा की
खण्डहर इमारत
का 'कल' भी उन्हें
दे दिया गया।
वैरी बड़।



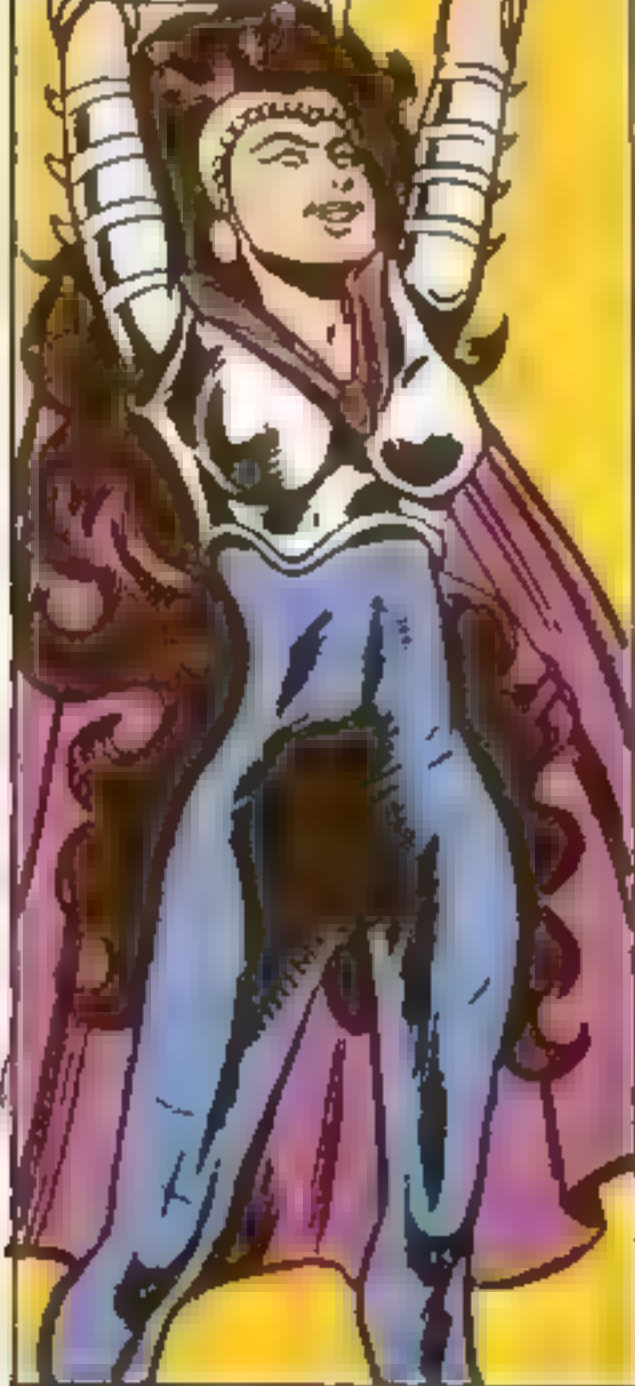
भयानक अदृष्ट कर
उठी मिस किरर -



अगर मिस किरर की
बनाई उस बाधा को भी वे
पार कर गए तो यकीनन फिर
वे उन महाशक्तिओं तक पहुंच
पाएंगे, जिन्हें किरर जोड़
में चुलों की तरह कैद कर
रखा है मैंने।



और तब मंडरायेगा विश्व
पर एक ऐसा भयानक स्तर।
... जिससे टकराने के
लिए कोई सुपर शक्ति
जीवित न होगी। हाहा
हाहा!



इधर नागराज और धुव पहुंच चुके
थे उस खण्डहर इमारत के निकट -



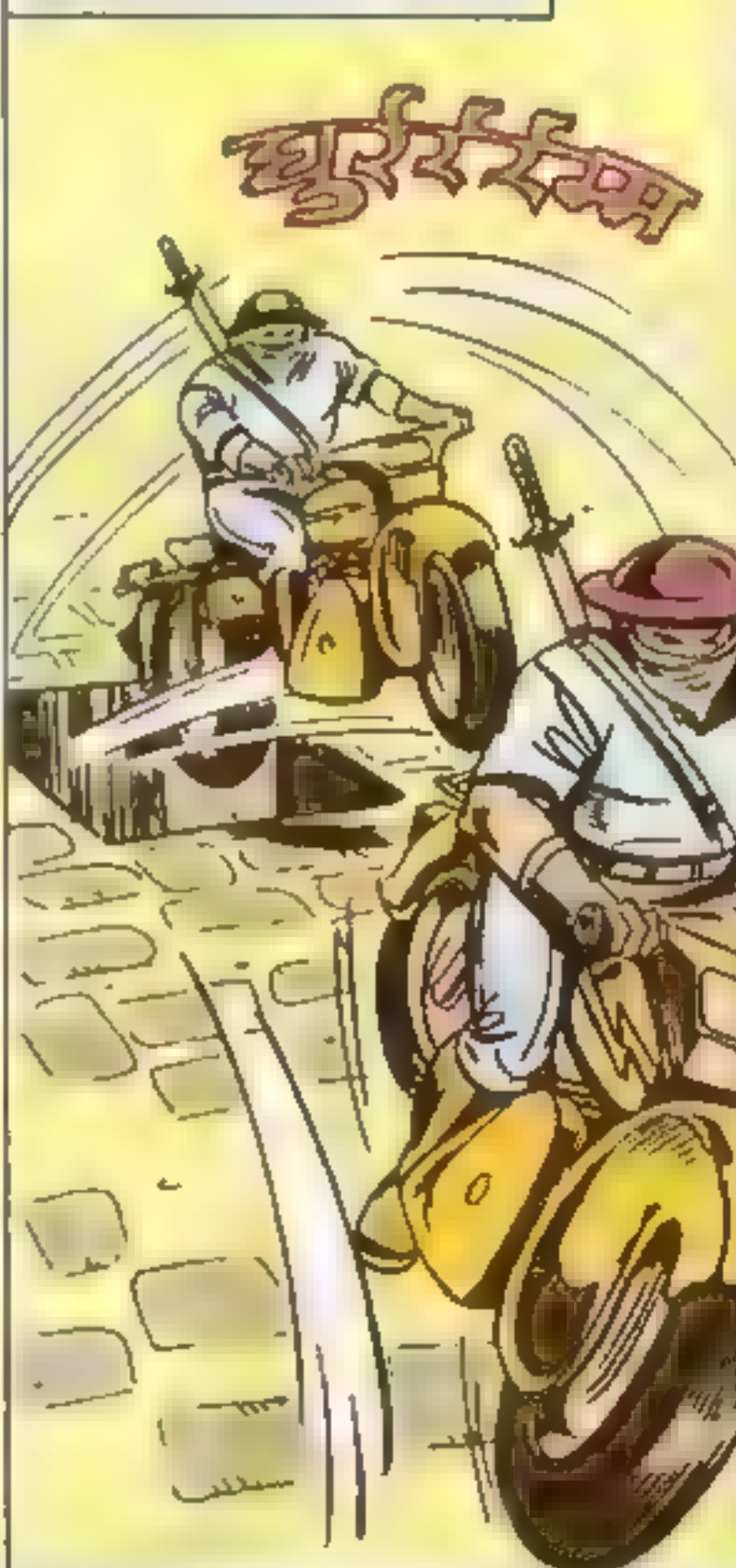
नागराज, यहाँ
तो कुछ विशेष
बात दिखाई नहीं
पड़ रही।

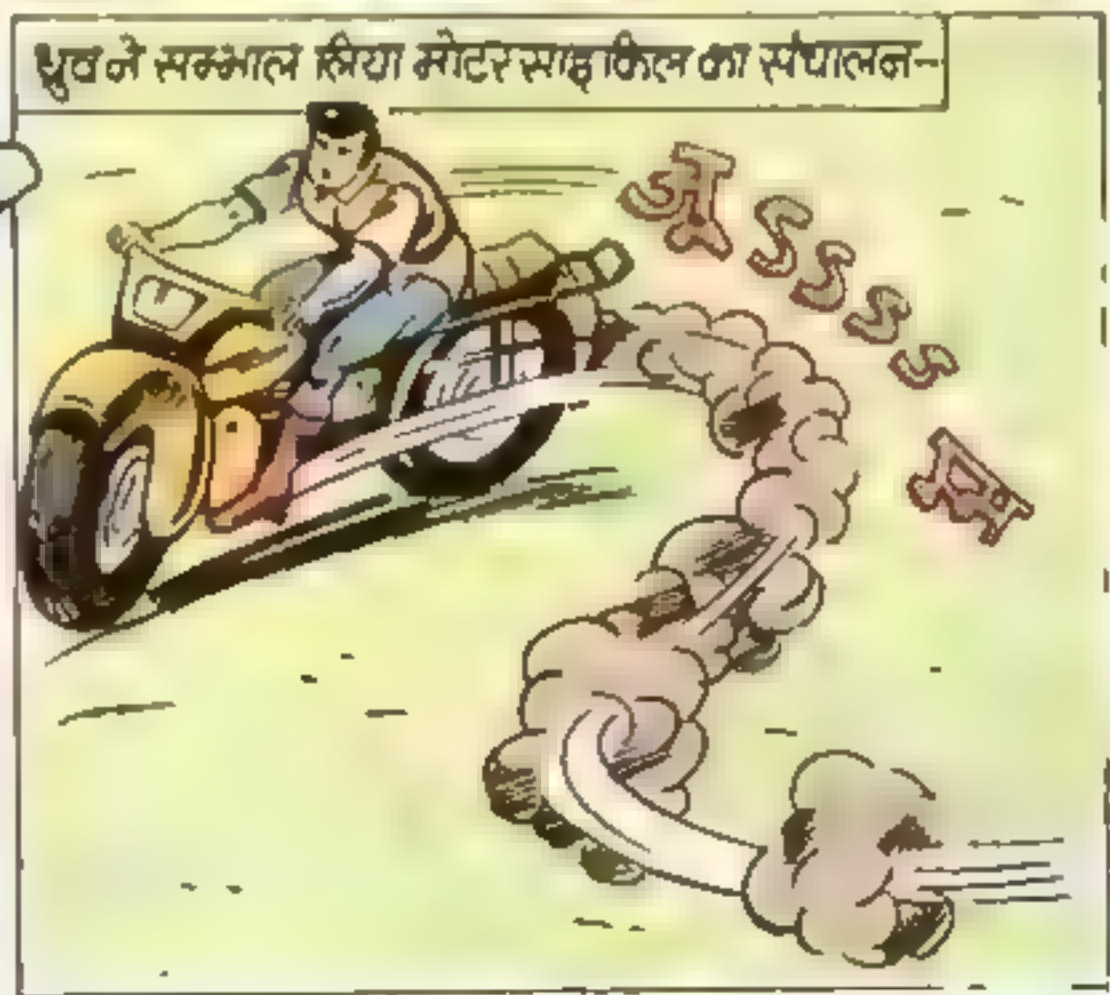
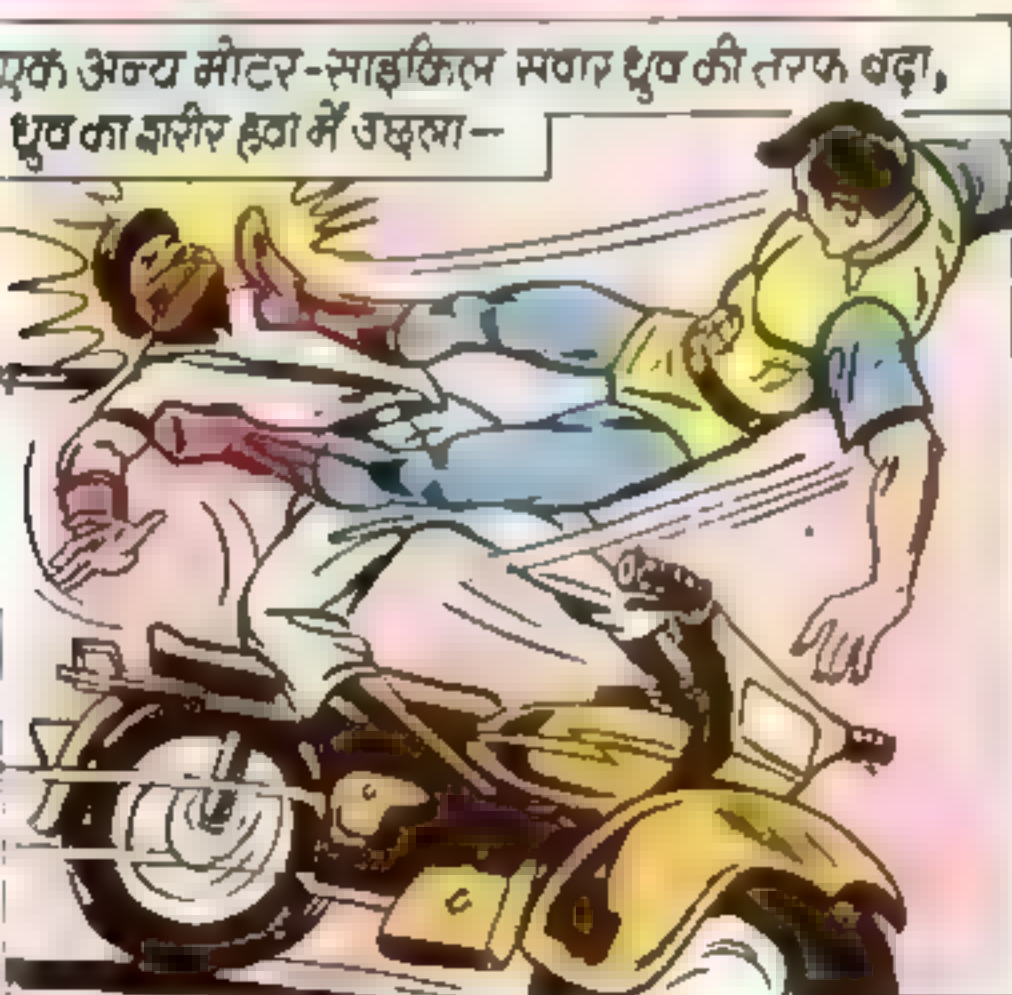
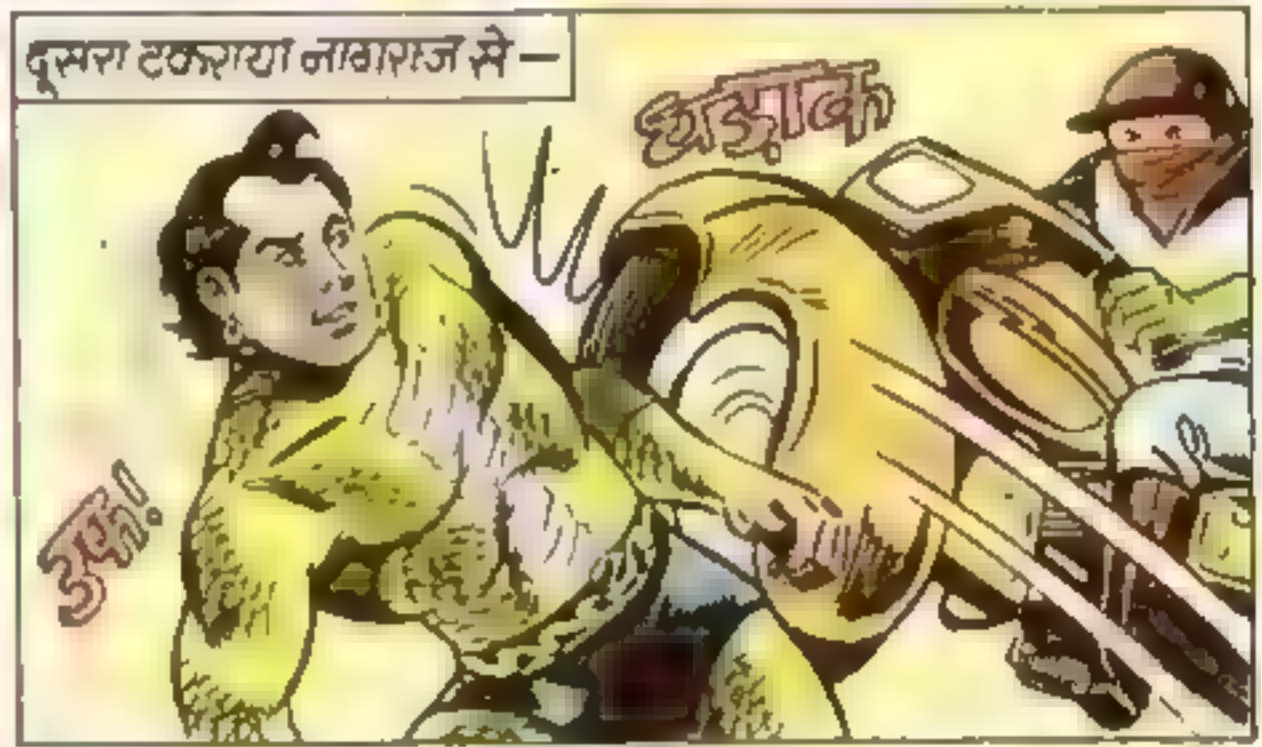
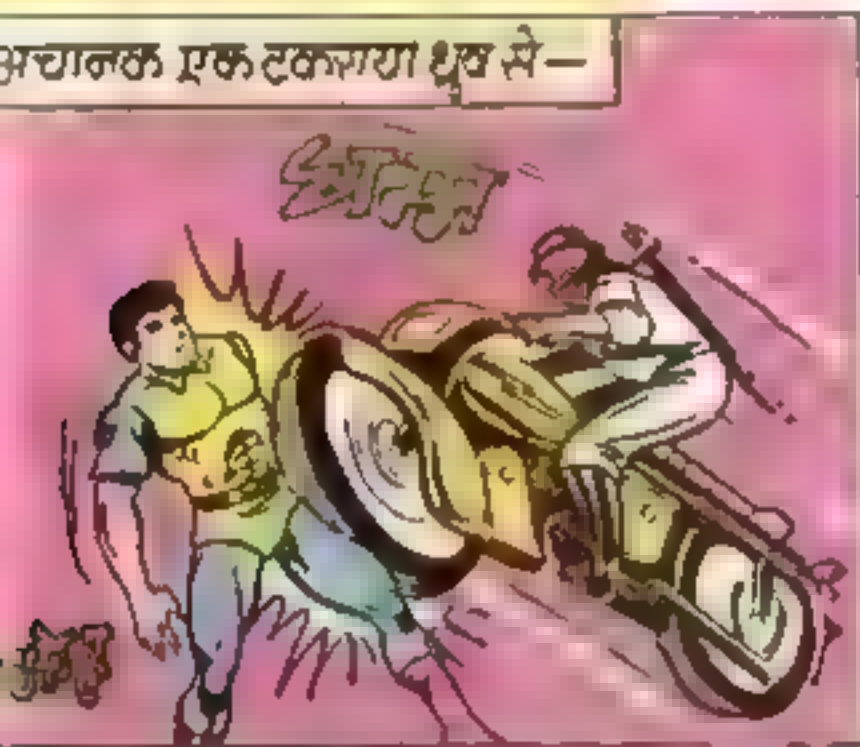
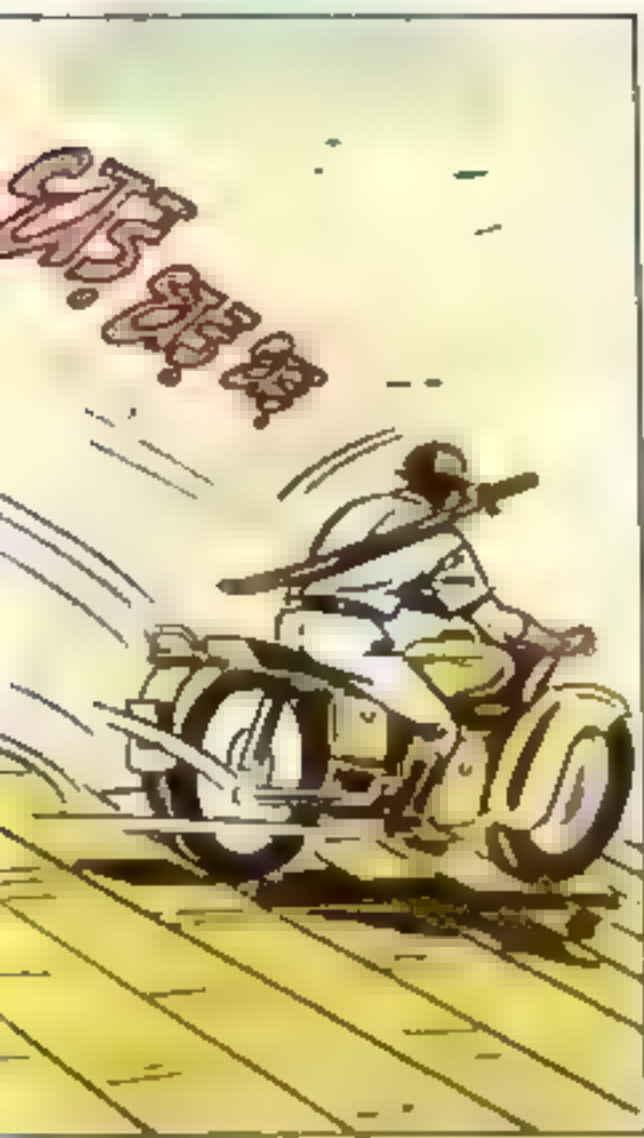
यही विशेष
बात है धुव कि
किरर ने हमें
यहाँ बुलाया
है।

तभी -



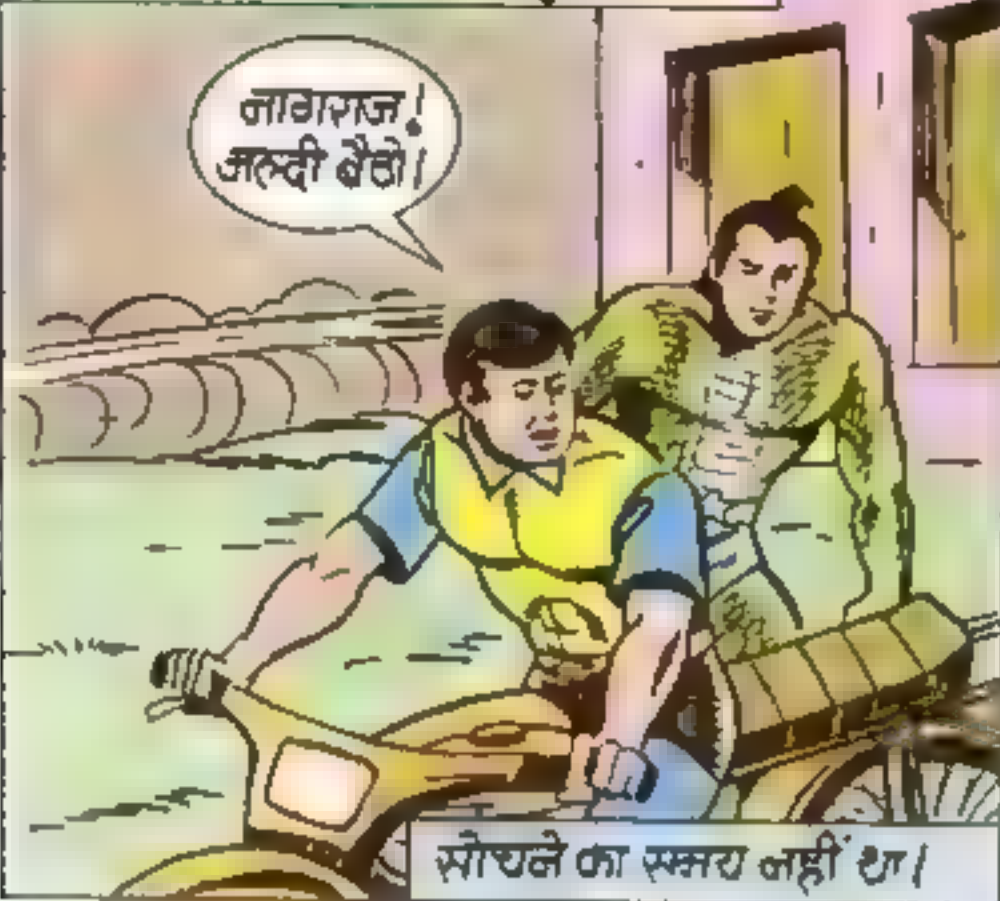
विशेष बात नजर आने लगी -





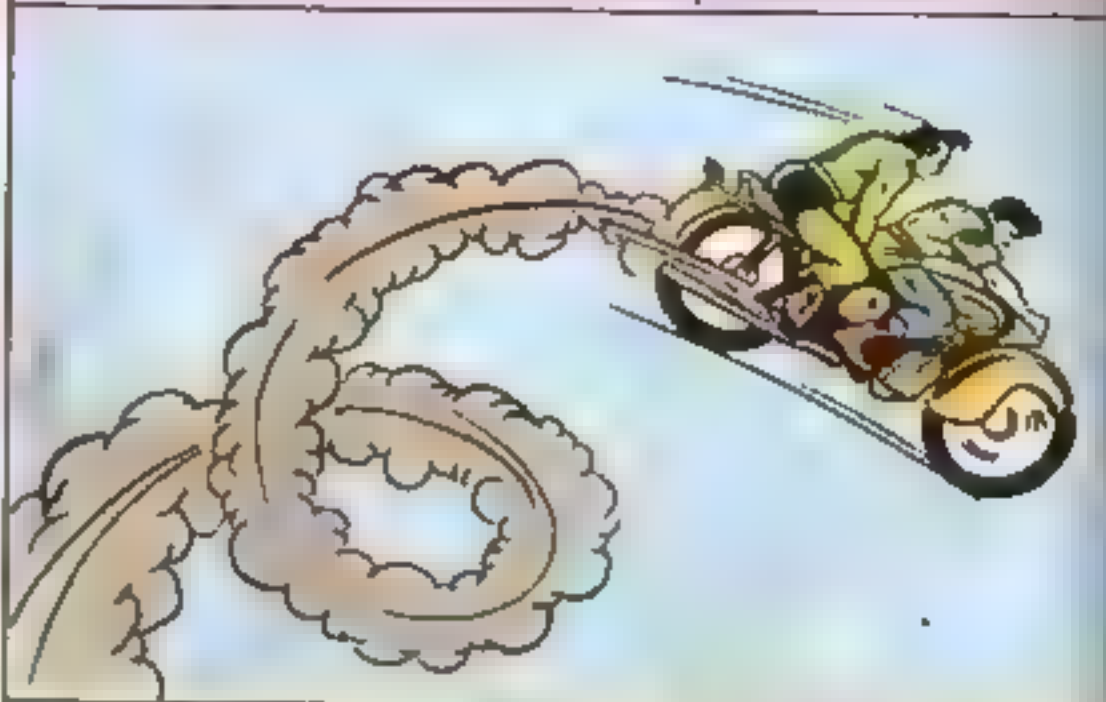
इधर जागराज उद्यतकर सड़ा हुआ, और —

जागराज!
जरूरी बैठो।



सोचने का समय नहीं था।

धुव ने मोटर-साइकिल वीड़ा दी --- * जुपिटर सर्कस में
मोटर साइकिल सवार घबराती स्विस्स आइडल जनक कला —

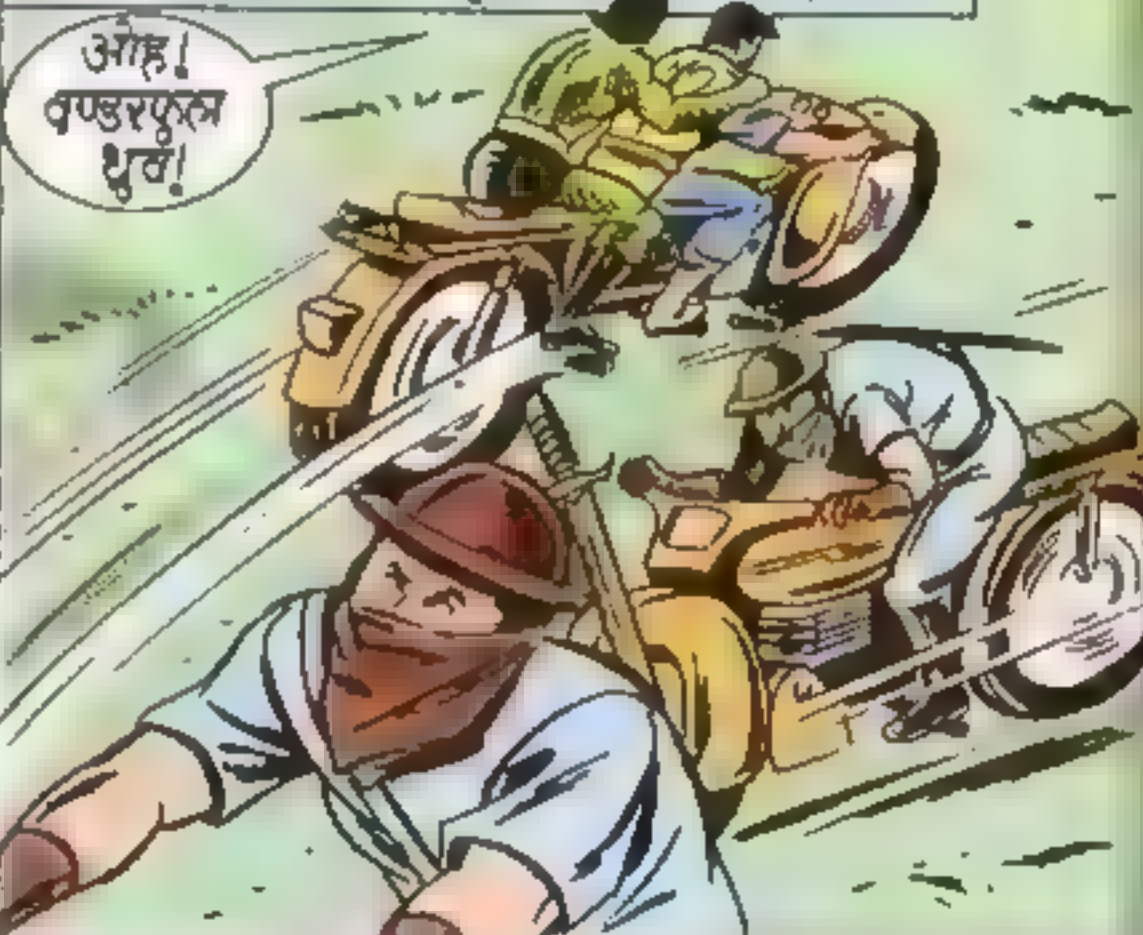


* धुव की मोटर साइकिल ट्रेनिंग के बारे में जानने के लिए पढ़ें:
धुव का रोमांचकारी कामिक्स • प्रतिद्वंद्वी की ज्वाला •

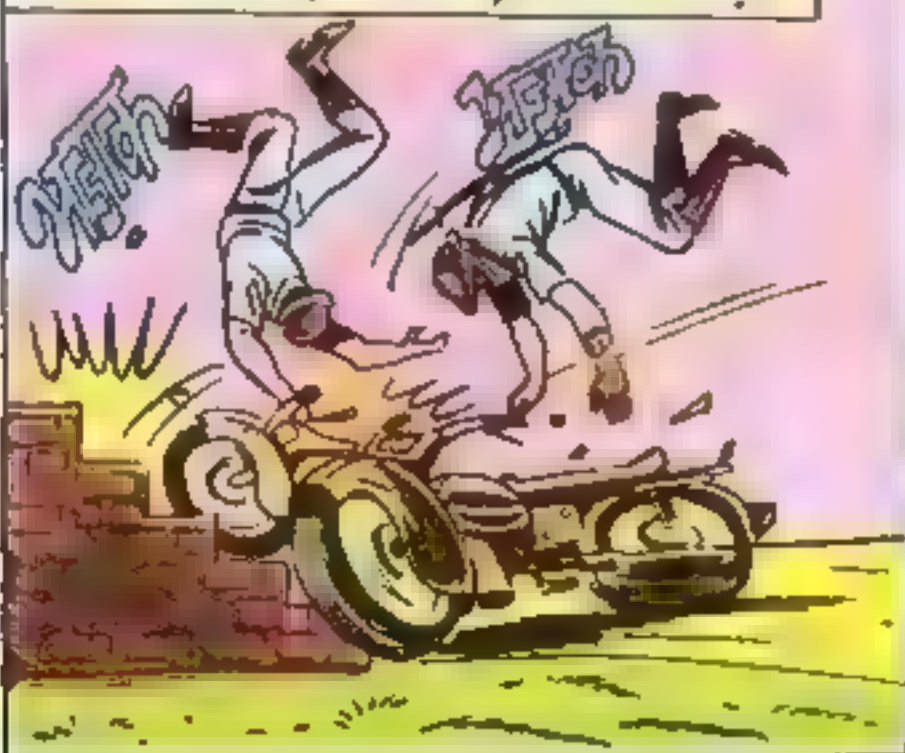
चारों तरफ से आंधी की तरह मंडराती मोटर साइकिलें—



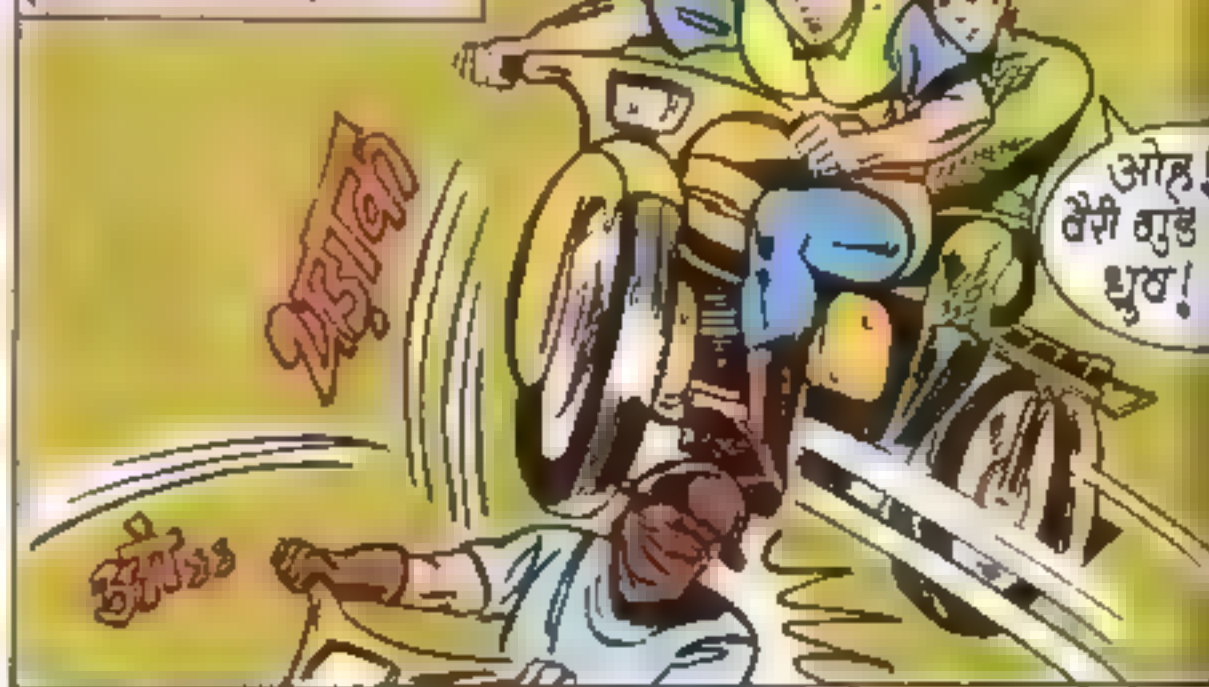
अचानक ही पल जागराज खुद आश्चर्यचकित हो उठा—

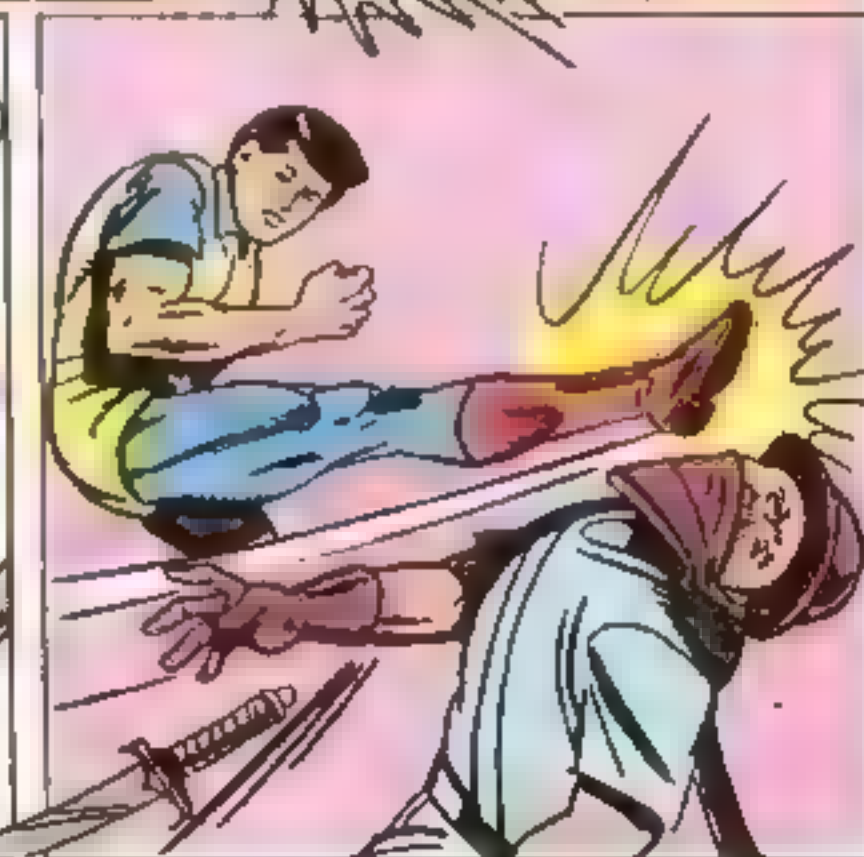
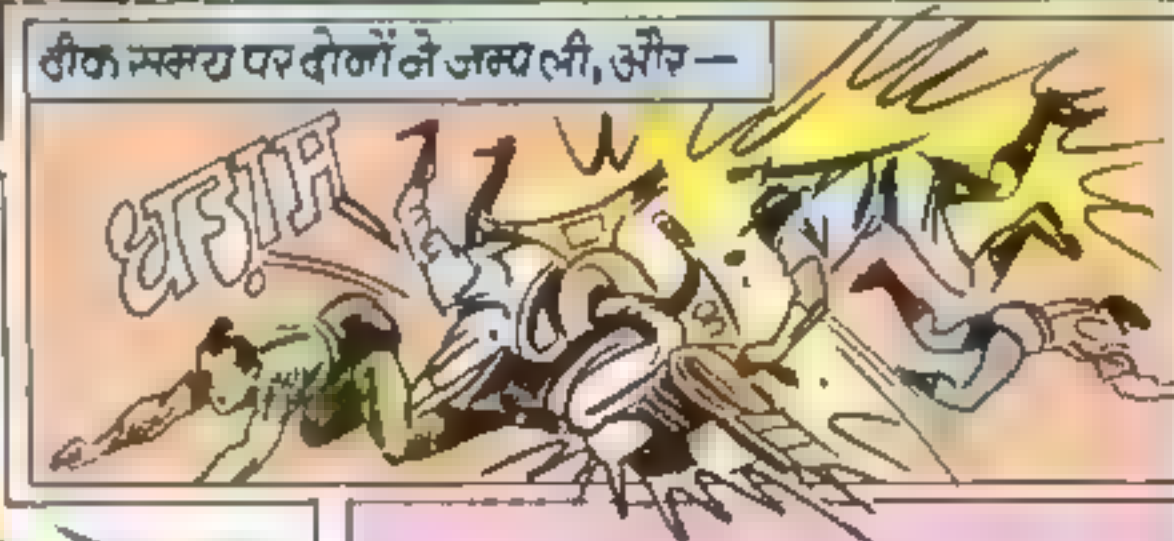
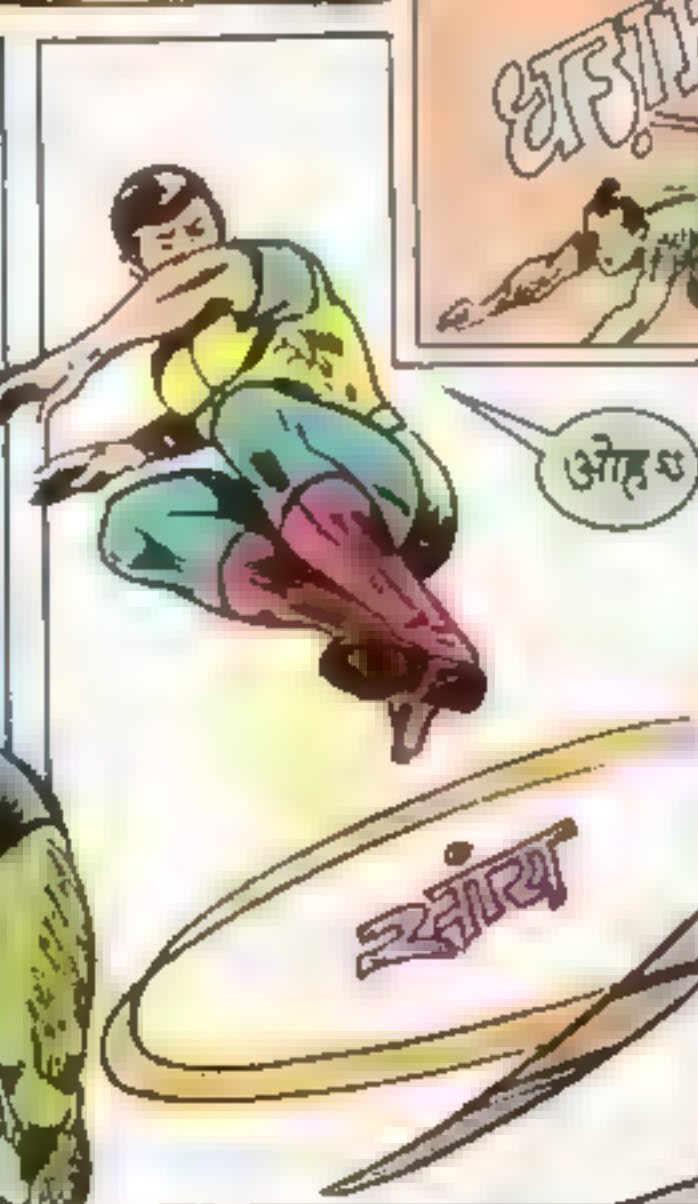
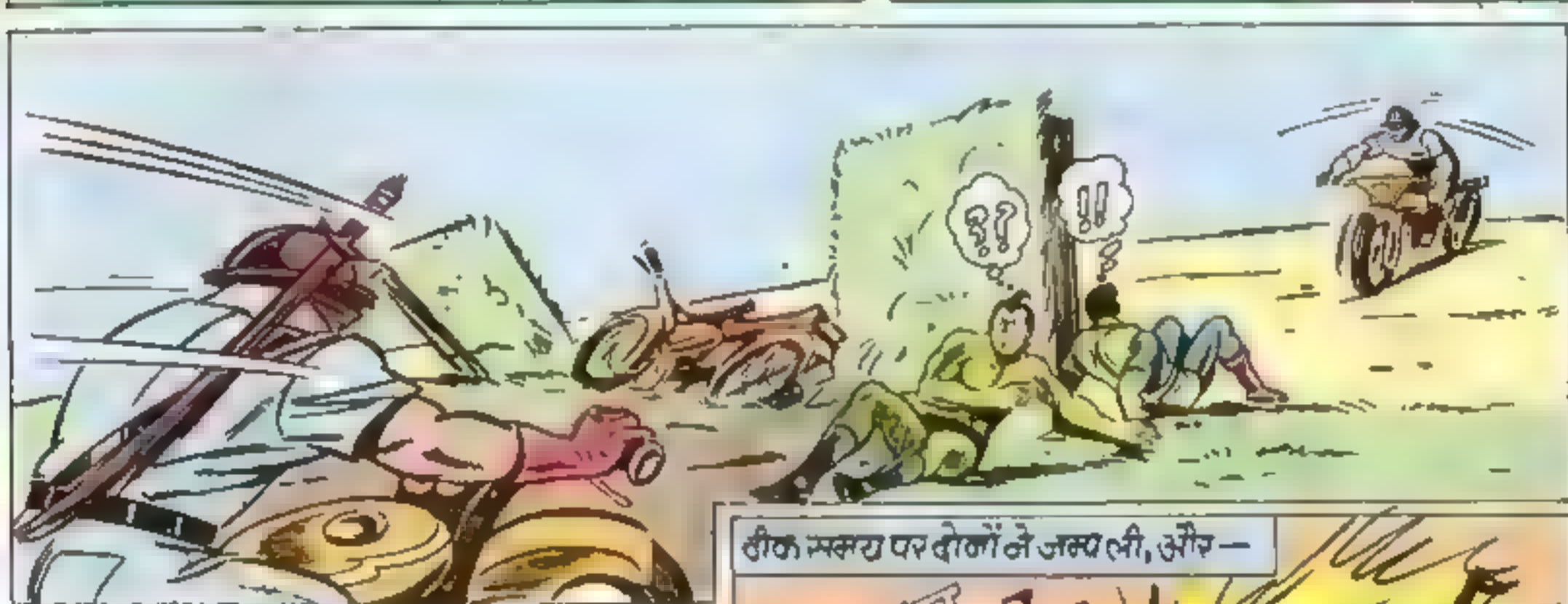
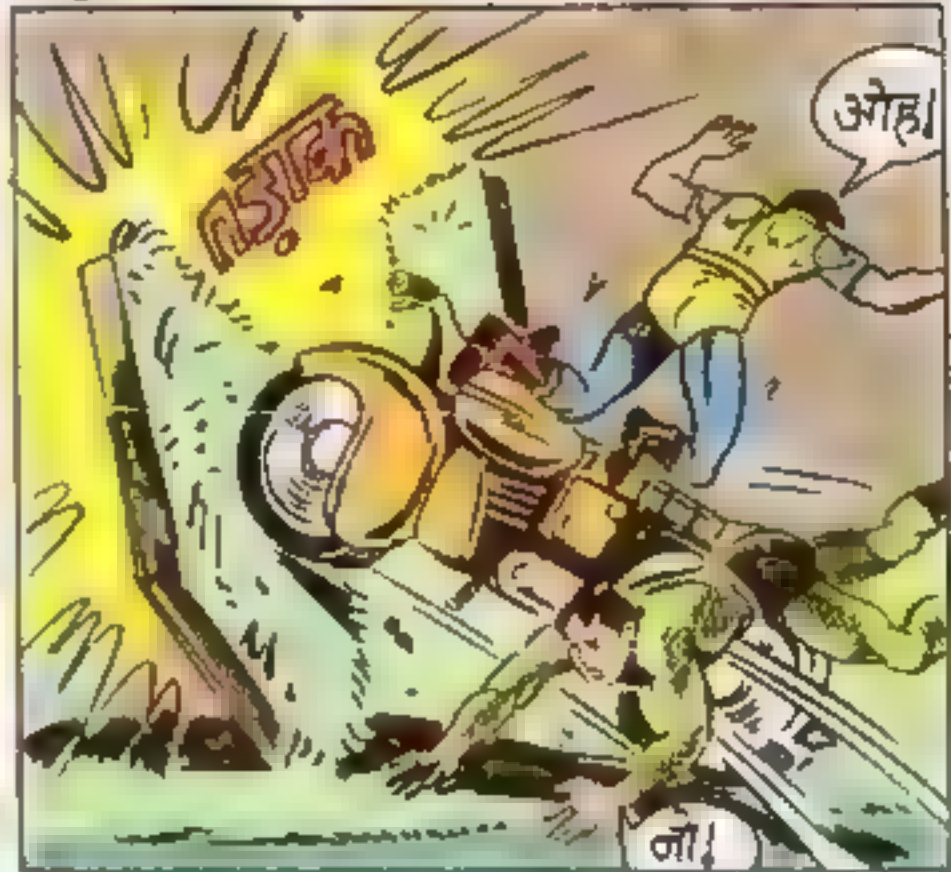
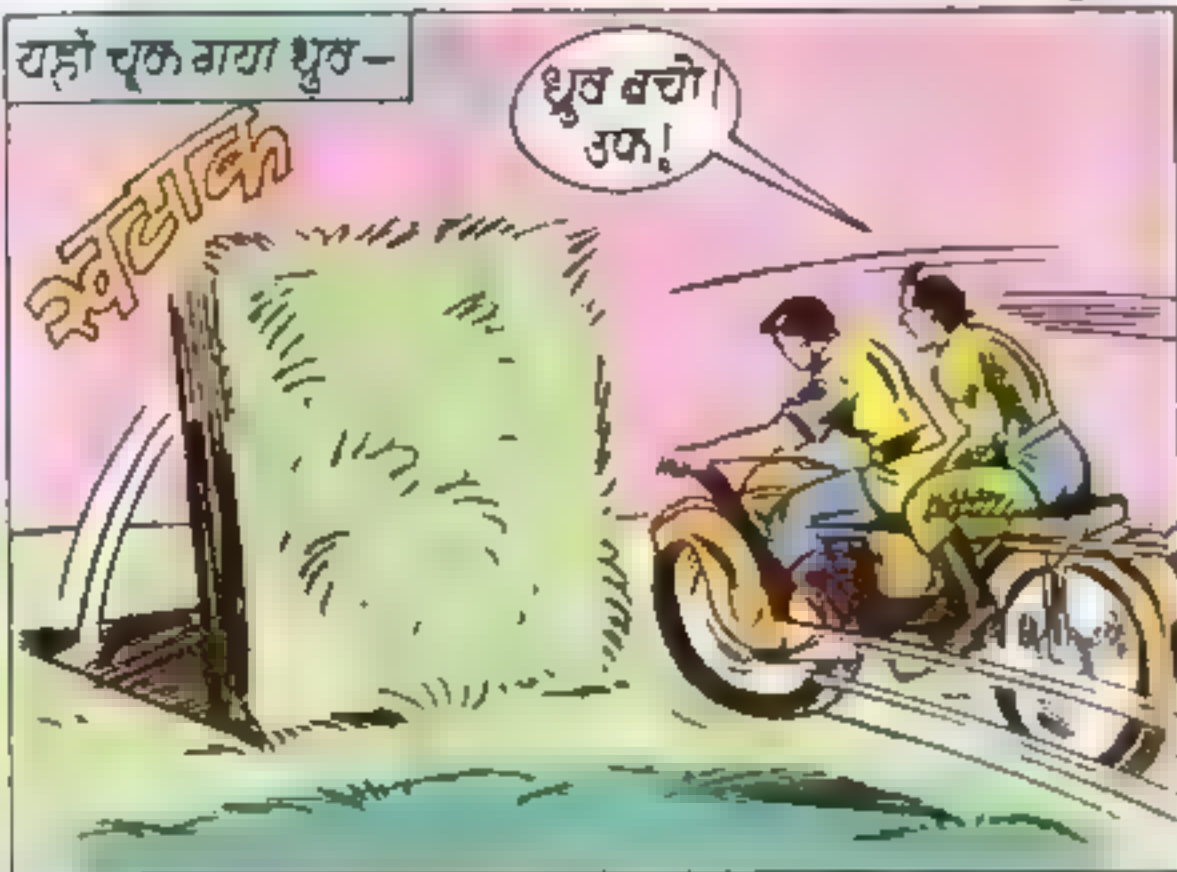


दोनों मोटर-साइकिलें सीढ़ियों से जा गिड़ीं—



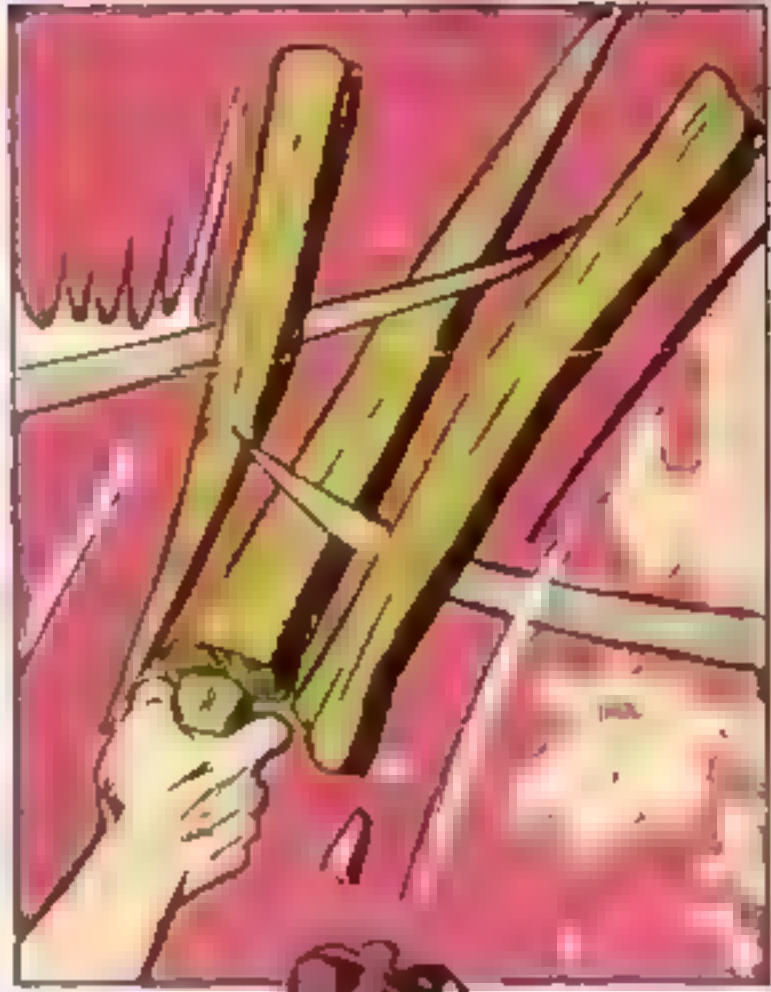
धुव की मोटर-साइकिल पुनः
हवा में सरसराई, और—







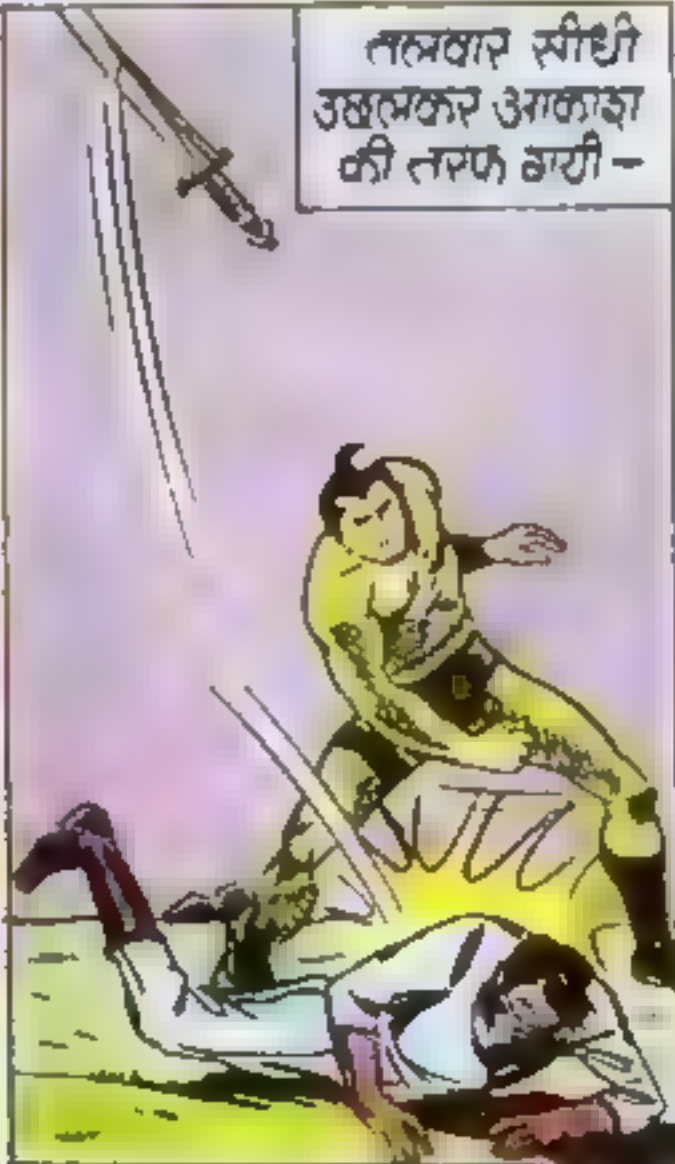
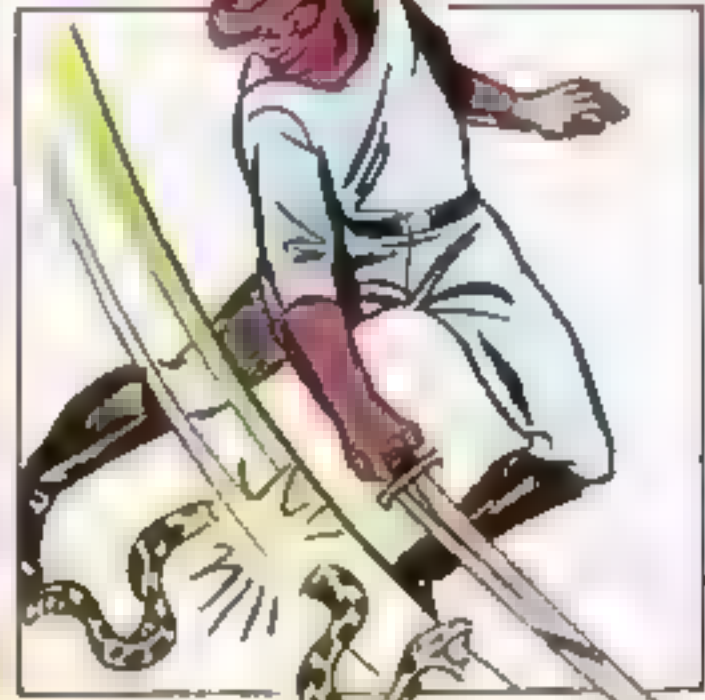
अब देखना
है कितने बड़े
तलवारबाज हो
तुम सब।



इधर नागराज —



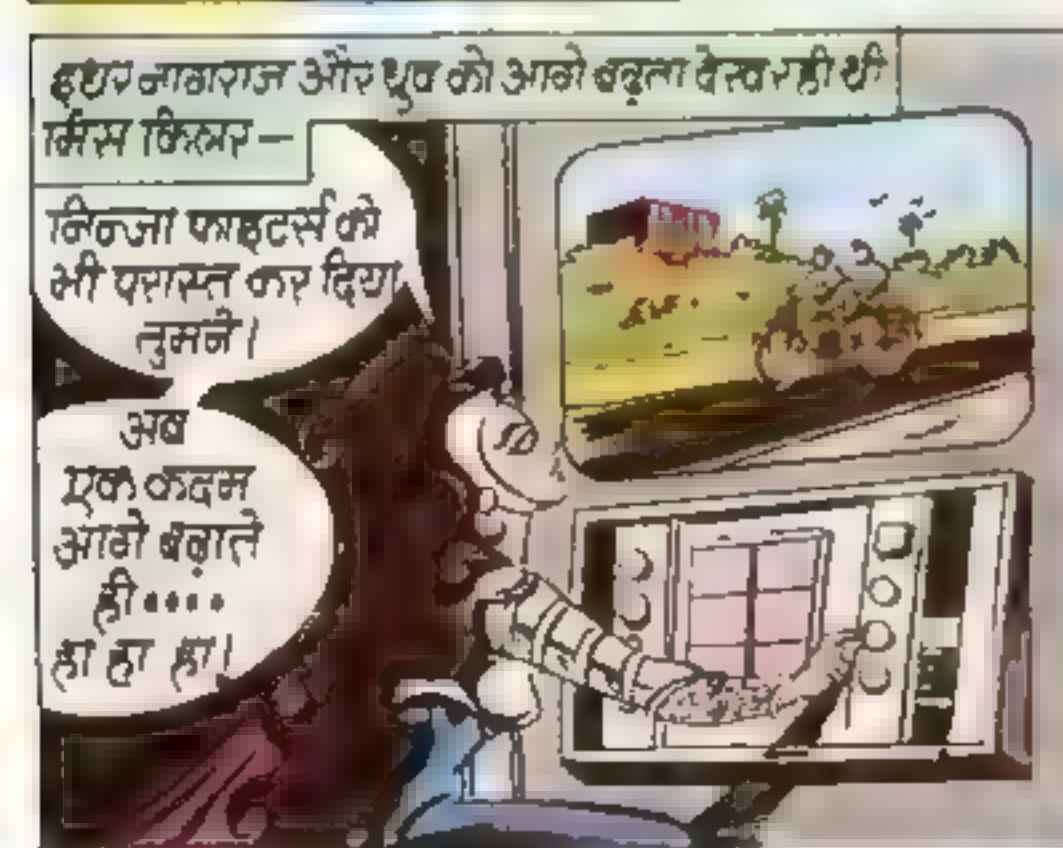
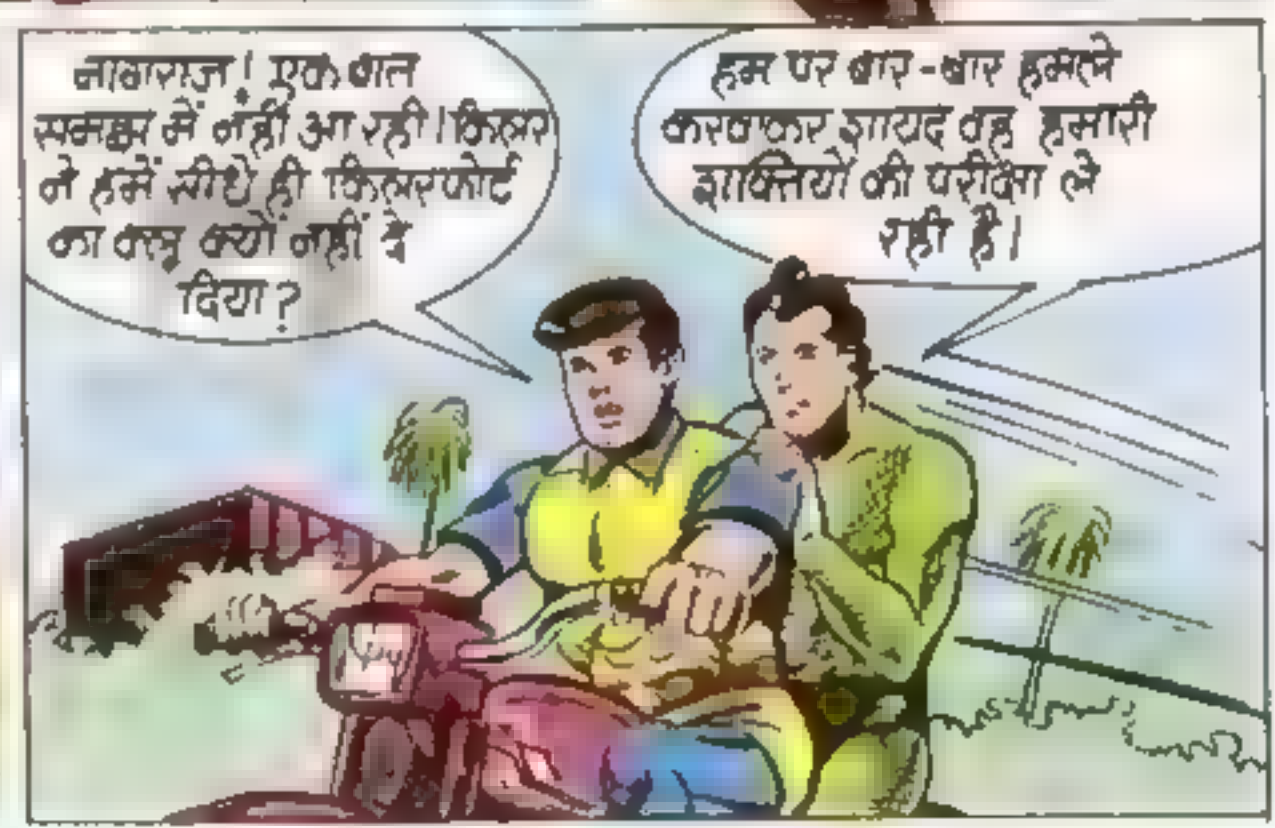
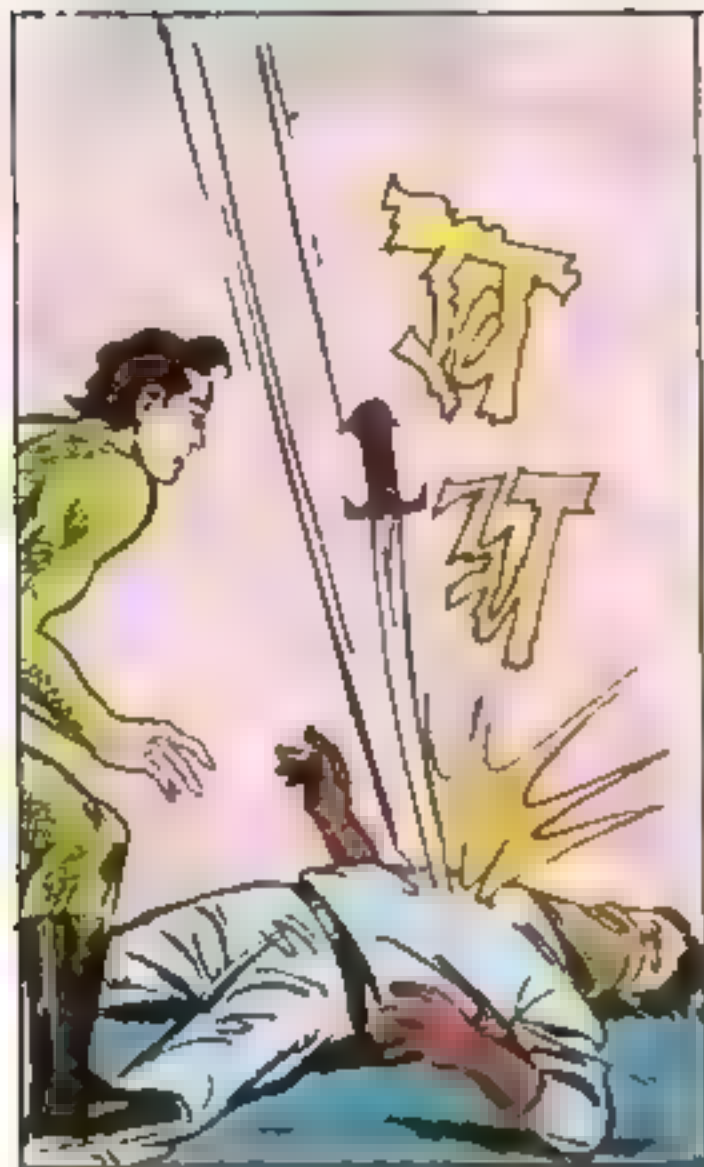
पहले
अपने-अपने शस्त्र
मेरे हवासे करो।



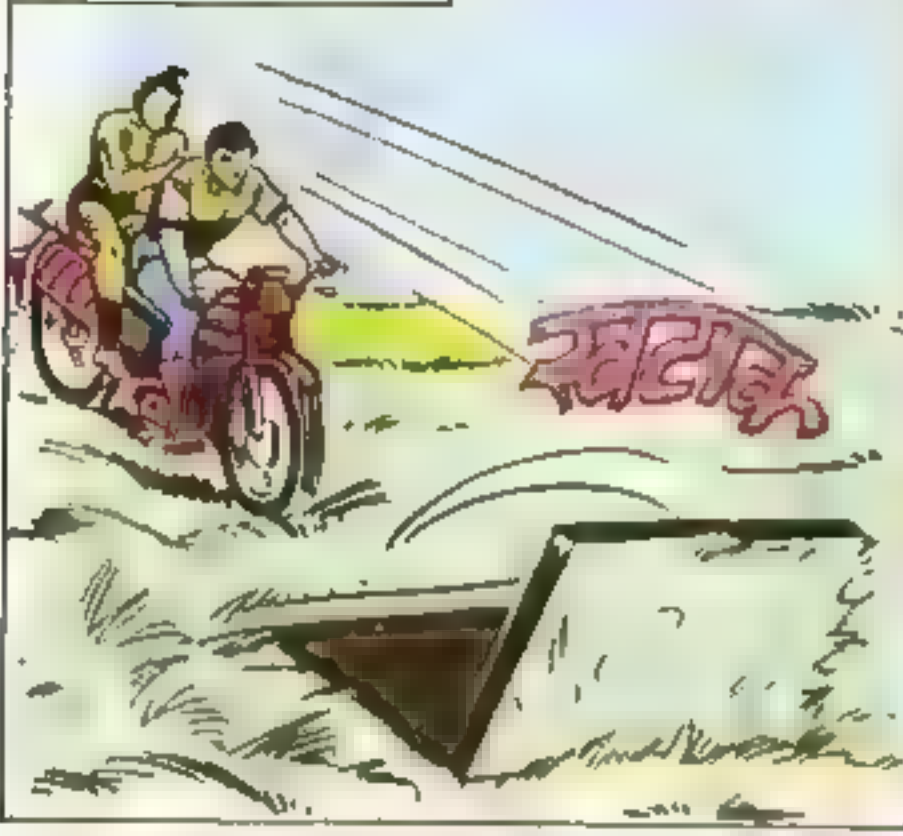
तलवार सीधी
उछलकर आकाश
की तरफ गयी —



और —

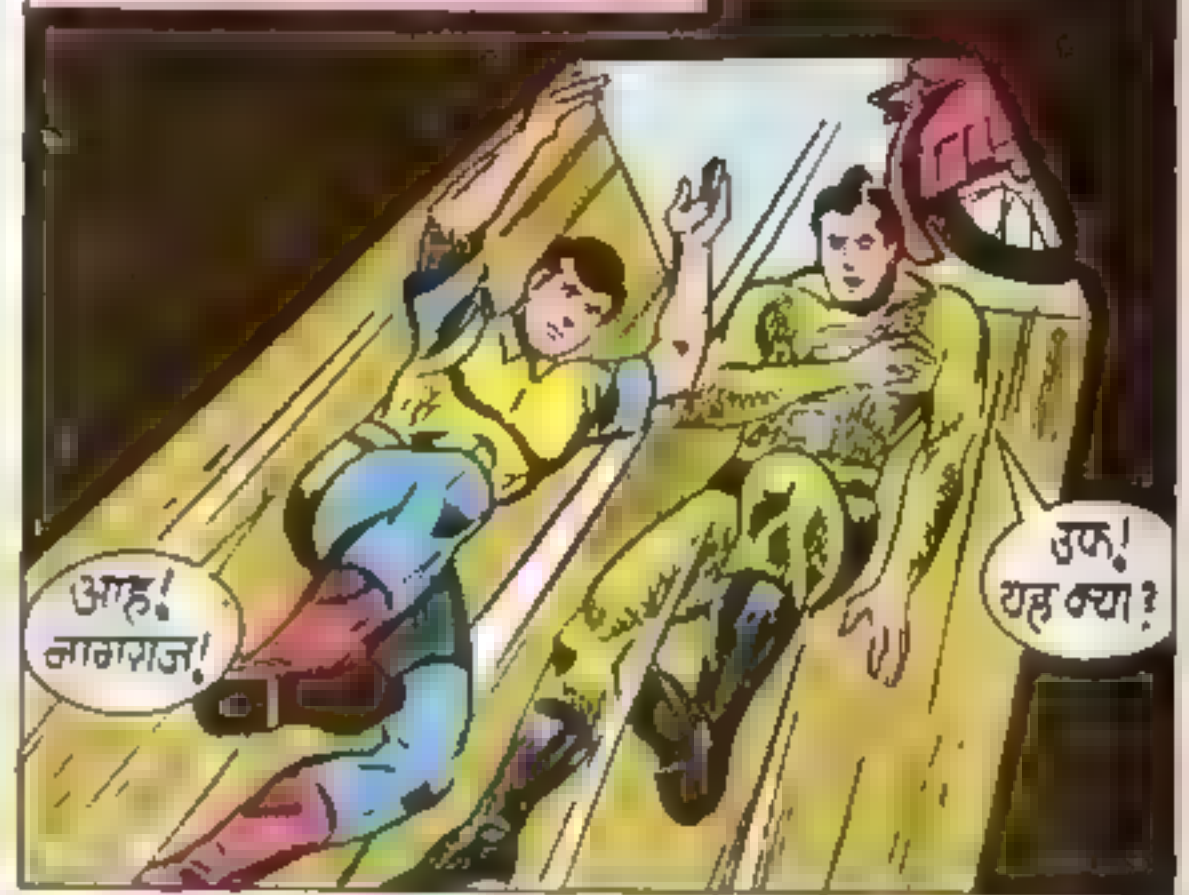


इधर नागराज व ध्रुव को एक कदम आगे बढ़ाना
सचमुच महंगा पड़ा—

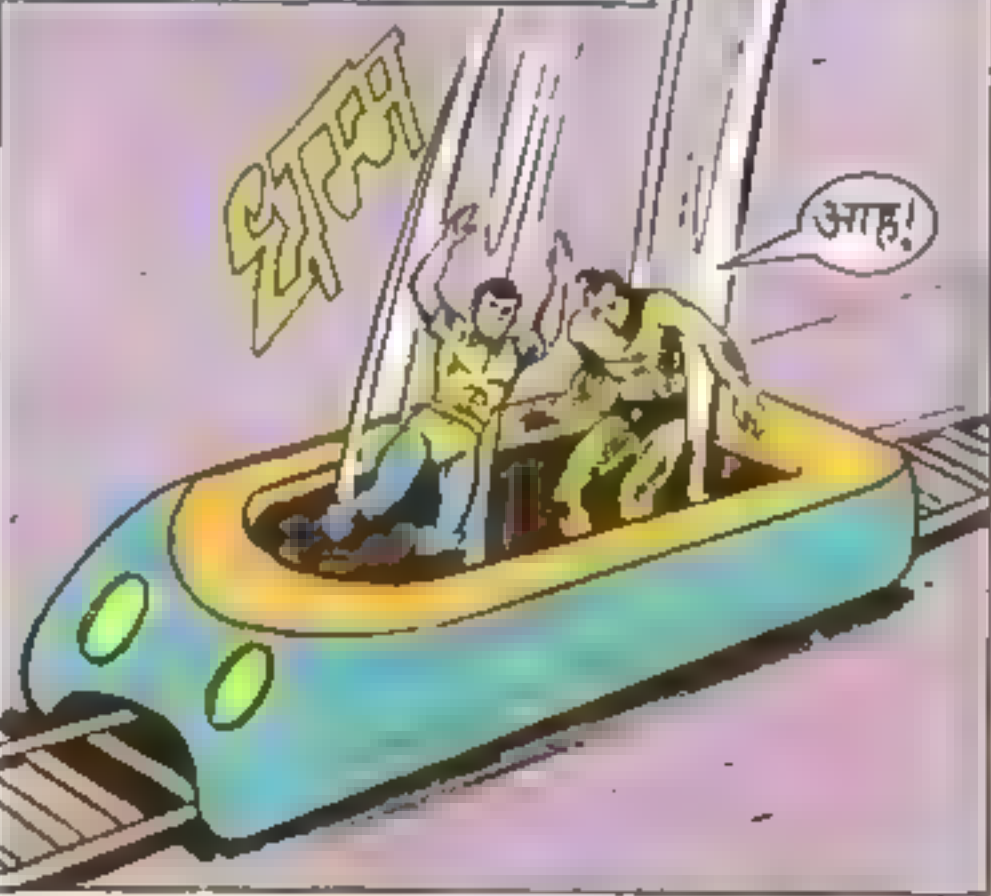


राज कोमकस

उनके पाँव तले से जमीन सरक गई—



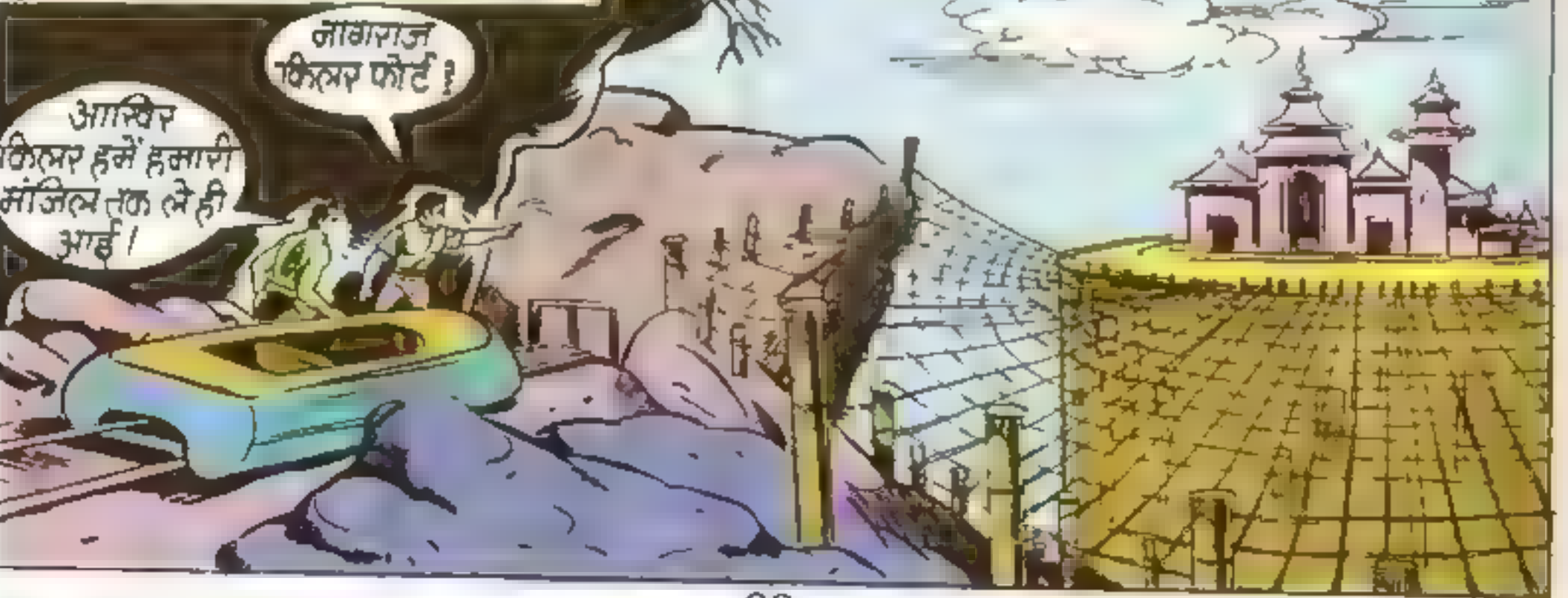
दोनों नीचे खड़ी एक कार में गिरे—



उन्हें तब कार सुरंग में दौड़ पड़ी—

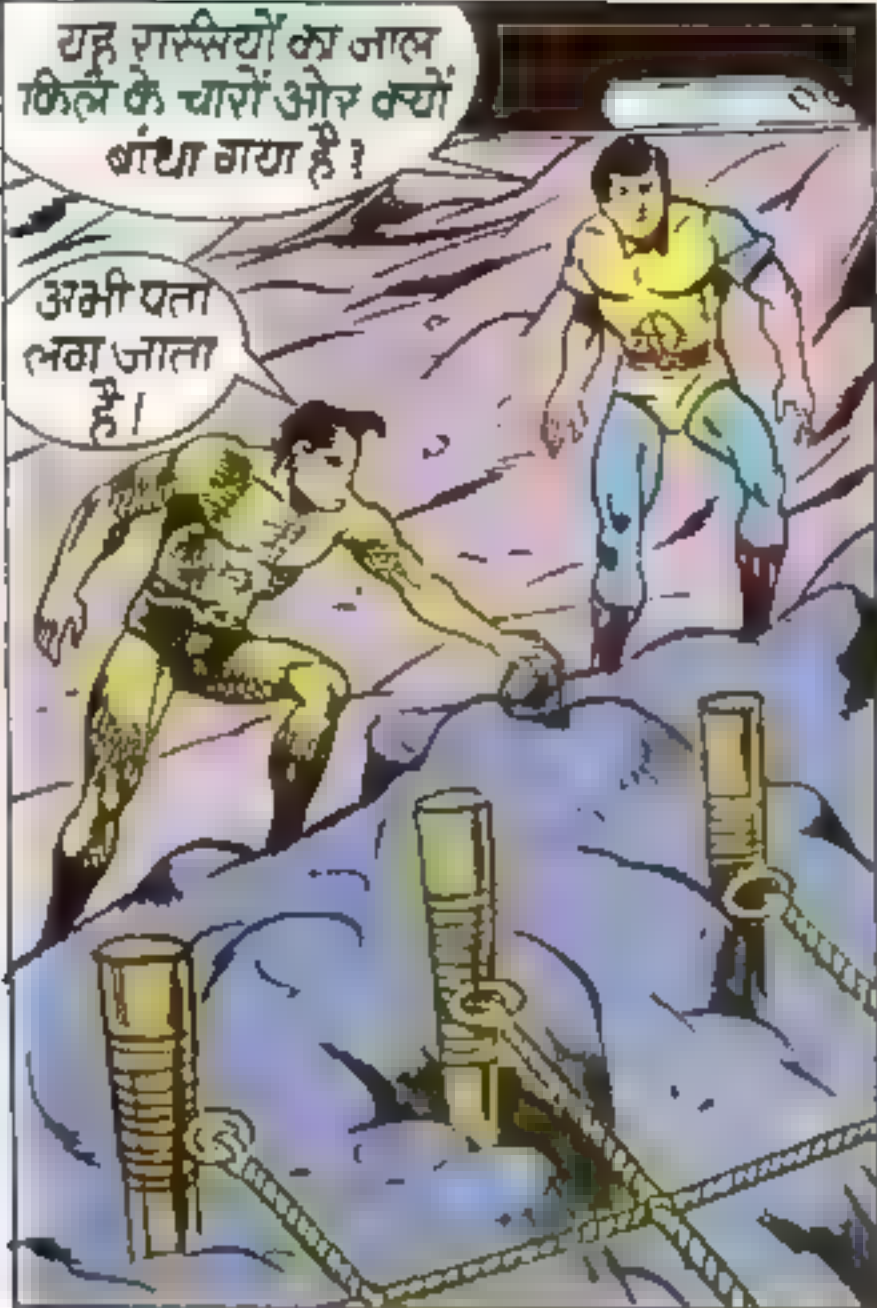


सुरंग के बाहर कार ने उन्हें जहाँ लाकर छोड़ा—



यह रास्सियों का जाल
किले के चारों ओर क्यों
बाँधा गया है ?

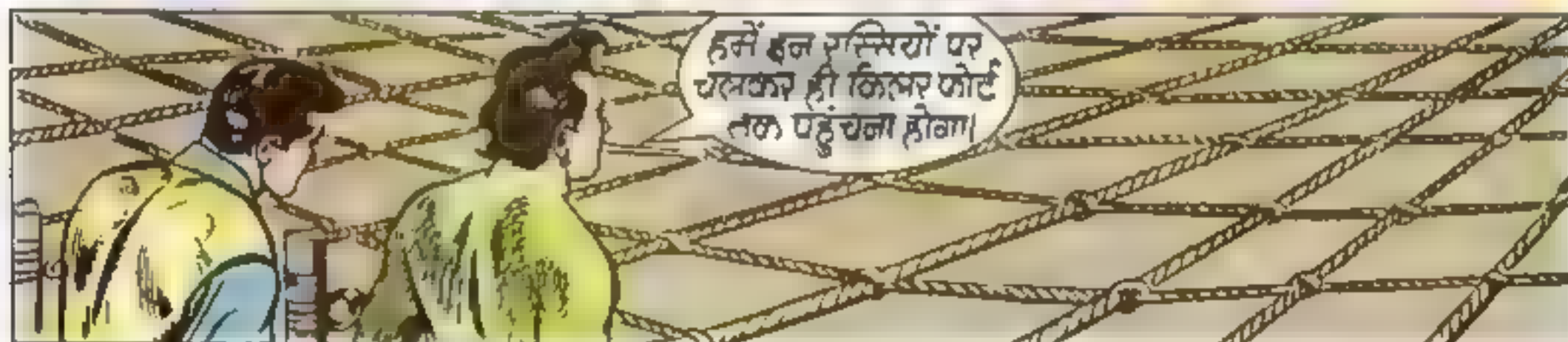
अभी पता
नका जाता
है।



जागराज ने पत्थर खाई
में उछाल दिया —



घाटी झोलों से लाल हो उठी —



हमें इन रास्सियों पर
चलकर ही किले जोर
तक पहुँचना होगा।

मानवता के दोनों रक्षक मौत के उस जाल पर चलते
हुए आगे बढ़े —



मेरा
सर्कस का कौबाला
यहाँ काम आ रहा
है।

क्या ये बाधा
हम इतनी ही आसानी
से पार कर लेंगे ?

जागराज का सोचना गलत न था। कुंवाफू
उन्हीं का हस्तजार कर रहा था —



इन दोनों को
माइक्स एरिया में
खत्म करना है।

जागराज और धुव के मस्तिष्क में स्वतंत्र की छपटी बज उठी -

जागराज! इनके इरावे लेक नहीं देखते।

मिस किरपर ने अच्छी जगह चुनी है। धुव, यह हमारे लिए सचमुच परीक्षा की छड़ी है।



लडाकों ने सर्कस के कुशल महिलाओं की तरह कूदते-पंड़ते...



दोनों को घेर लिया -

पहला बार दुश्मन की ओर से ही होना चाहिए।



पहला बार दुश्मन की ओर से ही हुआ -



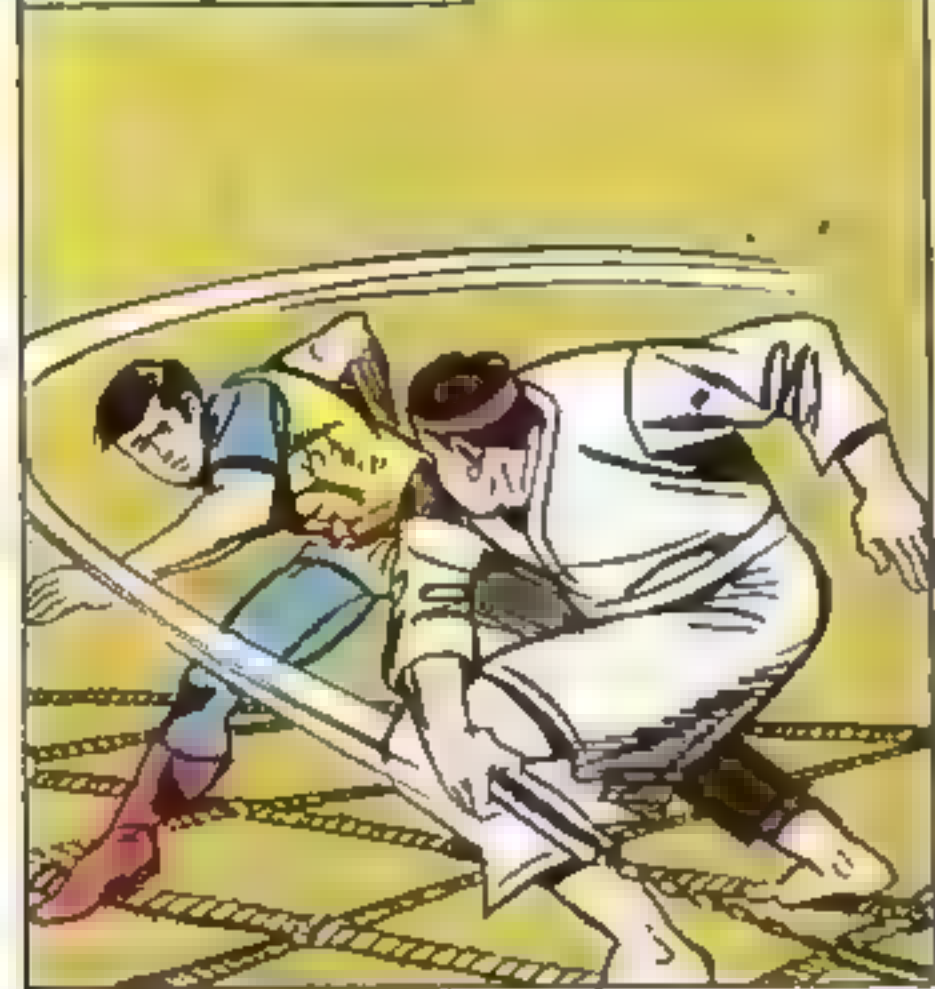
सर्कस का जांघाज... महिला, धुव



न केवल अपने पांव रस्मियों के जाल पर वापस टिका चुका था, बल्कि -



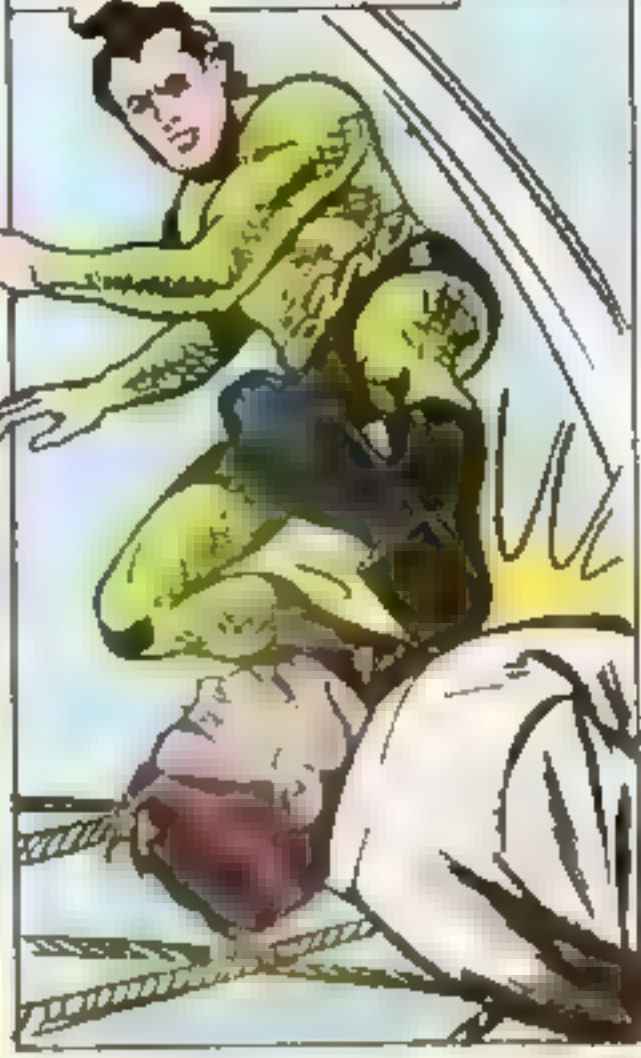
फाहटर कई कलामाजियाँ स्वाकर वापस जाल पर आखड़ा हुआ, और —



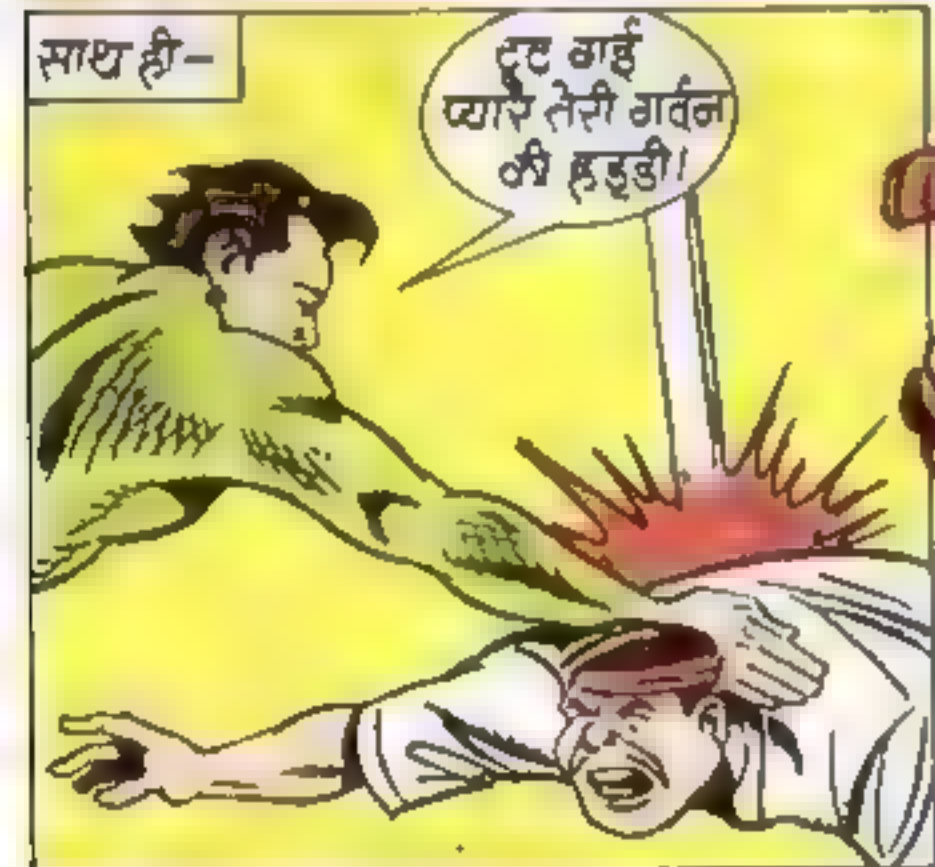
फाहटर का हमला नागराज पर —



नागराज उछला और —



साथ ही —



नागराज का सुन्दर कराटे प्रदर्शन देख धुव बुबुजे उत्साह के साथ दुश्मनों पर दूट पड़ा —



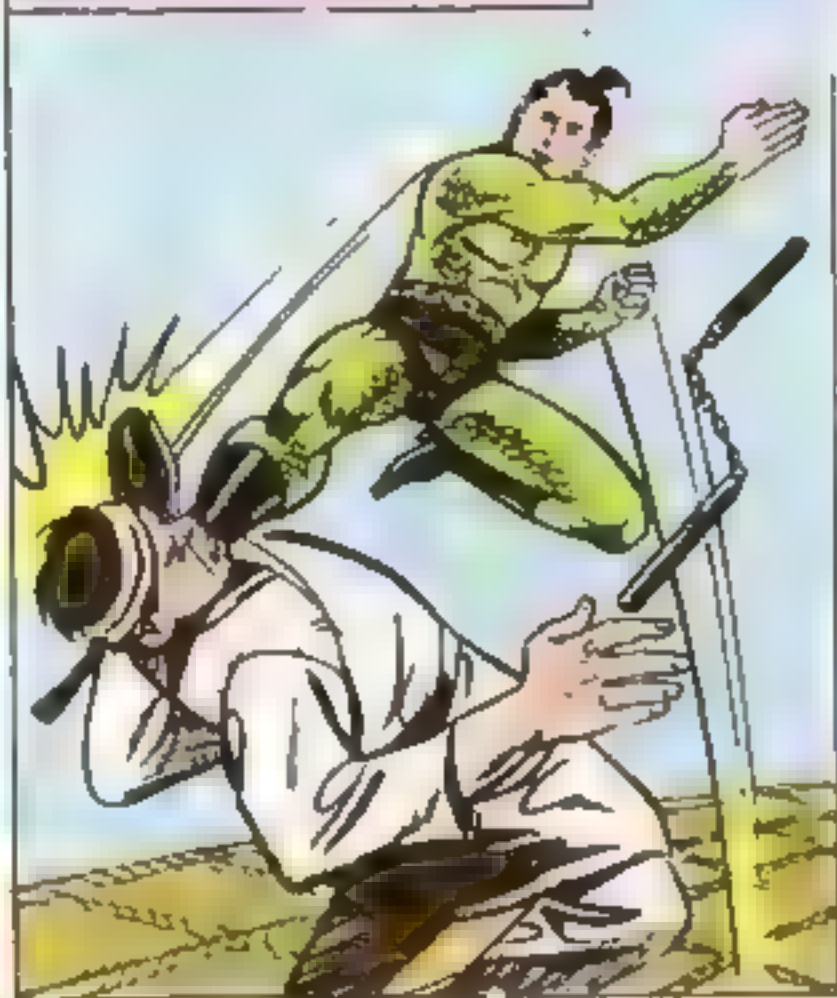
धुव के इतिहासी प्रहारों का परिणाम —



माइक्स एरिया, जहां कदम -
कदम पर मौत बिखी हुई थी -



नागराज का हाथिवाली घर -



नागराज तो उन्हें करमाछाजियां खाकर
पुनः रस्सी पर आ गिरा -



किन्तु फाहट सीधा मौत की
साहं में गिरा -



दूसरा फाहट तब तक नागराज पर झुका
बगा चुका था, और -

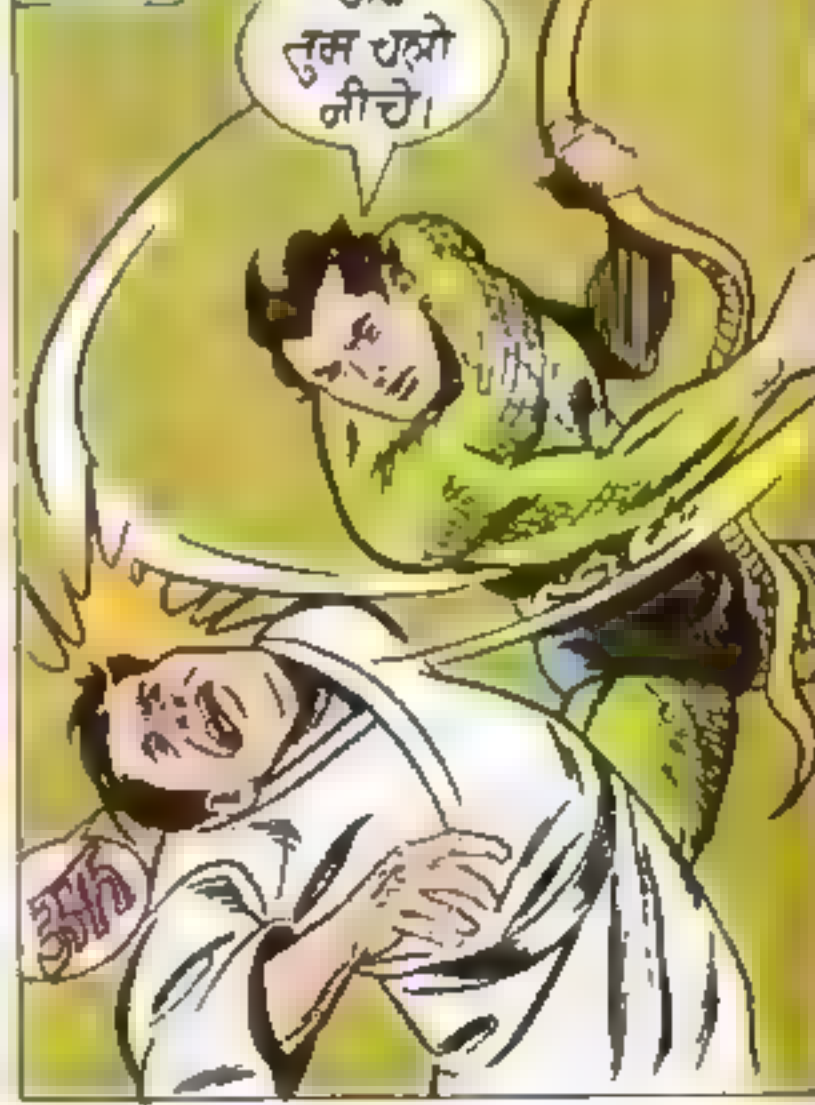


ओह!
इसे खुद से दूर
करना होगा!

सर्वरस्सी लहराई -

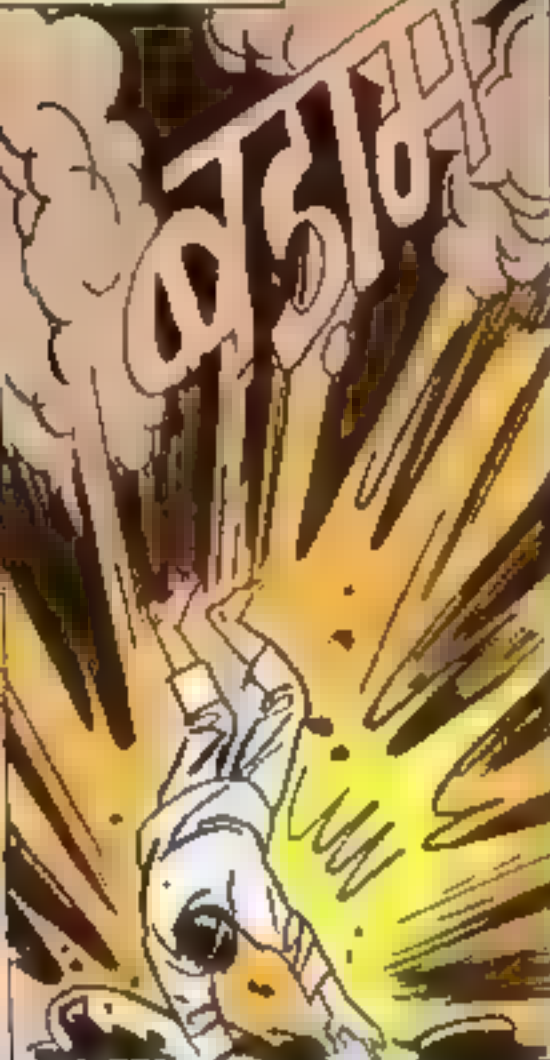


सर्वरस्सी पर लटके नागराज का हाथिवाली -
घंसा -



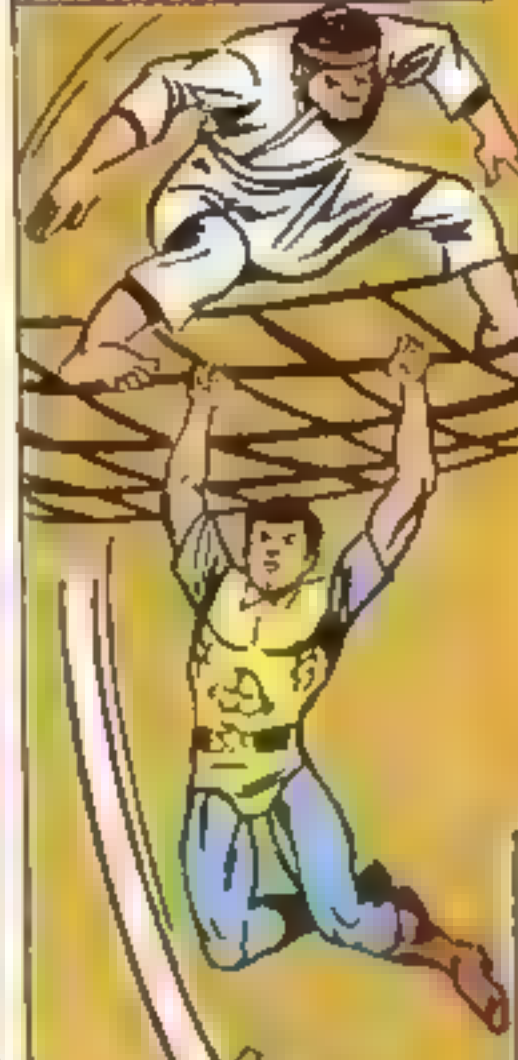
अब
तुम चलो
नीचे!

फाइटर का जिस्म कड़े दूकड़ों में बदल गया—

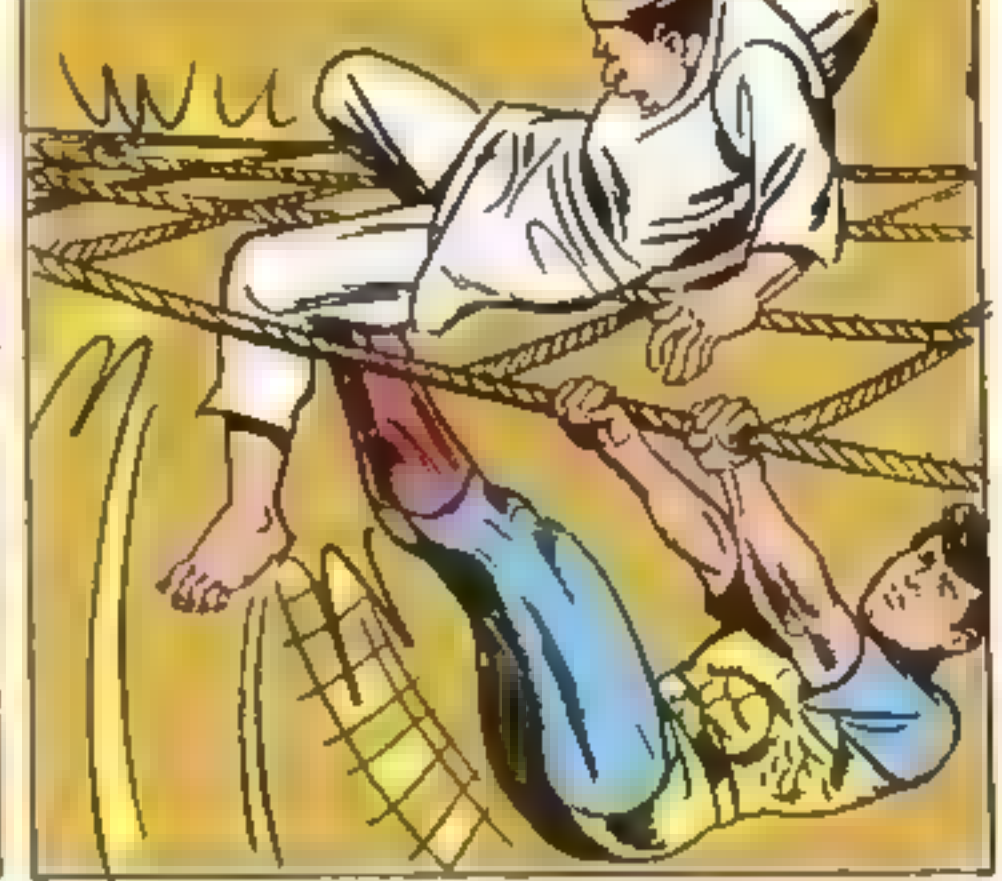


और तब तक नागराज वापस जाल पर पहुँच गया था।

जाल पर सर्कस के कस्तूर दिखाने धुव का कमाल—



धुव वापस उछला—



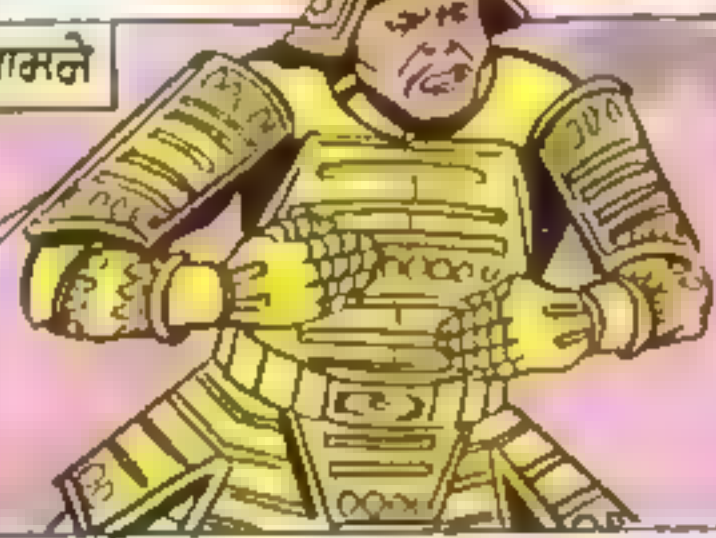
फाइटर लहराकर वारुद पर गिरा—



और दूकड़ों में बदल गया।

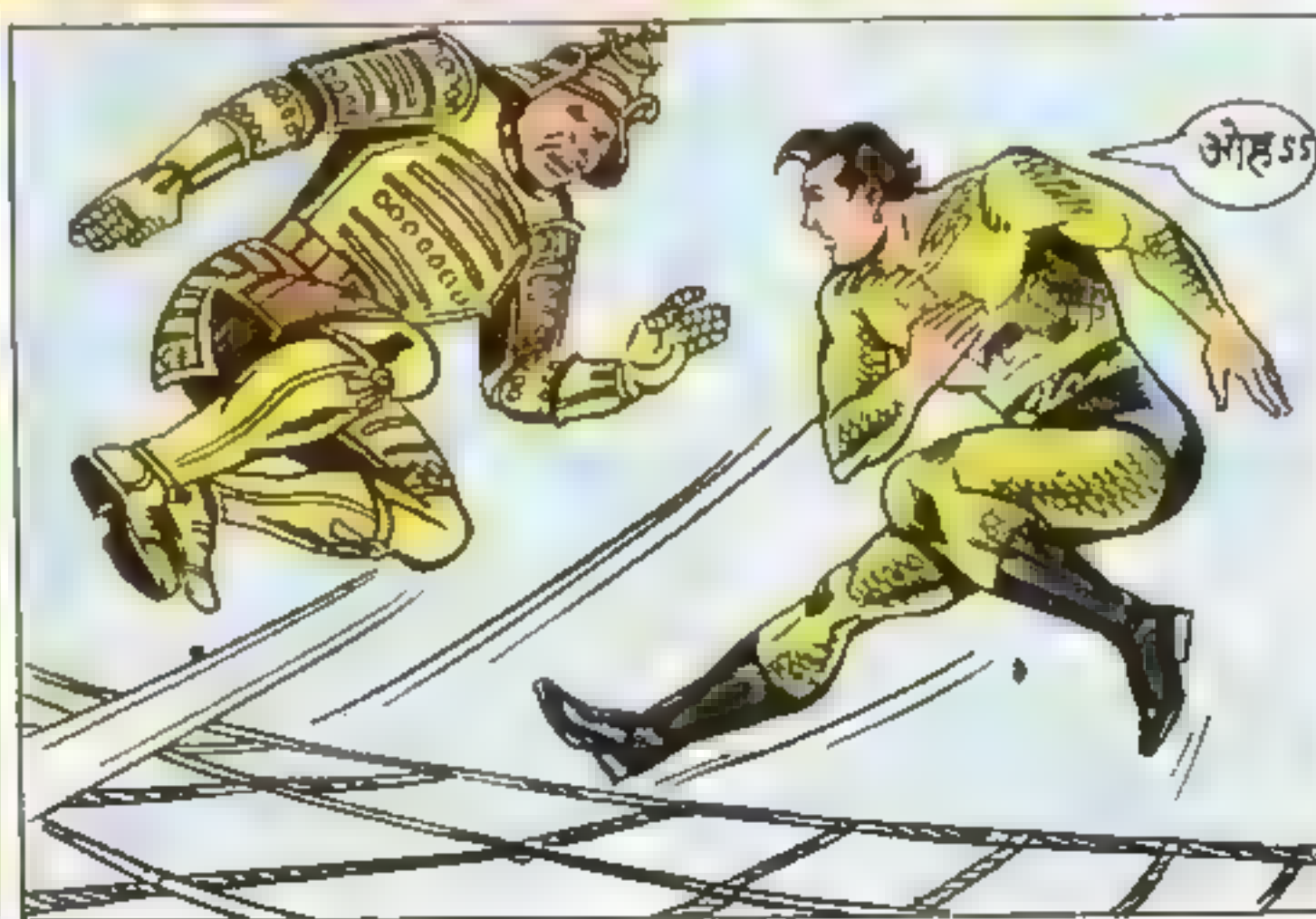
और अब नागराज के सामने था कुंगाफू—

तुझे उठाकर वारुदी सूरांग पर फेंकूंगा मैं नागराज!



मिस्त्र किरर ने भी चुन-चुन कर भती किए हैं अपनी सेना में।

कुंगाफू रस्सी पर उछला—



ओह!!

जागराज की सर्परस्सी कुंठाफू के गाले में लिपट गई —



जागराज की भीषण दृक्कर कुंठाफू के सीने पर पड़ी —



सर्परस्सी से बंधा कुंठाफू नीचे गिरा —



सर्परस्सी कुंठाफू के गाले में जस्य गई —



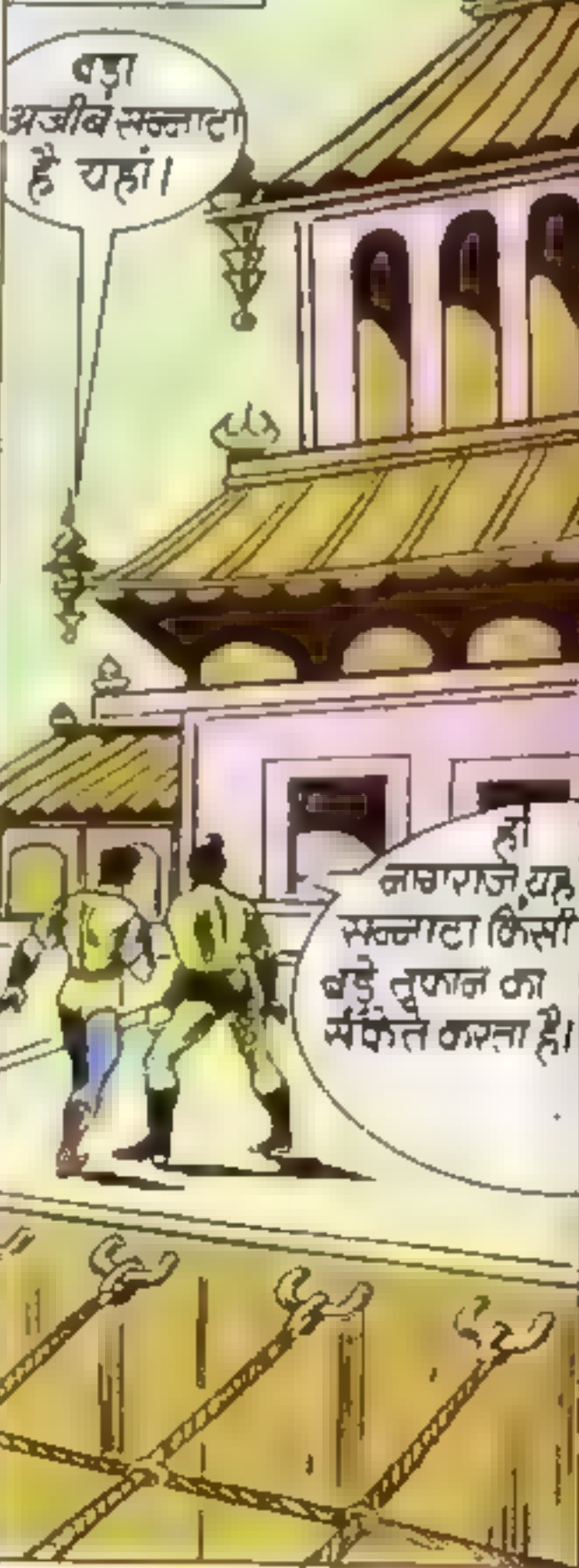
कुंठाफू फंदे में झूल गया।

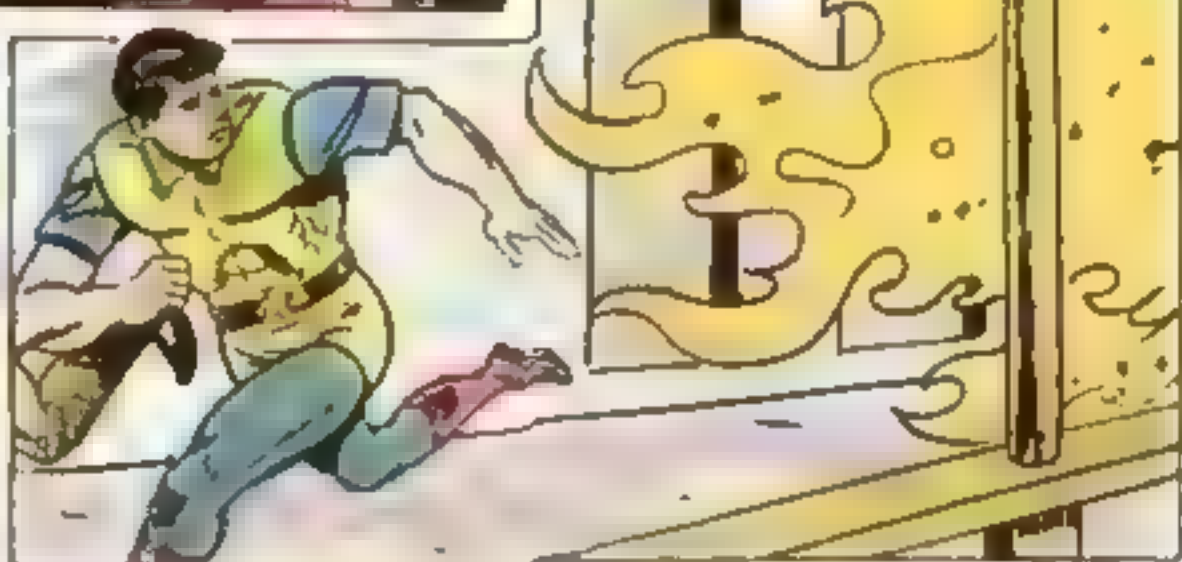
जागराज ने सर्परस्सी वापस खींच ली —



भीरो मिलने ही बाबूदी सुरंगों ने कुंठाफू के पंथड़े उड़ा दिए।

जागराज और धुप ने किलर फोर्ट में प्रवेश किया —







हांए, कहाँ
गाए दोनों
होतान!



फिर धुव रुक दिशा में भाग
लिया—

हां, वह भागा रहा
रूहा, परन्तु इसका
बुझा साथी कहाँ
गया?



तकी कारर स्टार्म ने आग का एक
भयंकर तूफान उठाया—

उफ! आह
यह तो जल्ला
मारेगा मुझे!



धुव के अन्तर्गत द्वारीर ने एक
कुशल उछाल मरी—



और वह सुरक्षित आग के घेरे से
बाहर आ गया—

उफ!
अगर इस खेल
का अंत इंगित ही
नहीं हुआ तो...



अब धुव के सामने था इस खेल का अंत—

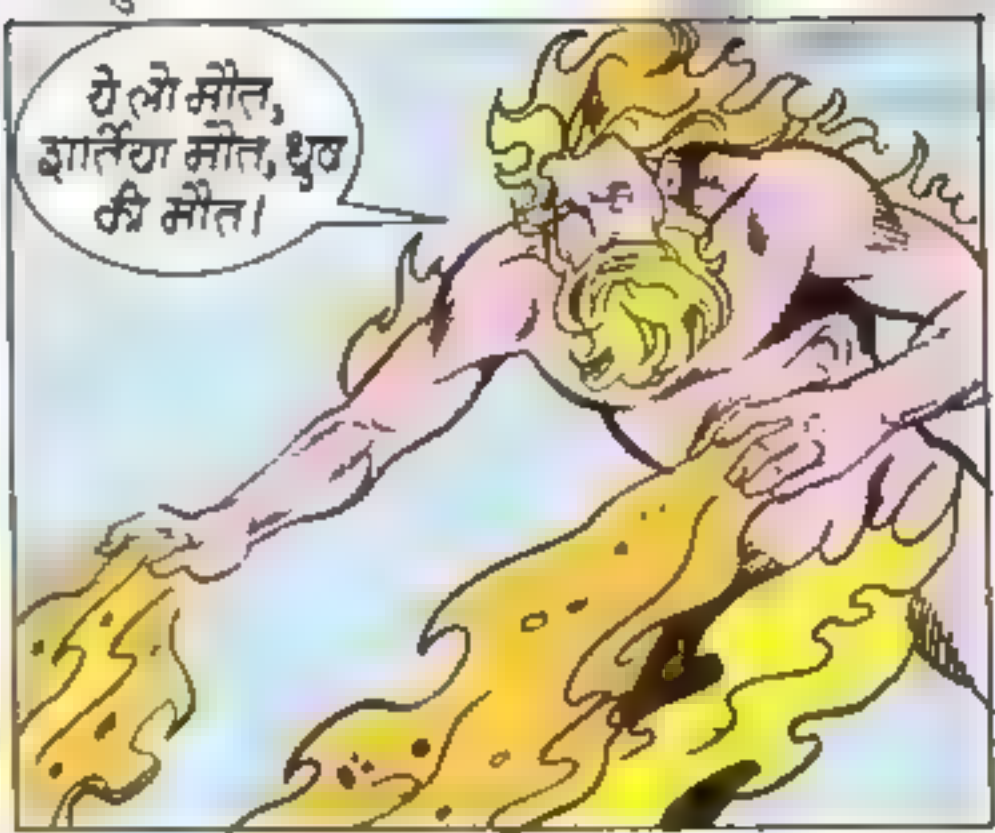
OH! GOD!
यह गैलरी तो आगे
बंद हो गई, अब...

फायर स्टार्म रसदूत बना धुव के सामने खड़ा था -

हा हा हा
धुव बच्चा, कभी मुला
हुआ आदमी देखा है नहीं
जा। हा हा अब देख
भी नहीं पाएगा।



ये लो मौत,
झालिया मौत, धुव
की मौत।



मौत की उस आवाज से सुपर कमांडो धुव को अपने में समेट
लिया -

आह!
उफ नहीं।



अब मैं
और नहीं सह
सकता। क्या आज
मुझे अपने रिट्रोक्टर
का हस्तकाल्य करना
ही पड़ेगा।

धुव को कभी अपराधियों के
लिखाफ रिट्रोक्टर उठाने की
जरूरत नहीं पड़ी -



मेरी
इच्छाशक्ति
जवाब दे रही
है।

तभी -



और फायर स्टार्म के लड़खड़ाते ही वह उसके कंधों पर नकार हो गया —



यह ले
STRAIGHT
FINGERS

आह!

फिर नागराज के एक ही सधे हुए वार ने फायर स्टार्म की गर्दन की हड्डी तोड़ दी —



ले मर
अंधे!

धर दोस्त!
तुम ठीक तो
हो ना।

हां नागराज,
मगर एकदम अभी
नहीं उठ सकता, तुम
एक क्षण भी और दूर से
आते तो आज यह मेरी
आखरी जंग हो

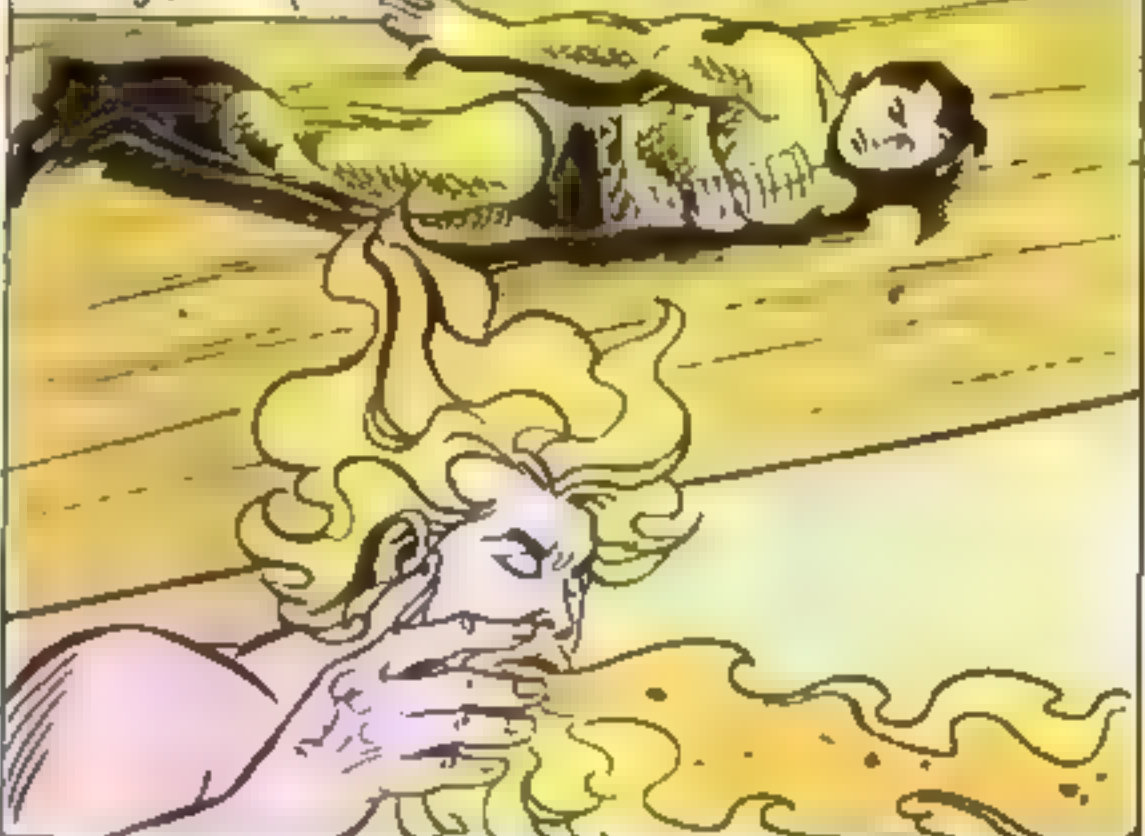


किन्तु नागराज, मुझे
इस बौमरी में भगाकर तुम
कहां गायब हो गए
थे?

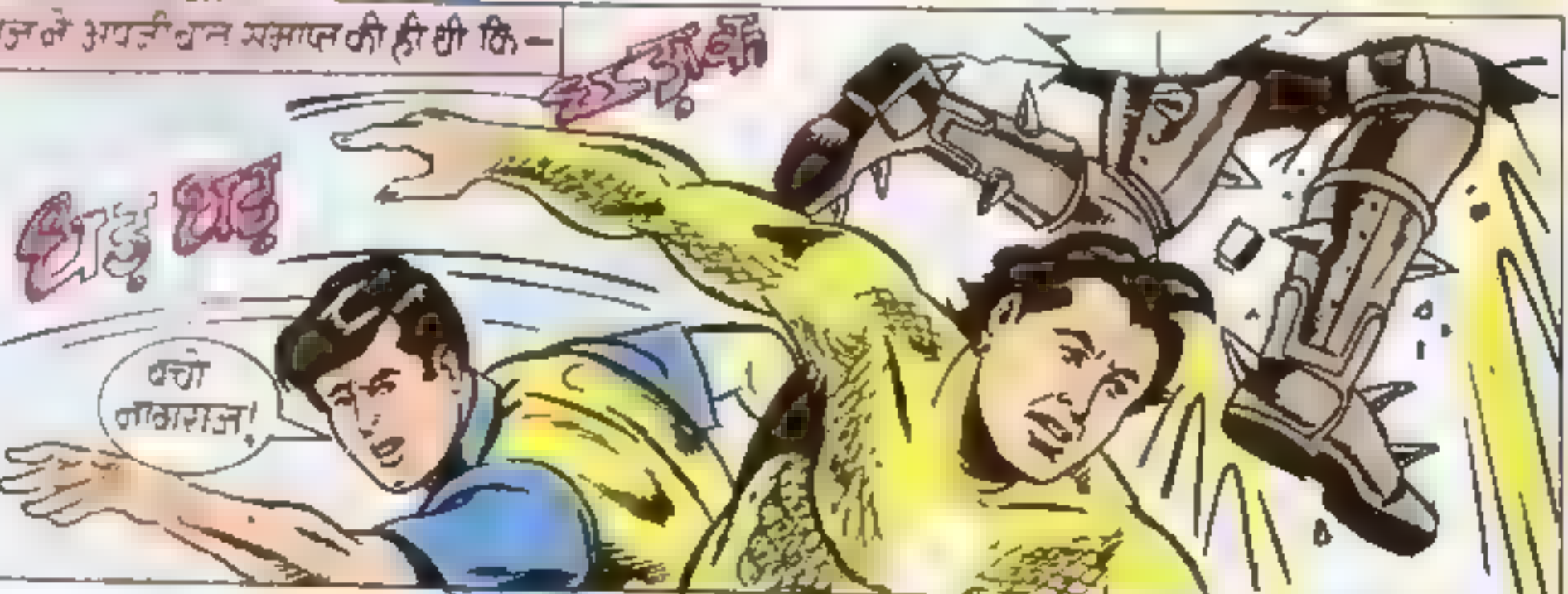
कहीं
नहीं दोस्त, मैं
यहीं था...



विष्णु फायर स्टार्म के अपर सत से चिपका हुआ, किन्तु उसकी
गजर मुझ पर नहीं थी —

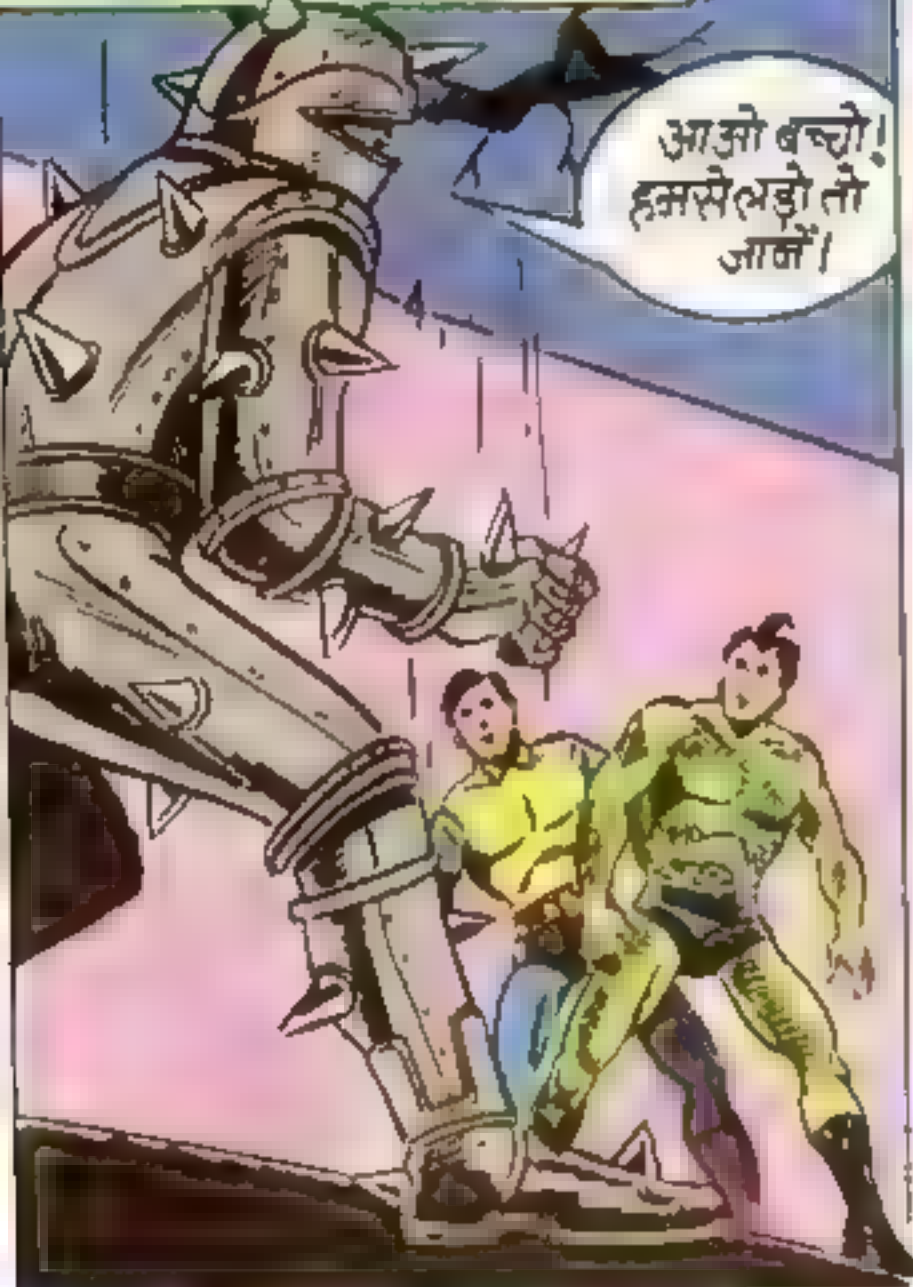


अभी नागराज ने अपनी वन ममाल की ही थी कि —

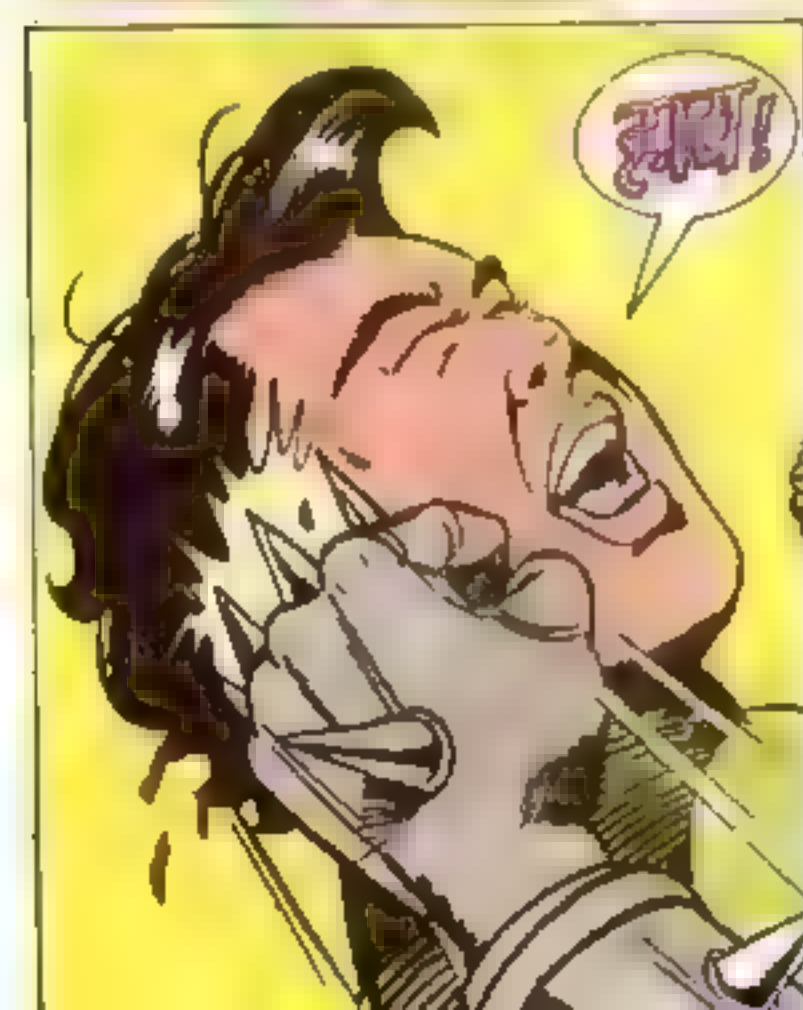
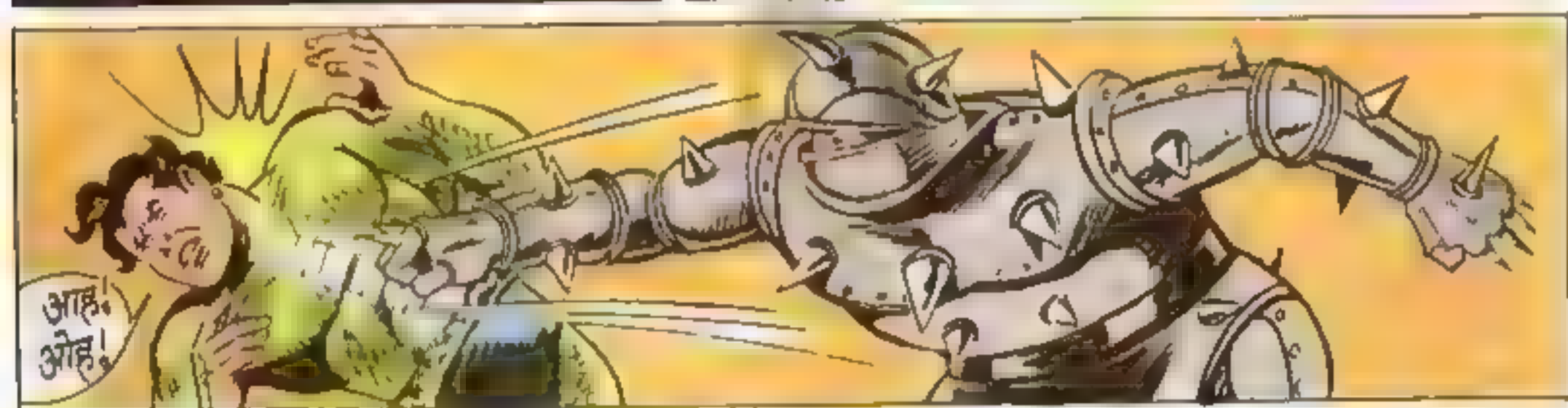
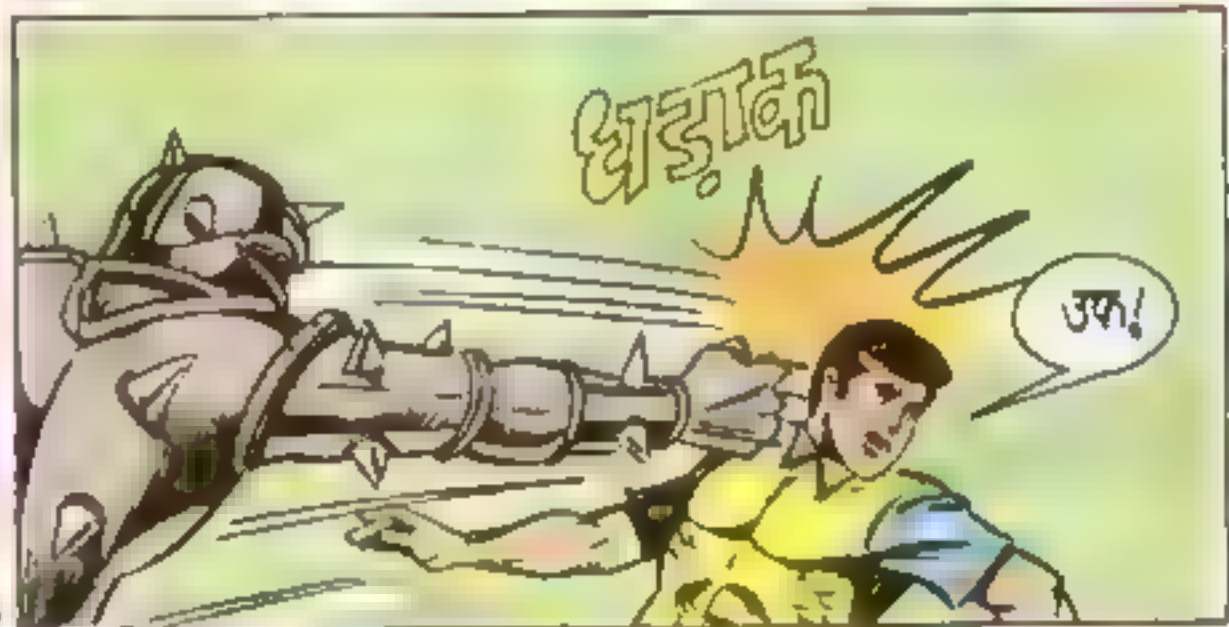
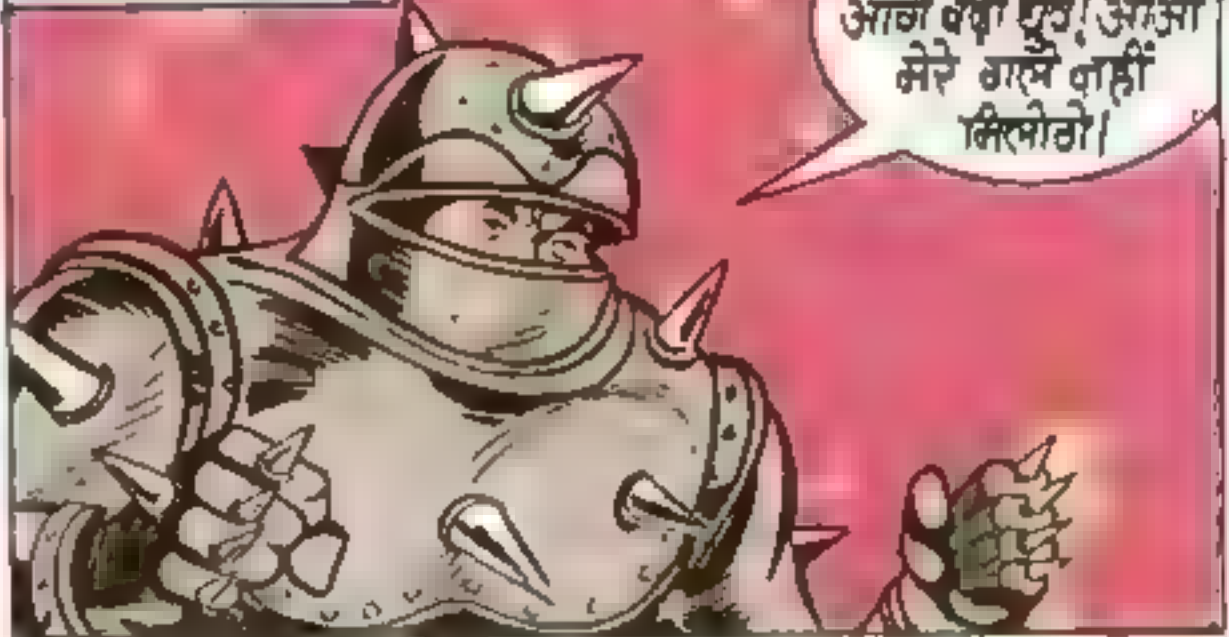


वचो
नागराज!

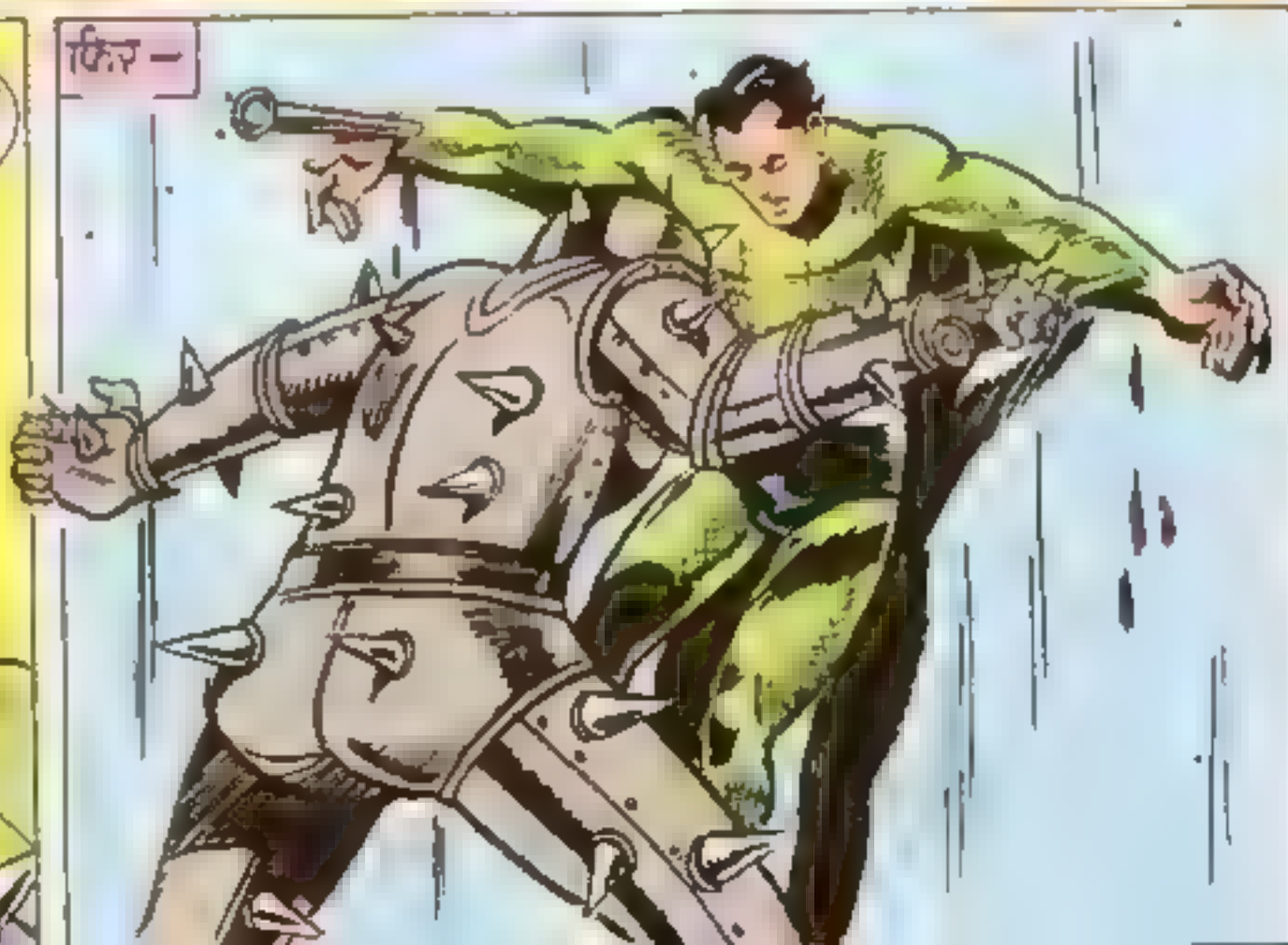
सामने खड़ा था लोह का जव आकिडो -



आकिडो आगे बढ़ा -



फिर -



और आकिडो ने नागराज को दीवार के सहारे ठोक दिया —

क्यों नागराज, मजा आ रहा है इस खेल में।



अपना काम निपटाकर वह धुव की तरफ पल्टा और —



धुव ने अपना संपूर्ण शारीरिक व आत्मिक बल लगा दिया, और —



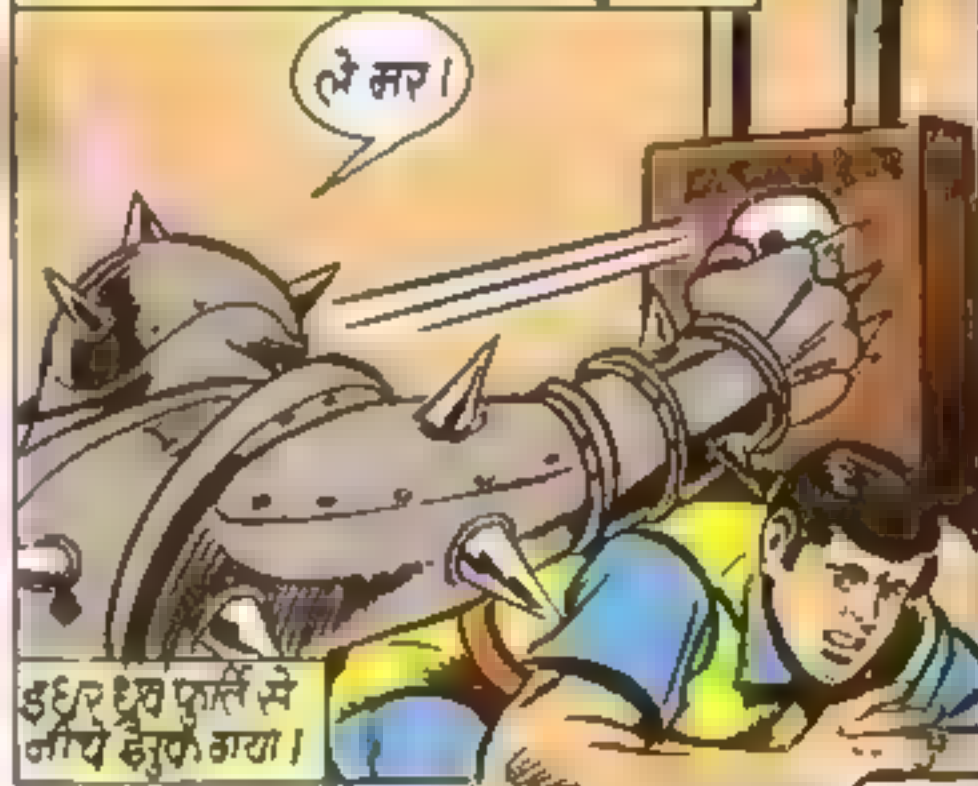
आकिडो गुस्से में तमतमाता हुआ फिर धुव की तरफ बढ़ा —

अब इस मुठके से तुझे इस संसार की कोई ताकत मरने से नहीं बचा सकती धुव!



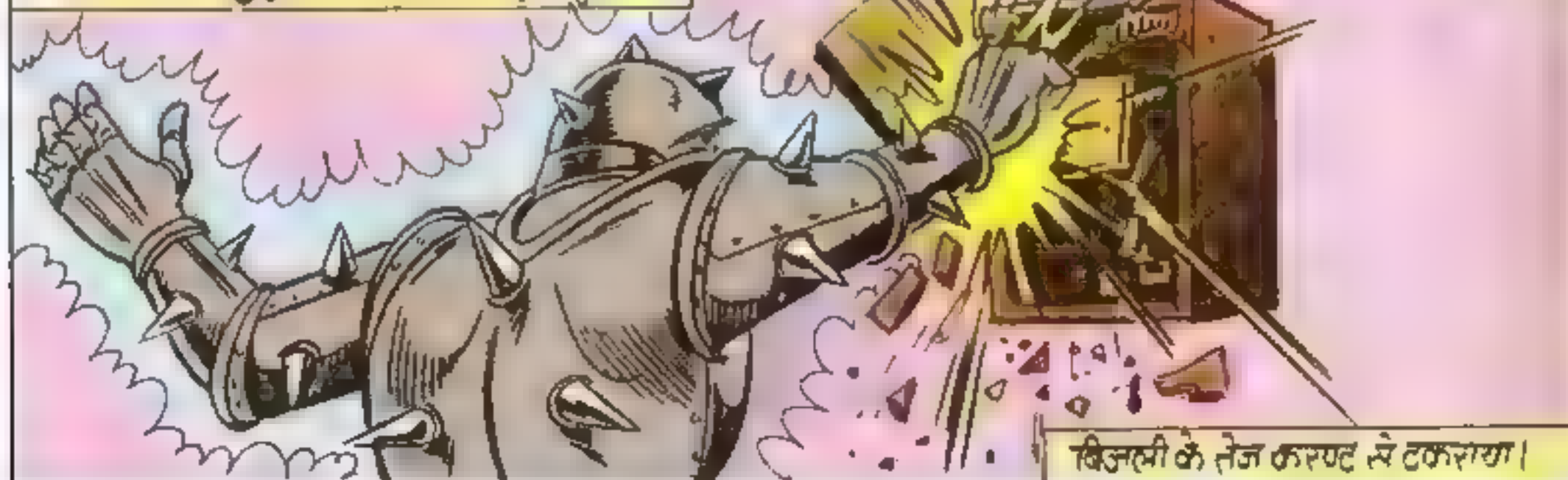
उधर आकिडो ने तेजी से मुक्का घुमाया —

ले सर।



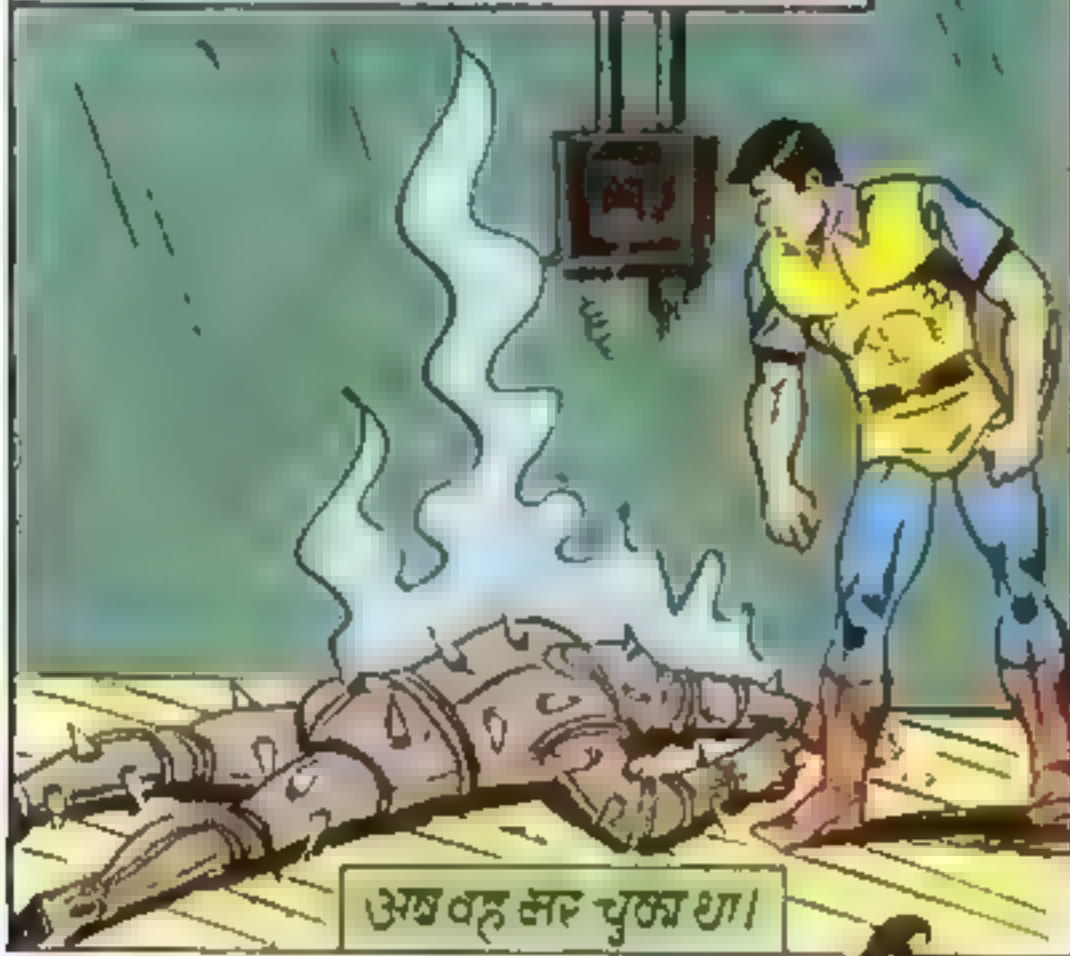
इधर धुव फुर्ल से नीचे झुक गया।

और आकिडो का मुक्का सीटर बाक्स तोड़ता हुआ...



विजली के तेज करण्ड से टकराया।

और कुछ ही क्षणों में वह भरभराकर गिर पड़ा —



अब वह सर चुका था।

ध्रुव पलटा —



डाइरैक्ट
ध्रुव!

लाओ नागराज! अब
तुम्हें भी आजाद करा
दूँ।

नागराज! ध्रुवन दाहिना हाथी था
यह भी है नागराज।



ध्रुव व नागराज की सम्मिश्रित दृष्टि...

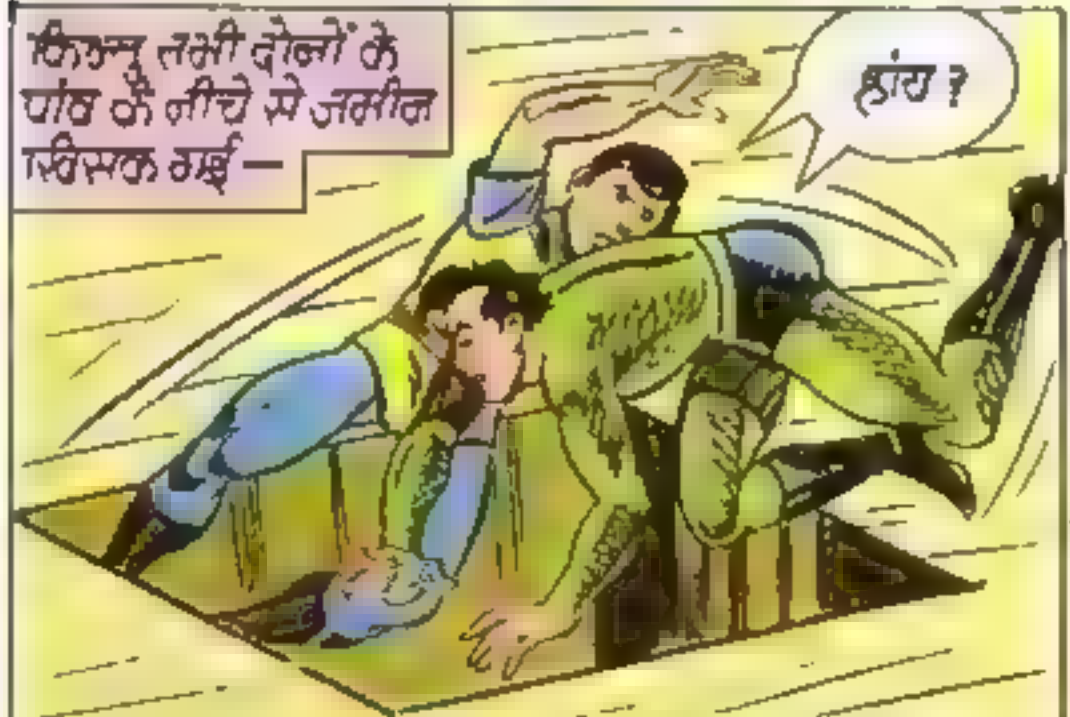
...के परस्परत्व नागराज फिर
से जमीन पर खड़ा था —

नागराज! कमांडो
हैं तुम्हारा जस्म इतनी जल्दी
भर गया। क्या तुम्हें दर्द
नहीं हो रहा?



नहीं ध्रुव!
यही तो कैलाश
है।

किन्तु तभी दोनों के
पाँव के नीचे से जमीन
खिसक गई —



हां?

और दोनों कुदरत कलाबाज जमीन पर सीधे खड़े थे —



और संभलते ही दोनों के सामने था, एक महान आश्चर्य!

वेल्कम फ्रेंड्स! कितना फीस में
आप का स्वागत है। आज सारी सुपर
शक्तियां मेरी कैद में हैं और अब तुम
स्क्रीन पर देखना किस तरह मेरी तेजाबी
बारिदा विस्फोट के बड़े-बड़े देशों को
बुलान बनाती हैं।



जाकिहो, अब
यह तुम्हारे कैदी हैं इन्हें
इनके देहां की लबाही का
जजारा दिखाकर समाप्त
कर देगा।

मिस किलर ने कन्ट्रोल पैनेल का जीवर चुनाया -

देखो फ्रेंड्स, अब यह तेजाबी
शस्त्र हिन्दुस्तान के ऊपर
जाकर तबाही मचायेगा।



तभी नागराज मिस किलर की बातों में उत्प्रेषण रखने के लिए बोला पड़ा -

मिस किलर! यह तो
बताओ कि तुमने हमें स्टेडियम
पहुँचने से क्यों रोका और हमें
भी बाकी सुपर शक्तियों के
साथ कैद क्यों नहीं
किया?

हा हा हा।
नागराज, अगर तुम
दोनों स्टेडियम समय से
पहुँच जाते तो वहाँ कोई ना
कोई हुंकारा जरा
करते।०००



००० और फिर मैं तुम्हें
ज्यादा से ज्यादा वक्त तक उत्प्रेषण
रखना चाहती थी क्योंकि इस दौरान
मैंने दुनिया के कई देहा अपने अधीन
कर लिए हैं और मुझे यह भी लगता
था कि कहीं तुम सब के चक्कर में
मैं सब कुछ ना गवां बैठूँ।०००



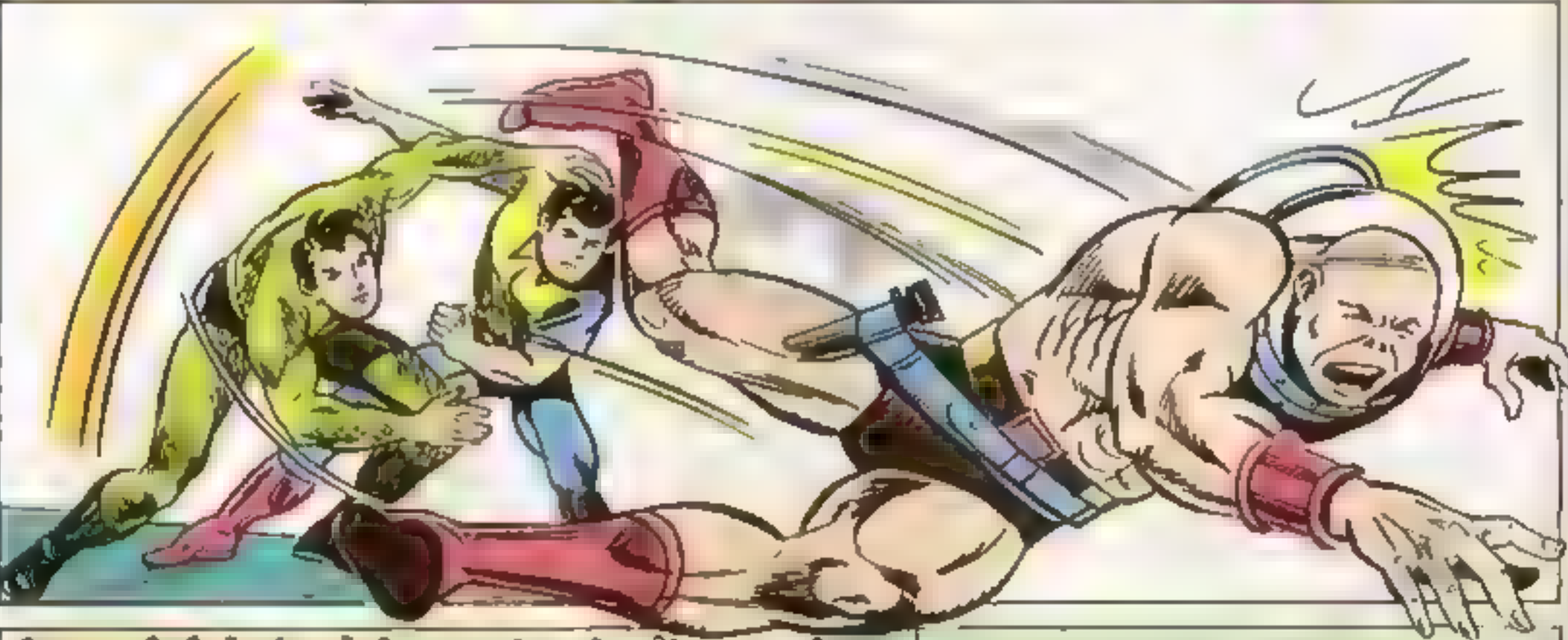
००० और अब मेरा सपना साकार
होने वाला है। आज भारत, कल अमेरिका
परसों ब्रिटेन और राशिया मेरे बाल्याम होंगी।
किन्तु तुम यह देखने के लिए मौजूद नहीं
होगे। क्योंकि मेजर मानव जाकिहो तुम दोनों
को और यह गैस चेंबर जिसमें इन सभी
सुपर मानवों की सुपर शक्तियाँ मृत हैं,
इनको आज खत्म कर देगा।
हाँ हा हा।

धुव चिल्लाया—

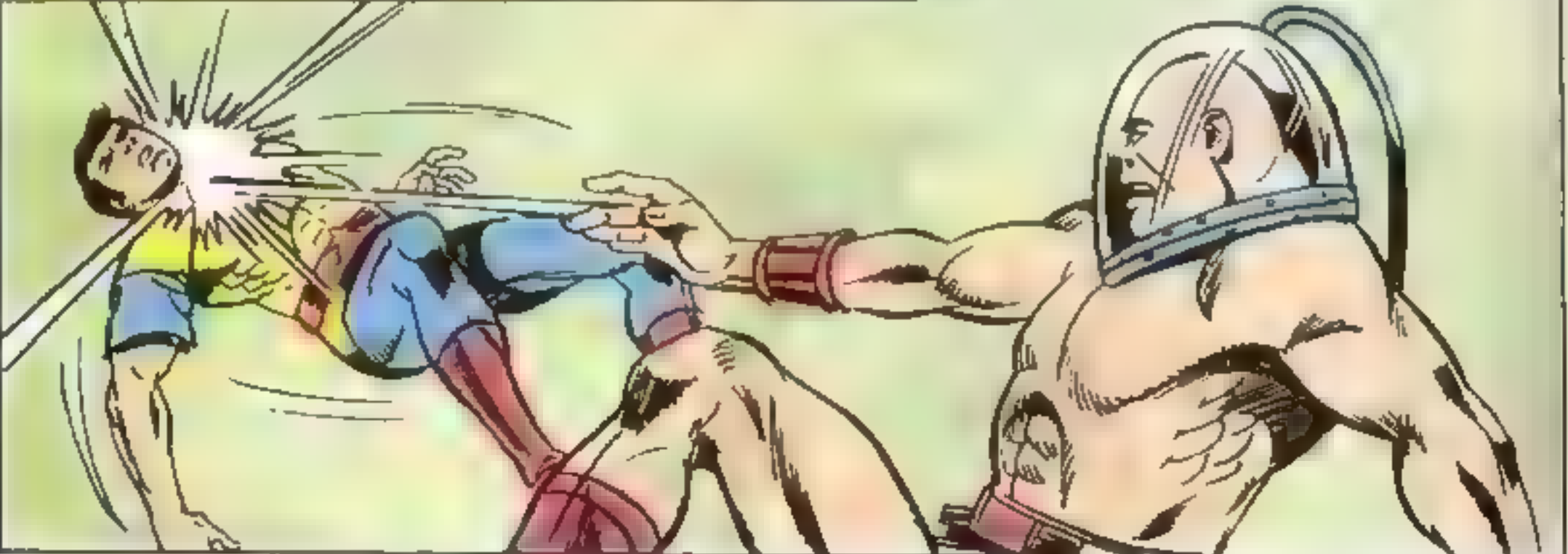
जागराज, कुछ करो। वरना ये सब जहरीली गैस से मारे जाएंगे।

हां, किन्तु यह दरिन्दा!

इधर क्या सकेबिज—



किन्तु नाकिहो ने संभलते ही धुव पर लेजर किरणों का प्रहार किया—



और उस विस्फोट शक्ति वाले प्रहार स्वरूप धुव अमहरय सा एक तरफ जा पड़ा—



हा हा हा यह तो एक बार भी ना झेल सका।

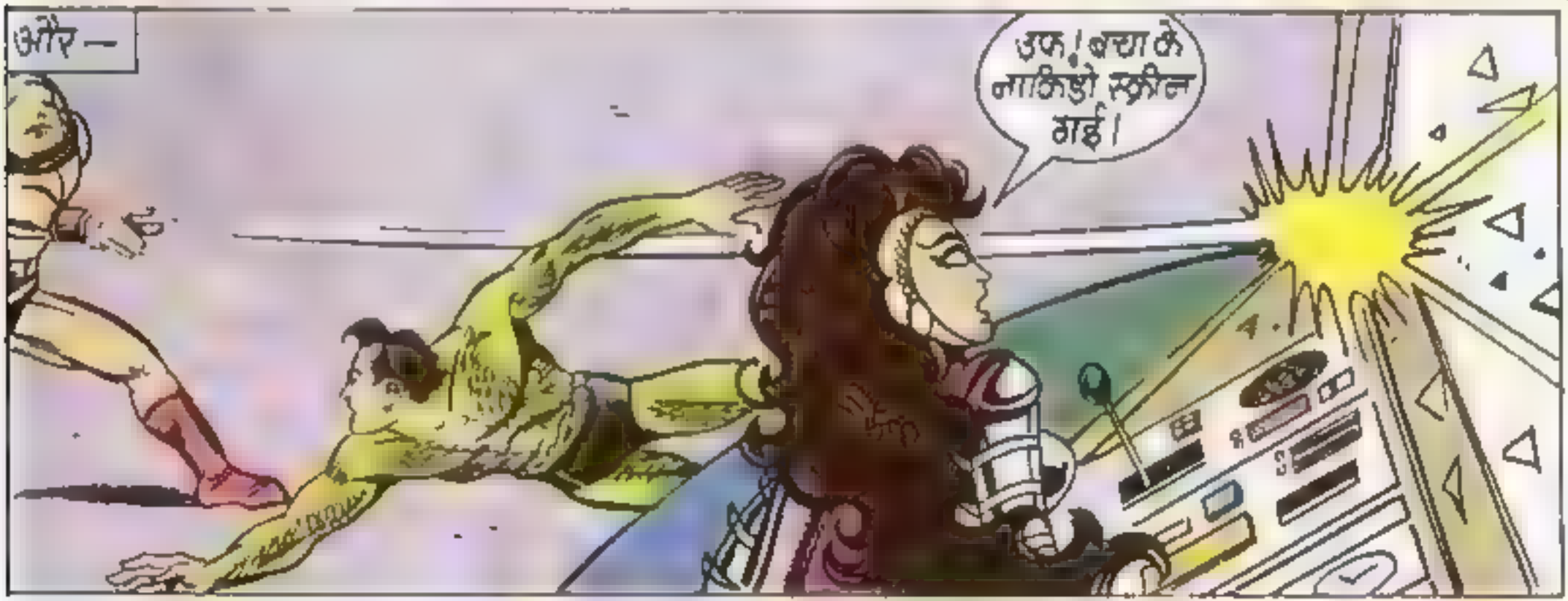
उफ भैया! काहा में आजाद होती तो तुम्हारी यह हासल ना होले देनी।

चाँडिका और धुव की रोमांचक कहानी पढ़ें:— 'आवससोरो का स्वर्ग व स्वर्ग की तबाही'

अब बारी थी नागराज की, नाकिडो नागराज की तरफ घूमा—

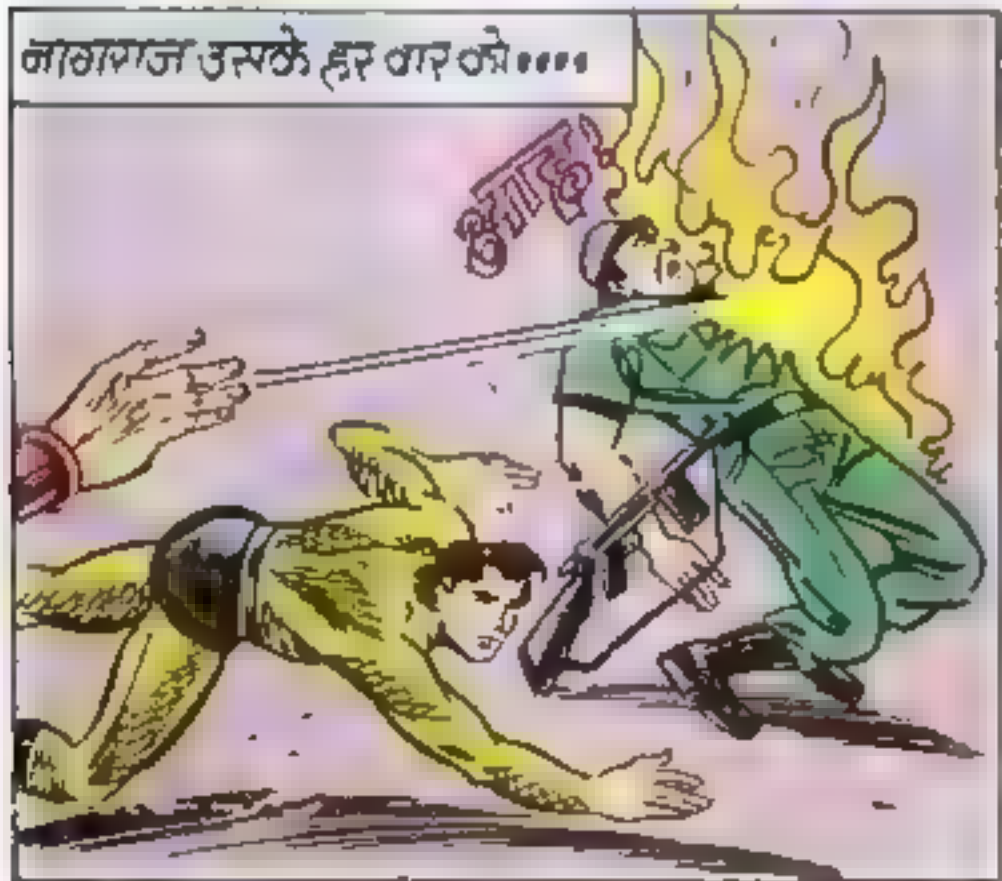


नागराज! हा हा हा कुछ ही देर के मेहमान हो अब।



और —

उफ! बचा के नाकिडो स्क्रीन गई।



नागराज उसके हर बार को....

भुआह!



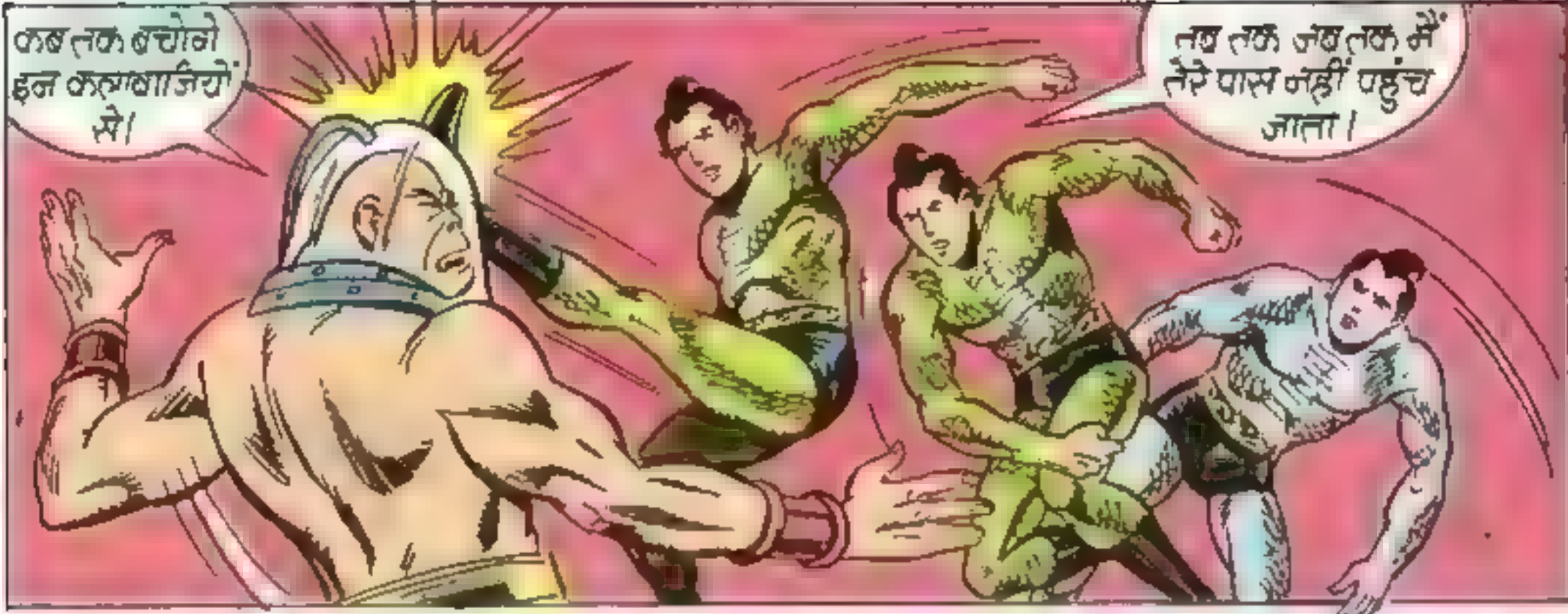
वचाता रहा —

अज्ञान

और बेस्स मालव नाकिडो की अनियंत्रित बेस्स किरणों टकराने से सीस किलर की तेजाबी बारिश का कन्ट्रोल पैनल दूटकर तबाह हो गया।

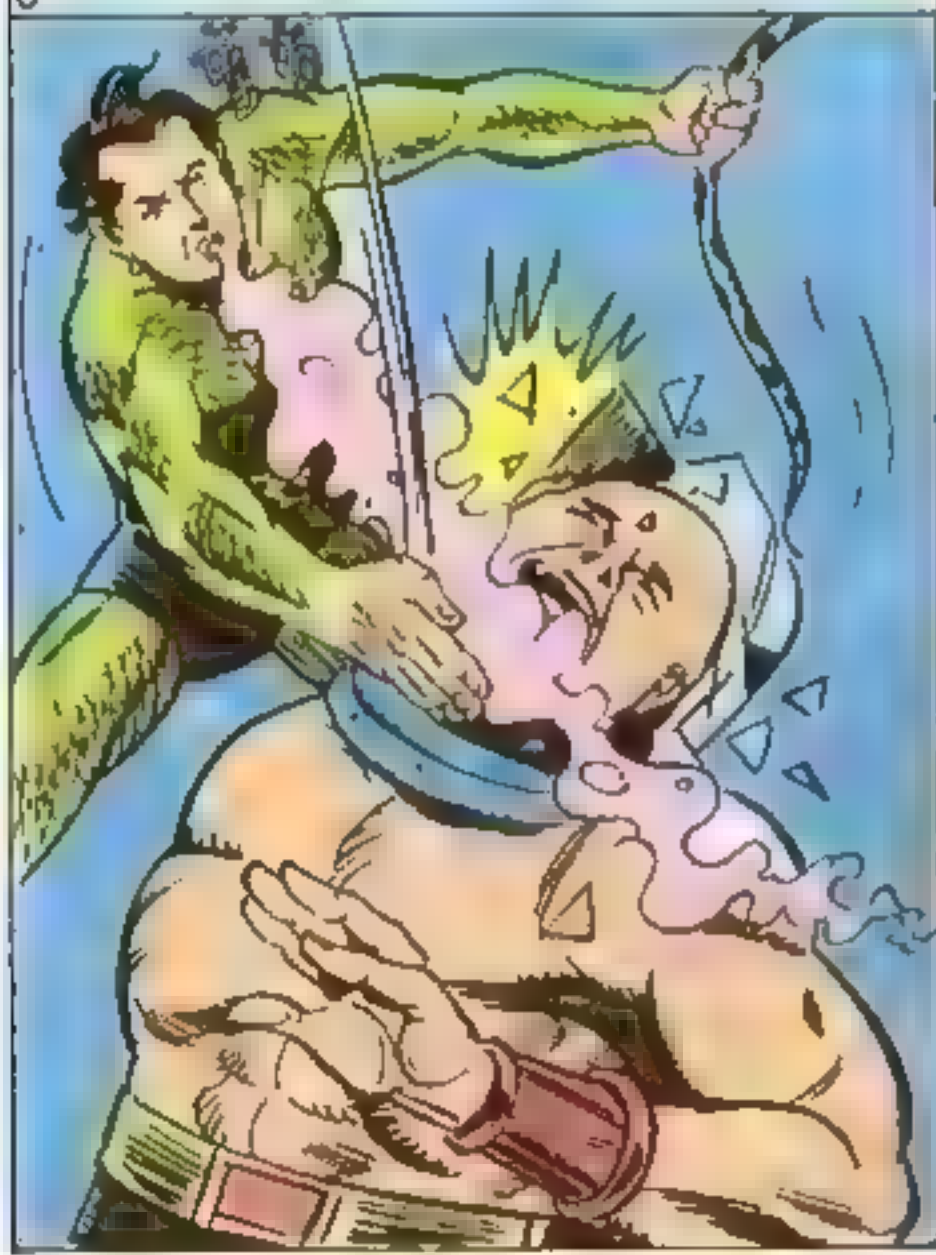
कब तक बचोगे इन कलहाबाजियों से।

तब तक जब तक मैं तेरे पास नहीं पहुँच जाता।



हेलमेट के टूटते ही नागराज की भयंकर जहरीली फुफकार ने नाकिहो की सांसों पर कब्जा कर लिया—

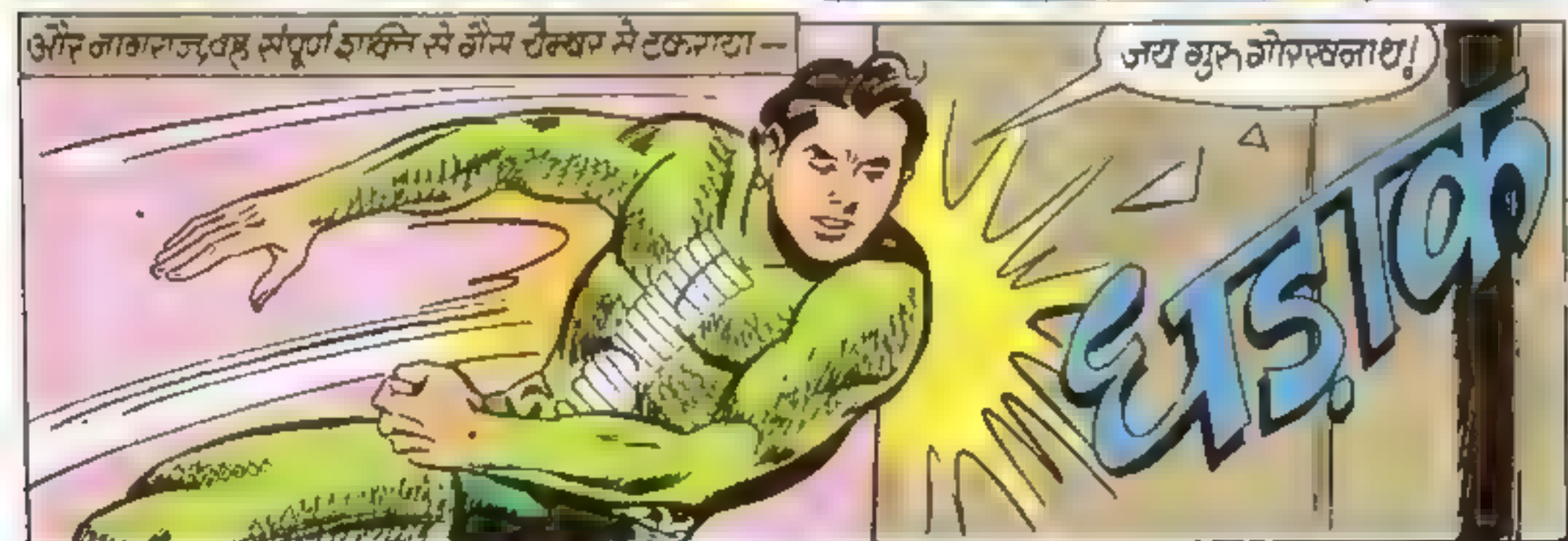
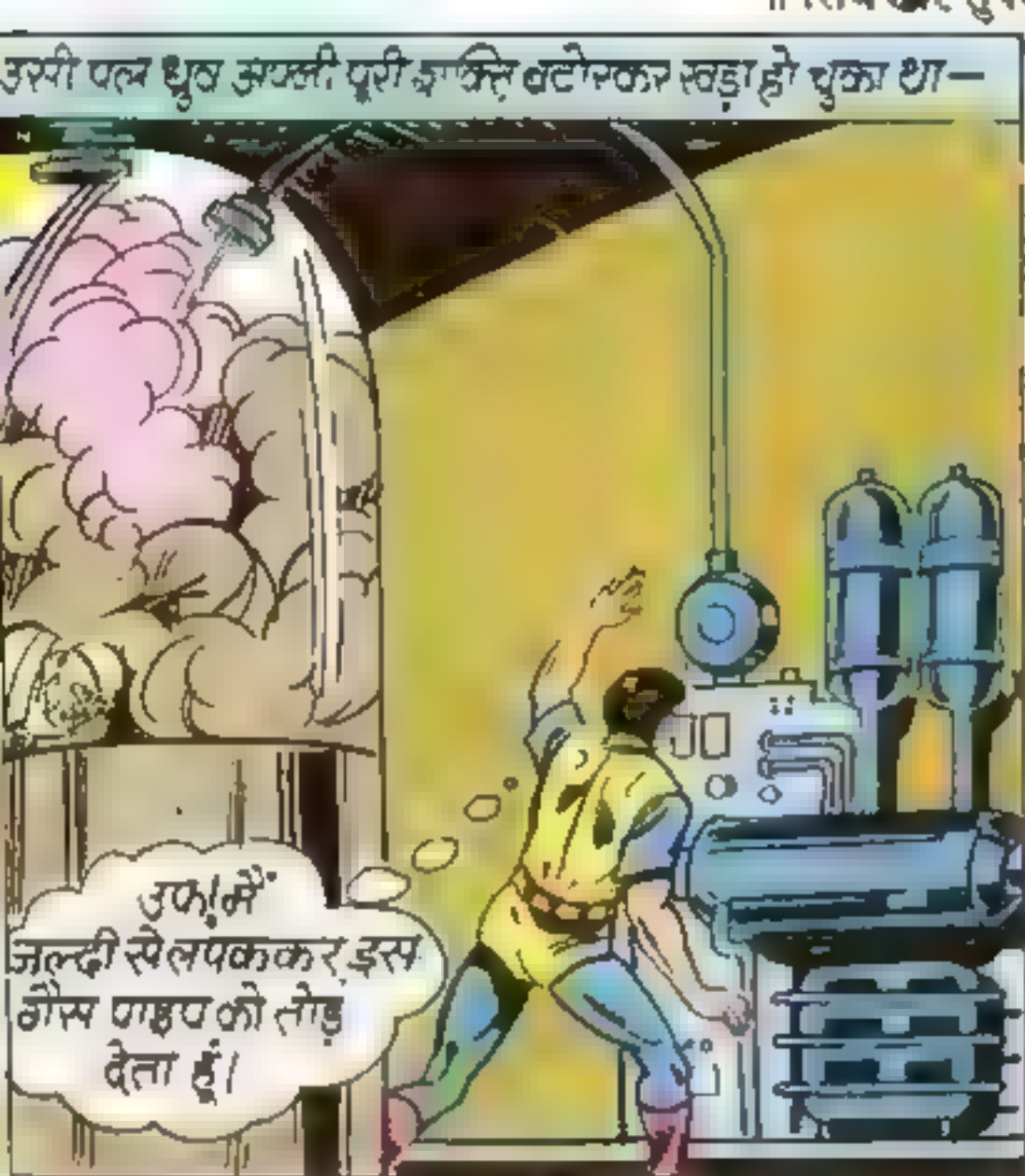
और अगले ही पल नाकिहो कटे वृक्ष की तरह नीचे आ पड़ा—



मैस किलर! देख तेरा अगतिगी सिगाही भी गारा और काट 'बुम्मा' हो तो मेज उर...

और क्रोध से जल उठीं मैस किलर की आंखें—





अपनी इस असफलता से धुरी तरह उफन उठी
मिस किलर —

और नागराज पर
प्रत्यक्ष किरणों
का वार —

मिस किलर की शक्तियों से नागराज
की परीक्षा —



नागराज!
यह किरणें तुम्हारी
शक्तियों को जला
देंगी।

मिस किलर!
नागराज का जीवनमानवता
की समर्पित है। किन्तु तुम
जैसे अपराधी मुझे आत्माकी
से नहीं पचा सकते।



अपना वार असफल होते देख मिस किलर ने रूप बदला —



अब मेरे शरीर
से दीड़ते करंट से बच
नहीं सकोगे तुम।



असंख्य गुप्त शक्तियों की स्वासिली किस किलर नागराज से टकरा गई—

मैं तुम्हें और तुम्हारी सभी सपने शक्तियों को जला डालूंगी नागराज!



तुमने मेरा बहुत नुकसान किया है।

आह



उमं गुंमं

तेरा अन्त आज निश्चित है।



किन्तु इससे पहले कि यह अनिष्ट होता—

ओह! यह सभी सुपर मानव आज्ञा हो चुके हैं।

नहीं, किस किलर! चाडिका तुम्हें सफल नहीं होने देगी।

और ना ही परमाणु।

गरान भी पीछे नहीं है।



बिलाशक्त भी नहीं।



और फिर वे सुपर शक्तियां किस कितर को और नहीं रोक पाईं —



अब किलर फोर्ट पर सुपर मातलों का कब्जा था —



और फिर —



वाह!
उम्माण, तुम
जीनीएस हो!

रह
चाड़िका का हाथ
कितना सुनारम
है!

भैया! मुझे
कभी पहचान नहीं
पाएंगे।

और फिर एक दिन यह सभी शक्तियां फिर मिलीं राजनगर
स्टेडियम में अपने गहने वाले सभी दोस्तों से, किन्तु इस बार कोई
दुर्घटना नहीं घटी और वह था एक टॉप शो।

समाप्त